THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 347 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.10, 2082 शनिवार, 14 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ❋ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ट्रम्प का दावा- ईरान जल्द सरेंडर करेगा

वाशिंगटन, 13 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि ईरान जल्द सरेंडर कर सकता है। न्यूज वेबसाइट एक्सियोस के मुताबिक जी-7 नेताओं के साथ वर्चुअल बैठक में ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका-इजराइल के सैन्य अभियान से ईरान पर भारी दबाव बना है।

ट्रम्प ने कहा कि ईरान की नौसेना और वायुसेना को बड़ा नुकसान हुआ है और उसकी मिसाइल व ड्रोन क्षमता तेजी से खत्म की जा रही है। उन्होंने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी का जिक्र करते हुए कहा कि इस अभियान से बड़ा असर पड़ा है। इसी बीच पश्चिमी इराक में अमेरिकी एयरफोर्स का केसी-135 रिफ्यूलिंग विमान क्रैश हो गया।

पेट्रोल-डीजल की कमी नहीं

सरकार बोली : एलपीजी चिंता का विषय

रोजाना 75.7 लाख सिलेंडर बुक हो रहे, ईरान जंग से पहले 55.7 लाख होते थे

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और ईरान की तरफ से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद किए जाने के कारण ग्लोबल एनर्जी सप्लाई पर दबाव बढ़ने के बीच भारत सरकार ने शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन अवग-अलग मंत्रालयों की जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सरकार ने कहा कि देश में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने से एलपीजी हमारे लिए चिंता का विषय बना हुआ है। सरकार ने बताया कि ईरान जंग के कारण देश में गैस बुकिंग की संख्या में लगभग 20 लाख की बढ़ोतरी हुई है।

सरकार की तरफ से पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी (मार्केटिंग एवं ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने बताया कि जंग से पहले हर रोज औसतन 55.7 लाख सिलेंडरों की बुकिंग होती थी। अभी एक दिन में लगभग 75.7 लाख गैस बुकिंग हो रही है। सरकार ने कहा कि जंग के माहौल के बीच एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग में अचानक बढ़ोतरी देखी गई है। यह लोगों के बीच घबराहट के कारण हो रहा है।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा- एलपीजी चिंता का विषय है क्योंकि देश का ज्यादातर एलपीजी स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से आता है और वह अभी बंद है। हालांकि, हमारे 25,000 एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स में से किसी पर भी गैस खत्म होने (ड्राई आउट) की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

मंत्रालय ने आगे कहा- केंद्र की तरफ से राज्यों को अतिरिक्त 48,000 किलोलीटर केरोसिन आवंटन किया गया है।

राज्यों से अपील की गई है कि वे जिलों में केरोसिन बांटने लिए जगह तय करें। वैकल्पिक ईंधन विकल्पों के लिए कोल इंडिया को छोटे, मध्यम और अन्य उपभोक्ताओं को कोयला उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने कहा कि एलपीजी की पैनिक बुकिंग करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि किसी भी एलपीजी डीलर पर गैस खत्म होने की स्थिति सामने नहीं आई है। 9 मार्च 2026 को जारी नेचुरल गैस ऑर्डर के तहत कई सेक्टर को प्राथमिकता दी गई है। उसी आदेश के अनुसार घरेलू पीएनजी (पीएनजी) और सीएनजी (सीएनजी) की आपूर्ति बिना किसी कटौती के जारी है।

एलपीजी संकट पर संसद में विपक्ष की नारेबाजी

वित्त मंत्री बोलीं- मुश्किल समय में साथ खड़े हों

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के 5वें दिन, शुक्रवार को भी विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने 8 निलंबित सांसदों की वापसी की मांग की। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा- सदन की मेजों पर चढ़ोगे तो यही एक्शन होगा।

लोकसभा में हंगामे का कारण पहले 12 बजे तक कार्यवाही स्थगित कर दी गई। इसके बाद दूसरी बार 2 बजे तक फिर से कार्यवाही स्थगित की गई। 2 बजे शुरू हुई कार्यवाही भी केवल 1 घंटा चली। इसके बाद लोकसभा को 16 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया गया। इस दौरान विपक्ष ने पीएम मोदी के खिलाफ नारेबाजी की।

लोकसभा में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि विदेशों में हो रहे घटनाक्रम के कारण हमारे देश में कुछ मुश्किलें खड़ी हो रही हैं। सरकार जरूरी फंड मुहैया कराने और पूरी तरह तैयार रहने के लिए कदम उठा रही है। ऐसे समय में विपक्ष को सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होना चाहिए, लेकिन वह गैर-जिम्मेदाराना हरकत कर रहा है।

ईरान बोला- भारत हमारा दोस्त, होर्मुज में सुरक्षित रास्ता देंगे

तेल अवीव/तेहरान, 13 मार्च (एजेंसियां)। भारत में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली ने कहा है कि ईरान भारत को सुरक्षित रास्ता देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि भारत और ईरान के बीच दोस्ताना संबंध हैं। नई दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान उनसे सवाल पूछा गया कि क्या ईरान भारत को होर्मुज स्ट्रेट में रास्ता देगा। इस पर फतहाली ने कहा, हां, क्योंकि भारत हमारा दोस्त है। आप दो-तीन घंटे में ऐसा होते देखेंगे। उनके मुताबिक भारत और ईरान के बीच लंबे समय से सहयोग और विश्वास का रिश्ता रहा है। इसी बीच ओमान के सोहर प्रांत में ड्रोन गिरने से दो भारतीय कामगारों की मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक सुरक्षा बलों ने एक ड्रोन को मार गिराया था, जिसके बाद उसका मलबा गिरने से यह हादसा हुआ।

वैश्विक संकट से निपटने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा भारत : मोदी

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के खिलाफ इजरायल-अमेरिका की संयुक्त लड़ाई के बाद आए वैश्विक संकट को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि संकट से निपटने में भारत कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया। पीएम मोदी ने पोस्ट में लिखा, आज युद्ध के चलते जो वैश्विक संकट बना है, उससे निपटने में भारत कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। वीडियो में पीएम मोदी ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आजकल बहुत चर्चा एलपीजी को लेकर हो रही है। कुछ लोग हैं जो पैनिक क्रिएट करने का प्रयास कर रहे हैं, अपना एजेंडा चलाना चाहते हैं। मैं इस समय उन पर राजनीतिक टिप्पणी नहीं करना चाहता, लेकिन इतना जरूर कहूंगा कि ऐसा करके वो जनता के समक्ष खुद तो एक्सपोज हो ही रहे हैं और देश का भी बड़ा नुकसान कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, आज युद्ध से जो ये वैश्विक संकट आया है, उसके प्रभाव से कोई देश अछूता नहीं है। कम या अधिक मात्रा में हर कोई शिकार है। भारत सरकार भी इस संकट से निपटने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रही है। हम अलग-अलग स्तरों पर प्रयास कर रहे हैं। बीते दिनों दुनिया के कई देशों के शीर्ष नेताओं से मेरी इसको लेकर बातचीत हुई है। सप्लाई चेन में जो बाधाएं आई हैं, उनसे हम कैसे पार पाएं, इसके लिए भी निरंतर प्रयास चल रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा, इस वैश्विक संकट ने एक बार फिर दिखाया है कि किसी भी देश का आत्मनिर्भर होना इतना अधिक जरूरी क्यों है। इसलिए ही बीते वर्षों में हमने भारत को एनर्जी सेक्टर्स में आत्मनिर्भर बनाने के लिए होलिस्टिक तरीके से काम किया है। उन्होंने यह भी दोहराया कि हम इस वैश्विक संकट को भी पार कर लेंगे। उन्होंने कहा, मैं फिर दोहराउंगा जहां तक सरकार का प्रश्न है, हम किसी भी प्रकार के प्रयत्न या प्रयास में कोई कमी नहीं आने देंगे। हमारे हर निर्णय में जनता का हित सर्वोपरि रहेगा।

चुनाव से पहले सीएम बनर्जी का मास्टर स्ट्रोक

एससी-एसटी-ओबीसी समुदायों को लुभाने के लिए किया बड़ा एलान

कोलकाता, 13 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सीएम ममता बनर्जी ने एक नया राजनीतिक और सामाजिक मास्टर स्ट्रोक खेला है। उन्होंने शुक्रवार को घोषणा की कि उनकी सरकार मुंडा, कोरा, डोम, कुंभकार और सदगोप समुदायों के लिए नए सांस्कृतिक और विकास बोर्ड बनाएगी। सीएम ममता के अनुसार यह कदम न केवल इन कमजोर और पिछड़े समुदायों के अधिकारों और परंपराओं की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में तरक्की को भी बढ़ावा देगा।

सीएम बनर्जी ने इसे राज्य में समान और समावेशी विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बताया है, जो चुनावी मोर्चे पर भी उनकी पकड़ मजबूत कर सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए पोस्ट में सीएम ममता ने लिखा कि मैं खुशी के साथ घोषणा करती हूं कि हमारी सरकार मुंडा (एसटी), कोरा (एसटी), डोम (एससी), कुंभकार (ओबीसी) और सदगोप (ओबीसी) समुदायों के लिए जल्द ही पांच नए सांस्कृतिक और विकास बोर्ड बनाएगी।

ये समुदाय राज्य की सजीव-रंगनी संस्कृति का हिस्सा :

अपने पोस्ट में सीएम ममता बनर्जी ने इस बात पर भी जोर दिया कि ये पांचों समुदाय राज्य की सजीव और रंगीन संस्कृति का अहम हिस्सा हैं। बोर्डों के जरिए इनके भाषा, परंपरा, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़े अधिकारों की रक्षा की जाएगी। सीएम बनर्जी ने यह भी बताया कि 2013 से उनकी सरकार ने कई ऐसे बोर्ड स्थापित किए हैं, जिससे कमजोर समुदायों का संपूर्ण विकास सुनिश्चित किया गया है।

हमारा लक्ष्य समान विकास :

इसके साथ ही सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि कोई भी समुदाय पीछे न रह जाए।

'कैश-फॉर-क्वेरी' केस में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

एमपी महुआ और सीबीआई को नोटिस जारी

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आज शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट के दिसंबर 2025 के उस आदेश के एक हिस्से पर रोक लगा दी, जिसमें लोकपाल को तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ कथित सवाल पूछने के बदले पैसे लेने (कैश-फॉर-क्वेरी) मामले में सीबीआई को चार्जशीट दाखिल करने की मंजूरी देने पर विचार करने की अनुमति दी गई थी।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ लोकपाल की याचिका पर महुआ मोइत्रा को नोटिस जारी किया है।

10 पन्ने का नोटिस, 193 सांसदों के हस्ताक्षर

सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद के दोनों सदनों में नोटिस

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ टीएमसी की अगुवाई में विपक्ष ने हटाने का प्रस्ताव दिया है। करीब 10 पन्नों वाले नोटिस में 7 बिंदु गिनाए गए हैं, जिनके आधार पर ज्ञानेश कुमार को हटाने का प्रस्ताव किया गया है। लोकसभा में दिए गए नोटिस में 130 सांसदों के, जबकि राज्यसभा में दिए गए नोटिस में 63 सांसदों के हस्ताक्षर करवाए गए हैं। प्रस्ताव लाने की पहल तृणमूल कांग्रेस की तरफ से की गई थी लेकिन ज्यादातर विपक्षी पार्टियों के सांसदों ने इस पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि न तो लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और न ही राज्यसभा में विपक्ष के मल्लिकार्जुन खड़गे हस्ताक्षर करने वालों में शामिल हैं।

क्या होती है प्रक्रिया

संविधान के अनुच्छेद 324 (5) में मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने का प्रावधान किया गया है। इस अनुच्छेद के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने के लिए वैसी ही प्रक्रिया अपनाई जाएगी जो सुप्रीम कोर्ट के किसी जज को हटाने की होती है। सुप्रीम कोर्ट के किसी जज को उसके पद से हटाने का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 124 (4) में किया गया है। इसमें साफ किया गया है कि जज को केवल दो आधार पर ही हटाया जा सकता है- दुर्व्यवहार और कार्य निष्पादन में अक्षमता। 124 (5) के मुताबिक संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत के द्वारा एक प्रस्ताव पारित करके राष्ट्रपति को किसी जज को हटाने की सिफारिश की जा सकती है। इस पूरी प्रक्रिया का कोई नाम तो नहीं दिया गया है लेकिन आम तौर पर इसे महाभियोग प्रस्ताव के नाम से जाना जाता है।

सुप्रीम कोर्ट के किसी जज को हटाने की पूरी प्रक्रिया जजेज इंक्वायरी एक्ट 1968 (न्यायाधीश जांच अधिनियम) में दी गई है। इसके मुताबिक हटाने का नोटिस दिनों में से किसी एक सदन में या दोनों सदनों में एक साथ दिया जा सकता है।

ऐसे संकेत हैं कि ज्ञानेश कुमार को हटाने का नोटिस दोनों सदनों में एक साथ दिया जाएगा। चूंकि नोटिस दोनों सदनों में एक साथ दिए जाने की संभावना है, ऐसे में राज्यसभा के सभापति और लोकसभा के अध्यक्ष मिलकर नोटिस पर विचार करेंगे।

नेहरू जिंदा होते तो कांशीराम यूपी के सीएम होते : राहुल गांधी

लखनऊ, 13 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शुक्रवार को लखनऊ पहुंचे। उन्होंने दलित वोटर्स को रिझाने के लिए जहां डॉक्टर आंबेडकर और कांशीराम की सराहना की, वहीं भारत-अमेरिका डील, पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा पर जमकर निशाना साधा।

राहुल ने कहा, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी का नाम एपस्टीन फाइल में है। उनकी बेटी की कंपनी में जॉर्ज सोरोस की फंडिंग है। नरेंद्र मोदी साइकोलॉजिकली खत्म हो गए हैं। नरेंद्र मोदी अब भारत के प्रधानमंत्री नहीं रहे, वे अमेरिका का काम कर रहे हैं। जब मैं यह बात संसद में बोलने जा रहा था तो नरेंद्र मोदी जी भाग कर निकल गए।

नरेंद्र मोदी ने देश की एनर्जी सिक्योरिटी से समझौता कर दिया है। क्योंकि अब अमेरिका तय कर रहा है कि हम तेल कहां से लेंगे? एनर्जी सेक्टर के हालात अभी और खराब होंगे।

राहुल ने कहा, कांशीरामजी समाज में बराबरी की बात करते थे। कांग्रेस अपना काम पूरी तरह से नहीं कर सकी। यही कारण है कि कांशीरामजी सफल हुए। अगर कांग्रेस ठीक तरह से काम करती तो कांशीरामजी कभी सफल न होते। राहुल गांधी ने कहा कि नरेंद्र मोदी संविधान की विचाराधारा नहीं मानते : संविधान में जितने भी दलित महापुरुष हुए, उनकी आवाज इसमें है। सावरकरजी, नाथूराम गोडसे की आवाज इस संविधान में नहीं है। नरेंद्र मोदीजी कुछ भी कह लें, इस संविधान की विचारधारा को नहीं मानते हैं।

सारा माल अमेरिका का आएगा : मोदी ने कहा कि 9 लाख करोड़ का माल अमेरिका से खरीदेंगे। मैं पूछना चाहता हूं, हमारे बिजनेस क्या करेंगे। कपास, सोया, फल, बादाम, अखरोट अब अमेरिका के किसान यहां बेचेंगे। अमेरिका में बड़े-बड़े खेत हैं। सारा माल उनका आ जाएगा, सब खत्म कर देंगे।

यूपी में कांग्रेस को मर मिटने वाले 100 लोग चाहिए : अब हमारे पास बड़ा मौका है। हिंदुस्तान की राजनीति बदलें। कांग्रेस को सिर्फ यूपी में 100 लोग ऐसे मिल जाएं जो कह दें कि मर जाएंगे, पीछे नहीं हटेंगे। हमारे लक्ष्य को नहीं छोड़ेंगे। काम हो जाएगा हमारा।

सोनिया गांधी और राहुल पर लटकी तलवार

एक झटके में छिन सकती है संसद की सदस्यता!

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। नेहरू-गांधी परिवार पर कानूनी तलवार लटक रही है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट और लखनऊ हाईकोर्ट में चल रहे दो अलग-अलग मामलों ने कांग्रेस की धड़कनें बढ़ा दी हैं। मामला सीधे तौर पर नागरिकता और संवैधानिक नियमों के उल्लंघन से जुड़ा है। जानकारों का मानना है कि अगर इन मामलों में अदालत का फैसला खिलाफ आता है, तो जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत सोनिया गांधी और राहुल गांधी दोनों की संसद सदस्यता एक झटके में खत्म हो सकती है। कोर्ट ने सुनवाई के लिए अगली तारीखें तय कर दी हैं।

सोनिया गांधी के वोटर लिस्ट विवाद में क्या है पेच :

सोनिया गांधी के खिलाफ राउज एवेन्यू कोर्ट में दाखिल रिवीजन पिटीशन में बेहद गंभीर आरोप लगाए गए हैं। अधिवक्ता विकास त्रिपाठी का दावा है कि सोनिया गांधी ने 30 अप्रैल 1983 को भारत की नागरिकता हासिल की थी। लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि उनका नाम 1980 की नई दिल्ली की वोटर लिस्ट में पहले से ही दर्ज था। सवाल यह उठता है कि बिना भारतीय नागरिक बने किसी विदेशी व्यक्ति का नाम वोटर लिस्ट में कैसे आ गया?

याचिकाकर्ता ने कोर्ट से पूछा है कि क्या इसके लिए फर्जी दस्तावेजों का सहारा लिया गया था। हालांकि, सोनिया गांधी की लीगल टीम ने इसे 'राजनीतिक रूप से प्रेरित' और 'कानूनी प्रक्रिया का दुरूपयोग' बताया है। अब 30 मार्च को होने वाली सुनवाई तय करेगी कि यह मामला कितनी दूर तक जाएगा।

राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता का केस क्या है :

दूसरी तरफ, यूपी की रायबरेली सीट से सांसद राहुल गांधी की मुश्किलें लखनऊ हाईकोर्ट ने बढ़ा दी हैं। भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने केंद्र सरकार से संबंधित केस फाइल और रिकॉर्ड तलब किए हैं। याचिकाकर्ता का सीधा आरोप है कि राहुल गांधी के पास कथित तौर पर ब्रिटिश नागरिकता है और वे 'रॉल विंची' नाम से भी सक्रिय रहे हैं।

इस मामले में पासपोर्ट एक्ट और ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट जैसी गंभीर धाराओं के तहत जांच की मांग की गई है। हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा है कि इस शिकायत पर अब तक क्या कार्रवाई हुई है। 19 मार्च को होने वाली अगली सुनवाई में राहुल गांधी के भविष्य को लेकर बड़ी तस्वीर साफ हो सकती है।

भारतीय संविधान के अनुसार, कोई भी व्यक्ति जो भारत का नागरिक नहीं है या जिसने किसी विदेशी राज्य की नागरिकता स्वेच्छा से हासिल कर ली है, वह संसद का सदस्य रहने के योग्य नहीं है। यदि सोनिया गांधी के मामले में वोटर लिस्ट की धोखाधड़ी साबित होती है या राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता के सबूत मिलते हैं, तो उनकी सदस्यता रद्द होना तय है।

हेड कांस्टेबल की सड़क हादसे में मौत, पत्नी ने भी तोड़ा दम, दो बच्चे घायल

भद्रवाह, 13 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के भद्रवाह इलाके में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक हेड कांस्टेबल और उनकी पत्नी की मौत हो गई, जबकि उनके दो बच्चे घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा भद्रवाह के बस्ती गांव के पास उस समय हुआ जब एक आल्टो कार अचानक नियंत्रण खो बैठी और सड़क से फिसलकर नदी में जा गिरी।

हादसे में जम्मू-कश्मीर पुलिस के हेड कांस्टेबल जुल्फिकार अली और उनकी पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हेड कांस्टेबल जुल्फिकार अली ड्यूटी के लिए जा रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया। कार में उनके दोनों बच्चे भी मौजूद थे, जो इस दुर्घटना में घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से दोनों घायल बच्चों को पास के अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया।

पीरियड्स लीव पर सीजेआई की टिप्पणी, अनिवार्य छुट्टी की याचिका पर सुनवाई से इनकार

'महिलाओं को कोई काम नहीं देगा'

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को महिलाओं कर्मचारियों और छात्राओं के लिए देशभर में मासिक धर्म अवकाश नीति की मांग करने वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा, ऐसी नीति अनजाने में लैंगिक रूढ़िवादिता को बढ़ावा दे सकती है और इससे महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर कम हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि और नियोक्ता महिलाओं को नौकरी देने से कतराने लगेंगे।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि ऐसी मांगें अनजाने में महिलाओं के बारे में रूढ़िवादी सोच को भी मजबूत कर सकती हैं। अदालत ने टिप्पणी की कि मासिक धर्म को किसी कमजोरी या हीनता के रूप में पेश करना सही नहीं है। हालांकि, अदालत ने यह भी कहा कि संबंधित सक्षम प्राधिकारी इस विषय पर दी गई याचिकाकर्ता की प्रतिनिधित्व पर विचार कर सकते हैं और सभी हितधारकों से परामर्श करके नीति बनाने की संभावना की जांच कर सकते हैं। यह याचिका शैलेन्द्र मणि त्रिपाठी ने दायर की थी, जिसमें महिलाओं के लिए छात्रों और कामकाजी महिलाओं दोनों के लिए मासिक धर्म अवकाश की राष्ट्रीय नीति बनाने की मांग की गई थी।

सुप्रीम इनकार

- मासिक धर्म अवकाश पर राष्ट्रीय नीति की मांग वाली याचिका सुनने से कोर्ट का इनकार।
- कोर्ट ने कहा- कानून बनाकर इसे अनिवार्य करना उल्टा असर डाल सकता है।
- आशंका जताई कि इससे नियोक्ता महिलाओं को नौकरी देने से बच सकते हैं।

कानून के जरिए अनिवार्य बनाने से क्या होगा?

इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि स्वैच्छिक रूप से दी गई ऐसी सुविधाएं अच्छी हैं, लेकिन अगर इसे कानून के जरिए अनिवार्य बना दिया गया तो इसके सामाजिक और पेशेवर प्रभाव पड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे यह धारणा बन सकती है कि महिलाओं को अतिरिक्त छुट्टियां मिलेंगी, जिससे उनके रोजगार के अवसर प्रभावित हो सकते हैं। अदालत ने यह भी कहा कि चूंकि याचिकाकर्ता पहले ही संबंधित अधिकारियों को इस विषय पर प्रतिनिधित्व दे चुके हैं, इसलिए बार-बार अदालत से आदेश मांगने की आवश्यकता नहीं है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने याचिका का निपटारा करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रतिनिधित्व पर उचित निर्णय लेने का निर्देश दिया।

मासिक धर्म अवकाश पर केरल का दिया उदाहरण

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एम. आर. शमशाद ने बताया कि कुछ राज्य और संस्थान पहले ही इस दिशा में कदम उठा चुके हैं। उन्होंने केरल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां स्कूलों में कुछ राहत दी गई है और कई निजी कंपनियां भी स्वेच्छा से कर्मचारियों को यह अवकाश दे रही हैं।

गैस सिलिंडर के लिए कतार में खड़े 66 वर्षीय बुजुर्ग की मौत,

बरनाला, 13 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के बरनाला जिले के गांव शैहणा में शुक्रवार को एक दुखद घटना सामने आई। गैस सिलिंडर लेने के लिए कतार में खड़े 66 वर्षीय व्यक्ति की दिल का दौरा पड़ने से मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद मौके पर मौजूद लोग स्तब्ध रह गए और इलाके में शोक का माहौल बन गया। मृतक की पहचान शैहणा गांव निवासी भूषण कुमार मित्तल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह सुबह करीब पांच बजे अपने बेटे के साथ खाना पकाने वाला गैस सिलिंडर लेने के लिए स्थानीय गैस एजेंसी के बाहर पहुंचे थे।

उस समय एजेंसी के बाहर पहले से ही बड़ी संख्या में लोग कतार में खड़े थे। शैहणा गांव की गैस एजेंसी के बाहर लगी कतार। परिवार और स्थानीय लोगों के अनुसार, भूषण कुमार का कतार में 25वां नंबर था। वह काफी देर तक अपनी बारी आने का इंतजार कर रहे थे।

दिल्ली-देहरादून हाईवे पर लिखा था आपत्तिजनक नारा दो युवतियों सहित तीन अरेस्ट

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली-देहरादून हाईवे पर सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वाले शरारती तत्वों के खिलाफ सहारनपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। हाईवे के एलीवेटेड रोड पर आपत्तिजनक और सांप्रदायिक टिप्पणी लिखने के मामले में पुलिस ने दो युवतियों और एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों को अदालत में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। मामला कुछ दिन पहले का है, जब दिल्ली-देहरादून हाईवे के एलीवेटेड रोड पर अज्ञात लोगों ने स्प्रे पेंट का इस्तेमाल कर अंग्रेजी में एक विवादित संदेश लिखा था। संदेश में एक विशेष समुदाय के हाईवे पर प्रवेश को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। लिखा था- ये रोड मुसलमान के लिए नहीं है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जंगल की आग की तरह फैल गया, जिसके बाद स्थानीय लोगों और सोशल मीडिया यूजर्स ने कड़ी नाराजगी जाहिर की थी।

गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

कहा-हर महीने विदेश जाने से कोई विशेषज्ञ नहीं बन जाता

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी अक्सर देश की विदेश नीति पर सवाल उठाकर भ्रम फैलाने का काम करते हैं और यह देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को लगता है कि हर महीने विदेश यात्रा करने से वे विदेश नीति के विशेषज्ञ बन गए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वे पर्यटक की तरह 'मकर द्वार' जैसे स्थानों पर चाय-कॉफी पीते हैं और फिर देश की आलोचना करते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का यह रवैया नया नहीं है।

कोविड-19 महामारी के दौरान भी राहुल गांधी ने इसी तरह लोगों के बीच भ्रम फैलाने की कोशिश की थी। उस समय राहुल गांधी कभी कहते थे कि बच्चों को वैक्सीन क्यों नहीं दी जा रही है, तो कभी किसी और मुद्दे को उठाकर सरकार पर सवाल खड़े करते थे। उन्होंने कहा कि उस कठिन दौर में सरकार ने न केवल देश के लोगों की सेवा की बल्कि भारत ने अपनी विदेश नीति के जरिए दुनिया के कई देशों को भी वैक्सीन उपलब्ध कराई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर भी जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का काम अब सिर्फ भ्रम फैलाने तक सीमित रह गया है और उनके बयानों में गंभीरता की कमी दिखाई देती है। राहुल गांधी को शायद यह भी ठीक से पता नहीं है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता की भूमिका क्या होती है। यह स्थिति कांग्रेस पार्टी के लिए भी दुर्भाग्यपूर्ण है।

जम्मू से खरीदा चाकू, फिर दुष्कर्म के बाद प्रेमिका का काटा था गला प्रेमी संगारेड्डी से गिरफ्तार

रामबन, 13 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गूल इलाके में हुई युवती की हत्या की गुत्थी को महज कुछ ही दिनों में सुलझा लिया है। पुलिस ने अंतरराज्यीय अभियान चलाकर मुख्य आरोपी को तेलंगाना के संगारेड्डी जिले से गिरफ्तार किया है। आरोपी ने न केवल हत्या की बात स्वीकार की है बल्कि वारदात से पहले दुष्कर्म की बात भी कबूल की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि वह पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं लेकिन वह कई वर्षों से युवती के साथ संबंध में था।

उसने पहले प्रेमिका के परिवार से शादी करने की बात भी कही थी। हालांकि पिछले कुछ समय से आरोपी को प्रेमिका के व्यवहार पर शक होने लगा था, जिससे दोनों के बीच अविश्वास बढ़ गया। पुलिस के अनुसार आरोपी ने साजिशन जम्मू से चाकू खरीदा और एक मार्च को गूल पहुंचा।

'ओम बिरला की जगह आपको स्पीकर होना चाहिए'

संसद परिसर में जगदंबिका पाल से बोले दिग्जविजय सिंह

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। भोपाल लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ सदन में लाया गया अविश्वास प्रस्ताव गिरने के बाद एक दिलचस्प वीडियो सामने आया है। इसमें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेता और राज्यसभा सांसद दिग्वजिय सिंह ने भारतीय जनता पार्टी के नेता एवं डुमरियागंज से सांसद जगदंबिका पाल की तारीफ की है।

दिग्विजय सिंह ने संसद परिसर में जगदंबिका पाल से कहा कि आप ओम बिरला (लोकसभा अध्यक्ष) से अच्छे स्पीकर होंगे। सिंह ने कहा कि आपका आचरण उचित होता है। आम ओम बिरला से ज्यादा अच्छे स्पीकर होंगे। इस दौरान किसी ने कहा कि ओम बिरला ने इन्हें मौका दिया। इस पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि अरे ओम बिरला को छोड़ देना चाहिए।

इनको बनाना चाहिए। इसके जवाब में डुमरियागंज सांसद ने कहा कि यहीं राजनीति खेल गए। जिस पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि नहीं नहीं आपसे राजनीति नहीं करूंगा। आप मेरे भाई हैं। हम एक साथ रहे हैं।

अब ठीक है, आगे पीछे हो जाते हैं। इसके प्रति उत्तर में लोकसभा सांसद ने हा कि आप शंकर हैं। आप विष गरल पीने में आपकी महानता है। इस पर दिग्विजय सिंह ने कहा- 'कबीरा खड़ा बजार में, मांगे सबकी खैर, न काहू से दोस्ती न काहू से बैर।'

राजधानी में अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ 21 केजी गांजा बरामद

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। पूर्वी जिला नारकोटिक्स स्क्वाड ने एक बड़े अंतरराज्यीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। स्क्वाड ने करीब 21 किलोग्राम 730 ग्राम गांजा और 46 ग्राम स्मैक बरामद की है। बरामद मादक पदार्थों की अनुमानित कीमत बाजार में करीब 12 लाख रुपये बताई जा रही है। इस मामले में दो ड्रग सप्लायर अकबर और फिरोज खान को गिरफ्तार किया गया है। पूर्वी जिला नारकोटिक्स स्क्वाड की एक विशेष टीम गठित की गई थी।

टीम ने स्थानीय मुखबिरों और मानवीय खुफिया स्रोतों से जानकारी जुटाई। 11-12 मार्च की रात स्क्वाड को एक गुप्त सूचना मिली। सूचना थी कि अकबर और फिरोज खान स्कूटी पर गांजा लेकर आ रहे हैं। वे अक्षरधाम की ओर एनएच-24, खिचड़ीपुर बस स्टैंड के पास से गुजरने वाले थे। सूचना पर कार्रवाई करते हुए टीम ने एनएच-24, खिचड़ीपुर बस स्टैंड के पास जाल बिछाया। दोनों आरोपियों को स्कूटी पर दो सफेद बैग के साथ पकड़ा गया।

रईसी की मौत पर शोक, खामेनेई के लिए क्यों नहीं

कांग्रेस बोली- दोस्तों को नाराज करने से बच रही सरकार

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान-इजराइल-अमेरिका जंग जारी है। इसका असर पूरी दुनिया में देखने को मिल रहा है। अमेरिकी हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर समेत कई बड़े अधिकारी मारे गए हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आयतुल्लाह खामेनेई की 28 फरवरी 2026 को कथित हत्या को लेकर सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं।

आरोप लगाया गया है कि अमेरिका और इजराइल द्वारा किए गए हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता की मौत हुई, लेकिन इस पर अब तक भारत सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। जयराम रमेश ने कहा कि कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है। संसद में भी अब तक इस मामले में कोई शोक प्रस्ताव पेश नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि यह 'समझौते' वाले नेतृत्व द्वारा अमेरिकी-इजरायली सहयोगियों को नाराज न करने का संकेत है।

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पोस्ट में क्या कहा?

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि ईरान के संवैधानिक प्रमुख आयतुल्लाह खामेनेई की 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजरायल द्वारा हत्या कर दी गई।

प्रधानमंत्री मौन हैं। विदेश मंत्री मौन हैं। संसद में अब तक शोक प्रस्ताव तक नहीं रखा गया है।

आगे लिखा कि भारत ने खाड़ी देशों पर ईरान के हमलों की सही रूप से निंदा की है, लेकिन ईरान पर हुए अमेरिका-इज़रायल के हमले पर पूरी तरह चुप्पी साध रखी है।

यह भी याद रखा जाना चाहिए कि ईरान बीआरआईसी+ मंच का हिस्सा है, जिसकी अध्यक्षता इस वर्ष भारत के पास है।

इब्राहिम रईसी पर किया था राजकीय शोक घोषित

जयराम रमेश ने अपनी पोस्ट में लिखा कि मई 2024 में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की एक रहस्यमय हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। तब मोदी सरकार ने 21 मई 2024 को एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की थी और संसद में 1 जुलाई 2024 को, जब सत्र शुरू हुआ, शोक प्रस्ताव भी रखा गया था। अब यह हिचकिचाहट क्यों? इसमें कोई संदेह नहीं कि एक समझौताशुदा प्रधानमंत्री अपने अमेरिकी और इजरायली दोस्तों को नाराज करने से बचना चाहते हैं।

'अच्छा हिंदू होने के लिए गोमांस का सेवन जरूरी'

व्हाट्सऐप मैसेज से मचा बवाल, एससी ने भी तुरंत जारी कर दिया नोटिस

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट उस याचिका पर सुनवाई करने के लिए तैयार हो गया है, जिसमें हिंदुओं को लेकर आपत्तिजनक व्हॉट्सऐप मैसेज फॉरवर्ड करने के आरोप में एक शख्स पर एफआईआर रद्द करने की अपील की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताते हुए मध्य प्रदेश पुलिस और अन्य को नोटिस भेजा है। इस मैसेज में कहा गया था- 'अच्छा हिंदू होने के लिए गोमांस का सेवन आवश्यक है।' जस्टिस बी।वी। नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच के सामने यह याचिका लगी थी, जिसे बुद्ध प्रकाश बौद्ध नाम के शख्स ने दायर किया है।

बुद्ध प्रकाश बौद्ध ने पहले मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में याचिका दायर करके उनके खिलाफ मुकदमा रद्द करने की मांग की थी। हालांकि, हाईकोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दी, जिसके बाद बुद्ध प्रकाश बौद्ध ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि प्राथमिकी में लगाए गए आरोप प्रथम दृष्टया उन अपराधों के तत्वों को दर्शाते हैं जिनके तहत मामला दर्ज किया गया है। हाईकोर्ट ने कहा था, 'वर्तमान मामला ऐसी सामग्री के प्रकाशन या प्रसार से जुड़ा है जो धार्मिक भावनाओं को आहत कर सकती है या समाज में असहमति और वैमनस्य को बढ़ावा दे सकती है। विवादित प्राथमिकी में लगाए गए आरोप, अगर अपने मूल रूप में देखे जाएं, तो प्रथम दृष्टया लगाए गए अपराधों के तत्वों को दर्शाते हैं।'

अंबाजी शक्तिपीठ में नॉनवेज और दारू पार्टी पुजारी समेत 11 पर गिरी गाज

जूनागढ़, 13 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के जूनागढ़ में गिरनार पर्वत पर स्थित अंबाजी शक्तिपीठ में कथित तौर पर शराब और नॉनवेज पार्टी का वीडियो वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में मंदिर परिसर में पार्टी किए जाने का दावा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस पार्टी में मंदिर से जुड़े कुछ पुजारी भी शामिल थे। वीडियो सामने आने के बाद प्रशासन हरकत में आ गया है। शुरुआती कार्रवाई करते हुए पुजारी समेत 11 लोगों को सस्पेंड कर दिया गया है। नॉनवेज और दारू पार्टी में शामिल लोगों के मंदिर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है

और मंदिर में दो नए पुजारियों की नियुक्ति की गई है। गौरतलब है कि गिरनार पर स्थित मां अंबाजी का यह मंदिर एक पवित्र शक्तिपीठ माना जाता है। ऐसे में इस तरह की घटना सामने आने से धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है और इलाके में चर्चा का विषय बन गया है। फिलहाल एसडीएम द्वारा पूरे मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हर इमारत, पुल, सड़क और बिजली के तारों की जांच

और मरम्मत की मांग सुप्रीम कोर्ट ने नहीं सुनी, कहा- याचिका शॉपिंग मॉल जैसी

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। सभी सरकारी इमारतों, फ्लाइओवर, सड़कों और बिजली के तारों की निगरानी और मरम्मत की मांग सुनने से सुप्रीम कोर्ट ने मना कर दिया है। चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट पूरे देश का प्रशासन नही संभाल सकता। बेहतर होगा कि आप हर राज्य के लिए वहां के हाई कोर्ट में याचिका दाखिल करे।' जनश्रुति नाम की संस्था की याचिका में सभी सार्वजनिक इमारतों और सड़कों के थर्ड पार्टी ऑडिट समेत कई मांगें की थीं।

याचिकाकर्ता ने सड़क पर गड्ढों के चलते होने वाली दुर्घटना और बिजली का करंट लगने से होने वाली मौतों जैसी समस्याओं का उल्लेख किया था। याचिका में यह मांग भी की गई थी कि लोगों को शिकायत की सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। मामले को सुनते हुए चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की ने बेंच ने कहा, 'याचिका में बहुत व्यापक मांगें रखी गई हैं।

यह एक शॉपिंग मॉल की तरह है, जिसमें सब कुछ उपलब्ध है। याचिकाकर्ता चाहता है कि हम केंद्र सरकार से राज्यों को हर इमारत और सड़क की मरम्मत का निर्देश देने के लिए कहें। अगर ऐसा हुआ तो राज्य तुरंत केंद्र से फंड मांगने लगेंगे।' याचिका में असुरक्षित इमारतों, पुलों, सड़कों और बिजली के झटके से होने वाली मौतों को रोकने के लिए एक मानक प्रक्रिया बनाने की मांग भी की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हर राज्य की वित्तीय और प्रशासनिक स्थितिया् अलग होती हैं।

पूरे देश के लिए एक समान निर्देश नहीं हो सकते। राज्य की परिस्थितियों को वहां के हाई कोर्ट बेहतर समझते हैं। याचिकाकर्ता चाहे तो अलग-अलग हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर सकता है।

विरूपा नदी में साथ मिले दो भाइयों के शव, कटक में दर्दनाक घटना

कटक, 13 मार्च (एजेंसियां)। चौद्वार थाना क्षेत्र के मंडापड़ा निवासी दो सगे भाइयों के शव विरूपा नदी से बरामद किए गए हैं। मृतकों की पहचान देवाशीष साहू (45) और सुभाशीष साहू (40) के रूप में हुई है। दोनों पिछले सोमवार से लापता थे। परिजनों द्वारा थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई थी। मंगलवार को विरूपा नदी तट पर उनकी मोटरसाइकिल और हेलमेट मिलने से मामले ने गंभीर रूप ले लिया था। इसके बाद पुलिस और स्थानीय लोगों ने तलाश शुरू की। विरूपा नदी के गेट नंबर-1 के पास दोनों भाइयों के शव पानी में दिखाई दिए।

सूचना मिलने पर चौद्वार थाना पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शवों को नदी से बाहर निकाला। इसके बाद पंचनामा की कार्रवाई कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए कटक बड़ा मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार, दोनों भाई अविवाहित थे और परिवारिक परिस्थितियों के बाद त्रिशूलिया क्षेत्र में किराए के मकान में रह रहे थे। बताया जा रहा है कि उन पर कर्ज और उधारी का बोझ था, जिससे वे मानसिक दबाव में थे। प्रारंभिक तौर पर आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है,

अरावली के बाद

चंबल में अवैध खनन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त स्वत: संज्ञान लेकर जताई चिंता

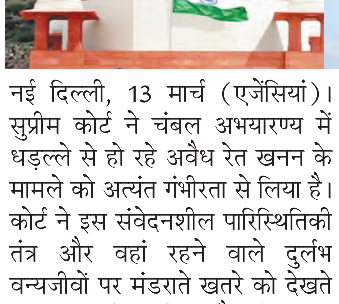

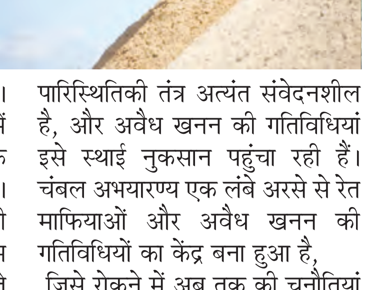

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने चंबल अभयारण्य में धड़ल्ले से हो रहे अवैध रेत खनन के मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने इस संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र और वहां रहने वाले दुर्लभ वन्यजीवों पर मंडराते खतरे को देखते हुए स्वतः संज्ञान लिया है। चंबल का यह संरक्षित क्षेत्र लंबे समय से अवैध खनन की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने स्पष्ट किया कि बड़े पैमाने पर हो रहा अवैध खनन वहां के लुप्तप्राय और दुर्लभ वन्यजीवों के अस्तित्व के लिए एक गंभीर खतरा बन सकता है।

कोर्ट के अनुसार, चंबल क्षेत्र का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील है, और अवैध खनन की गतिविधियां इसे स्थाई नुकसान पहुंचा रही हैं। चंबल अभयारण्य एक लंबे अरसे से रेत माफियाओं और अवैध खनन की गतिविधियों का केंद्र बना हुआ है,

जिसे रोकने में अब तक की चुनौतियां चिंताजनक रही हैं। बेंच ने कहा, हमने आज राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य में अवैध रेत खनन और खतरे में पड़ी जलीय वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर संज्ञान लिया है। हमने हाल की कुछ अख़बारों की रिपोर्टों और सीएसआर द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट पर गौर किया है। इन रिपोर्टों में बताया गया है कि जिन पूरे संरक्षित क्षेत्रों में घड़ियाल संरक्षण कार्यक्रम चल रहा है।

मंदिर के चढ़ावे में मिला करोड़ों का दान, हुआ रिकॉर्ड कलेक्शन; नोट गिनते-गिनते थक गए लोग

बेलगावी, 13 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेलगावी जिले के प्रसिद्ध श्री रेणुका यल्लमा मंदिर में चढ़ावे की राशि की गिनती की गई है। मंदिर में चढ़ावे के रुपयों की गिनती किए जाने का वीडियो भी सामने आया है। नोटों की गिनती मंदिर के ही कर्मचारियों और कुछ छात्रों ने की है। जानकारी के मुताबिक मंदिर में 3.07 करोड़ रुपये का चढ़ावा आया है। इसमें नकद के अलावा आभूषणों का भी चढ़ावा चढ़ाया गया है। बता दें कि बीते 9 मार्च से 12 मार्च के बीच गिनती की गई।

इस दौरान लोग नोटों की गिनती करते-करते थक गए। दरअसल, जिले के श्री रेणुका यल्लम्मा मंदिर में हर दिन श्रद्धालुओं की लंबी कतार देखने को मिलती है। यहां श्रद्धालु स्वेच्छा से दान के तौर पर राशि भी चढ़ाते हैं। यहां दान के रूप में 3.07 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड कलेक्शन हुआ है। श्री रेणुका यल्लम्मा मंदिर बेलगावी जिले के सवदत्ती तालुक के बाहरी इलाके में स्थित है। यल्लम्मा मंदिर के दान-पात्रों से प्राप्त दान की गिनती पूरी हो गई है। यहां कुल 3.07 करोड़ रुपये का दान जमा हुआ है। नोटों की गिनती का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक साथ दर्जनों लोगों को नोट गिनते हुए देखा जा सकता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: इंसान को इंसान की नजर से तोलिये, दो शब्द ही सही मगर प्यार से बोलिए!

आविष्कार और निवेश का वैश्विक केंद्र बन रहा है हैदराबाद : श्रीधर बाबू

मंत्री से जर्मनी के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि विश्वस्तरीय आधारभूत सुविधाओं के साथ हैदराबाद को नवाचार और निवेश के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ-साथ औषधि, रक्षा तथा विमानन उद्योगों के लिए भी शहर महत्वपूर्ण मंच बनता जा रहा है। मंत्री से सचिवालय में जर्मनी के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। यह प्रतिनिधिमंडल ब्रिक्स देशों में औद्योगिक विकास, निवेश के अनुकूल वातावरण और आधुनिक तकनीकों के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए भारत आया है। प्रतिनिधिमंडल में अंतरराष्ट्रीय स्वयंसेवी संस्था ग्लोबल ब्रिजेस के सदस्य भी शामिल थे। बैठक के दौरान मंत्री ने तेलंगाना में उपलब्ध औद्योगिक अवसरों और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए सरकार द्वारा दी जा रही प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी दी। श्रीधर बाबू ने कहा कि बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुरूप चुनौतियों का सामना करने के लिए तेलंगाना सरकार देश में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

उद्योगों को निर्बाध बिजली और पर्याप्त जल उपलब्ध कराने के लिए प्रभावी व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि सरकारों के परिवर्तन के बावजूद राज्य में स्थिर और अनुकूल औद्योगिक नीतियां जारी रखी जा रही हैं, जिससे निवेशकों को भरोसेमंद वातावरण मिलता है। मंत्री ने कहा कि भौगोलिक रूप से भारत के मध्य में स्थित हैदराबाद वर्षभर सुहावने मौसम और विविध संस्कृतियों के संगम वाली महानगरीय जीवनशैली के कारण दुनिया भर से आने वालों को अपनापन का अनुभव कराता है। उन्होंने बताया कि शहर के दक्षिणी भाग में महत्वाकांक्षी फ्यूचर सिटी परियोजना तेजी से आकार ले रही है। इसके अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता नगर, शून्य कार्बन उत्सर्जन नगर और यंग इंडिया कौशल विश्वविद्यालय जैसे उपक्रम स्थापित किए जा रहे हैं, जो राज्य के भविष्य के लिए मजबूत आधार तैयार करेंगे। राज्य में प्रचुर मानव संसाधन और प्रतिभा उपलब्ध होने से उद्योगों को विशेषज्ञों की कमी नहीं होगी। मंत्री ने कहा कि कार्यरत पेशेवरों के साथ-साथ नए इंजीनियरों को भी वैश्विक चुनौतियों के लिए तैयार करने हेतु सरकार कौशल विकास और पुनः कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रही है। उन्होंने बताया कि अर्धचालक उद्योग तेलंगाना में तेजी से विस्तार कर रहा है और चिप डिजाइन तथा निर्माण के क्षेत्र में ताइवान और कोरिया की कंपनियां अपनी गतिविधियां शुरू कर चुकी हैं। साथ ही कई बड़ी कंपनियां डेटा केंद्र स्थापित करने के लिए आगे आ रही हैं। श्रीधर बाबू ने विश्वास व्यक्त किया कि जर्मनी की तकनीकी साझेदारी से तेलंगाना का अभियांत्रिकी क्षेत्र और अधिक प्रगति करेगा। उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने तक, वर्ष 2047 तक, तेलंगाना को तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में जर्मन प्रतिनिधिमंडल के सदस्य डॉ. स्टेफान ट्रेगर, डॉ. क्रिस्टियन आल्टेन होफेन, फ्रैंक बीयर होस्ट, अलेक्जेंडर वॉन क्राम, माल्टे होह फील्ड, फिलिप मेयर होफर और मैक्स मिलन वॉन लेयर सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। राज्य उद्योग विभाग के निदेशक निखिल चक्रवर्ती भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

फर्नीचर दुकान में आग

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। चंदननगर पुलिस स्टेशन के सामने अनु फर्नीचर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान में गुरुवार रात आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि पूरे इलाके में डर फैल गया। यह दुकान पांच मंजिला इमारत में थी और आग फर्नीचर में फैल गई थी।

दमकलकर्मी चार गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे। इमारत से घना धुआं और बड़ी लपटें उठती दिखाई दे रही थीं। घटना मुख्य सड़क पर हुई, जिससे इलाके में ट्रैफिक जाम लग गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात नियंत्रित किया। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है और जांच जारी है।

टैक्स धोखाधड़ी मामले में व्यापारी संदीप कुमार गिरफ्तार

धोखाधड़ी से सरकार को लगभग 84.15 करोड़ रुपये का नुकसान

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य वाणिज्य कर विभाग ने उन करदाताओं पर कड़ी निगरानी तेज कर दी है जो वस्तु एवं सेवा कर प्रणाली में धोखाधड़ी में संलिप्त हैं। विभाग की विश्वसनीय खुफिया जानकारी और विस्तृत डेटा विश्लेषण के आधार पर संदीप कुमार गोयल, स्वामी एम/एस एसकेजी ट्रेडिंग कंपनी की गतिविधियों की जांच की गई। जांच में पाया गया कि उन्होंने बिना वास्तविक माल की आपूर्ति के जारी किए गए चालानों के आधार पर इनपुट टैक्स क्रेडिट का गलत लाभ उठाया। इस धोखाधड़ी से सरकार को लगभग 84.15 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। उन्हें कई अवसर दिए गए थे कि वे राजस्व की हानि को सही कर सकें। वाणिज्य कर आयुक्त, तेलंगाना ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया कि संदीप कुमार गोयल, एम/एस एचएफसी स्टील ट्यूब्स एंड वाल्व्स के स्वामी और एम/एस विजय इंडस्ट्रियल नीड्स एलएलपी के साझेदार होने के नाते, इन कंपनियों में भी बिना वास्तविक माल और सेवाओं के इनपुट टैक्स क्रेडिट का दुरूपयोग कर रहे थे। इन दोनों संस्थाओं का पंजीकरण रद्द कर दिया गया। अपराध की गंभीरता को देखते हुए वाणिज्य कर विभाग के अधिकारियों ने तेलंगाना जीएसटी अधिनियम, 2017 के प्रावधानों के तहत संदीप कुमार गोयल को गिरफ्तार किया। उसे न्यायिक प्रक्रिया के अनुसार सक्षम न्यायालय में पेश किया गया और आज न्यायिक हिरासत में भेजा गया। वाणिज्य कर विभाग ने कहा कि धोखाधड़ी, नकली चालान और अन्य जीएसटी कानून उल्लंघनों में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ त्वरित और कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। विभाग ने यह भी दोहराया कि उसका लक्ष्य एक पारदर्शी और निष्पक्ष कर प्रणाली बनाए रखना है, जो राज्य में व्यापार करने की सुगमता में योगदान दे। एम/एस एसकेजी ट्रेडिंग कंपनी मामले में आगे की जांच जारी है।

एससीआर महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष ने निरीक्षण किया

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) महिला कल्याण संगठन की अध्यक्ष वंदना श्रीवास्तव ने हैदराबाद डिवीजन में विभिन्न कल्याण सुविधाओं का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर उनके साथ अमित प्रकाश, उपाध्यक्ष, मुख्यालय उपस्थित थीं। निरीक्षण के दौरान आशा वर्मा, अध्यक्ष, हैदराबाद डिवीजन, डी.वाई. सुनिता, उपाध्यक्ष डॉ.सी.पी. पद्मा, मुख्य चिकित्सक अधीक्षक एवं कोषाध्यक्ष, ऐश्वर्या, सचिव, अनीता, संयुक्त सचिव और अन्य सदस्य उपस्थित थे। वंदना श्रीवास्तव ने सबसे पहले टिनी टॉट्स स्कूल, नॉर्थ लालागुड़ा का दौरा किया और नर्सरी, एलकेजी एवं यूकेजी के विद्यार्थियों के साथ बातचीत की। इस दौरान स्कूल प्रभारी अर्चना शर्मा, प्रधानाचार्य डी. श्रीवानी एवं शिक्षकगण उपस्थित थे। इस स्कूल में कुल 186 छात्र पढ़ते हैं। इसके बाद उन्होंने हैर पोएट्री यूनिसेक्स सैलून एवं लाउंज, नीडल एंड थ्रेड्स सिलाई केंद्र (रेलवे कॉलोनी), अक्षया ज़ेरॉक्स केंद्र (एससीआर केंद्रीय अस्पताल, लालागुड़ा परिसर), वेंकटेश्वर कैंटीन (हैदराबाद भवन, डिविजनल कार्यालय) और अंततः डिविजनल कार्यालय में काम करने वाली महिला कर्मचारियों के लिए प्रदान की गई महिला विश्राम कक्ष का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान वंदना श्रीवास्तव ने सभी कल्याण केंद्रों के संचालन की समीक्षा की और कर्मचारियों एवं लाभार्थियों के साथ बातचीत की। उन्होंने हैदराबाद डिवीजन द्वारा कल्याण सुविधाओं के रखरखाव में किए गए प्रयासों की सराहना की और रेलवे कर्मचारियों और उनके परिवारों के लाभ के लिए गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने हैदराबाद डिवीजन के महिला कल्याण संगठन द्वारा कल्याण गतिविधियों, स्वास्थ्य जागरूकता और रेलवे परिवारों के बीच सामुदायिक सहयोग बढ़ाने के लिए किए जा रहे विभिन्न प्रयासों पर भी चर्चा की। निरीक्षण का समापन सुविधाओं में और सुधार तथा संगठन के तहत कल्याण उपायों को मजबूत बनाने के सुझावों के साथ किया गया।

डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने पूर्व डीजीपी एच.जे. दोरा के निधन पर संवेदना व्यक्त की

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में पुलिस महानिदेशक के रूप में विशिष्ट सेवाएं देने वाले वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी एच.जे. दोरा के निधन पर तेलंगाना राज्य पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने गहरा शोक व्यक्त किया। 1943 में श्रीकाकुलम जिले में जन्मे एच.जे. दोरा, 1965 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान पुलिस विभाग में कई नवाचार और सुधार किए। बी. शिवधर रेड्डी ने कहा कि उनके निधन से पुलिस विभाग ने एक प्रतिबद्ध मार्गदर्शक खो दिया है। एच.जे. दोरा पुलिस विभाग में 'रीट्रीट' नामक विशेष कार्यक्रम के माध्यम से सुधार और प्रशिक्षण पर जोर देते थे। हाल ही में इस महीने के 8 और 9 मार्च को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम को फिर से शुरू कर चुके थे। बी. शिवधर रेड्डी ने याद किया कि इस कार्यक्रम में एच.जे. दोरा ने स्वयं हिस्सा लिया और अधिकारियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। पूर्व डीजीपी ने पुलिस विभाग में जनसंपर्क प्रणाली की शुरूआत की और कर्मचारियों के कल्याण के लिए कई नवाचार किए। उन्होंने सुरक्षा, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक जागरूकता जैसे कल्याणकारी कार्यक्रम लागू किए। एच.जे. दोरा ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस कला समूहों की स्थापना कर सामाजिक चेतना फैलाने में भी योगदान दिया। बी. शिवधर रेड्डी ने बताया कि नक्सल विरोधी रणनीतियों और पुलिस बल क्षमता वृद्धि में एच.जे. दोरा का योगदान अमूल्य रहा। उन्होंने प्रशिक्षण केंद्रों और बटालियन प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से पुलिस प्रशिक्षण प्रणाली को सुदृढ़ किया। पूर्व डीजीपी एच.जे. दोरा का स्नेह और मार्गदर्शन हमेशा युवाओं और अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। बी. शिवधर रेड्डी ने उनके परिवार को गहरी संवेदनाएं प्रकट कीं और कहा कि उनके द्वारा पुलिस विभाग में छोड़ी गई छाप हमेशा स्मरणीय रहेगी।

'रीट्रीट-2026' स्व. डीजीपी एच.जे. दोरा ने पुलिस को दिया था मार्गदर्शन

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीते 8 मार्च को पुलिस अकादमी में आयोजित 'रीट्रीट-2026' कार्यक्रम में पूर्व पुलिस महानिदेशक एच.जे. दोरा ने पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर राज्य सूचना प्रौद्योगिकी, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्रीधर बाबू, तेलंगाना पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस विभाग में सुधारात्मक कदमों और प्रशिक्षण को सुदृढ़ करना था। एच.जे. दोरा ने अधिकारियों को नक्सल नियंत्रण, कर्मचारियों के कल्याण और प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने संबंधी दिशा-निर्देश दिए। मंत्री श्रीधर बाबू और डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने पूर्व डीजीपी के योगदान और मार्गदर्शन की सराहना की तथा कहा कि उनके विचार और नीतियां पुलिस विभाग के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेंगी।

बीआरएस नेता ने कांग्रेस सरकार पर बेरोजगार युवाओं की उपेक्षा का आरोप लगाया

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता ए राकेश रेड्डी ने शुक्रवार को कांग्रेस सरकार पर प्रचार कार्यक्रमों पर ध्यान देने और बेरोजगार युवाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगामी विधानसभा बजट सत्र में नौकरी संबंधी अधिसूचनाओं पर स्पष्टता की मांग की। तेलंगाना भवन में प्रेस मीट के दौरान राकेश रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस की 99 दिवसीय कार्य योजना में बेरोजगारी पर कोई चर्चा शामिल नहीं थी। उन्होंने 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के युवा घोषणापत्र में किए गए वादों का हवाला देते हुए कहा कि सालाना दो लाख नौकरियों के लिए रोजगार कैलेंडर लागू नहीं हुआ। बीआरएस नेता ने पाठ्यक्रम समिति के गठन के बावजूद भर्ती प्रक्रिया में कोई प्रगति न होने और अधिसूचना जारी करने में देरी की आलोचना की। उन्होंने बेरोजगार युवाओं पर दिलसुखनगर में हुए लाठीचार्ज की निंदा की और राज्य में शिक्षा मंत्री की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया। राकेश रेड्डी ने चेतावनी दी कि यदि सरकार नौकरी की अधिसूचनाओं, जीओ 46 और लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षकों से संबंधित मुद्दों पर तुरंत कदम नहीं उठाती है, तो बीआरएस आंदोलन शुरू करेगा।

रेल ओवरब्रिज से कूदकर युवक ने की आत्महत्या

करीमनगर, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जम्मीकुंटा में एक युवक राम शिवराज (28) ने गुरुवार रात रेल ओवरब्रिज (आरओबी) से कूदकर आत्महत्या कर ली। स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बस हादसे में चार लोगों की मौत

निजामाबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार तड़के राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर इंदलवाई टोल प्लाजा के पास गन्नाराम में एक निजी ट्रैवल बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गिर गई। इस हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और कुछ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। बस में करीब 22 यात्री सवार थे। यह बस हैदराबाद से महाराष्ट्र के अकोला जा रही थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को निजामाबाद के सरकारी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया। आगाह है कि हादसे का कारण अभी स्पष्ट नहीं है और जांच जारी है।

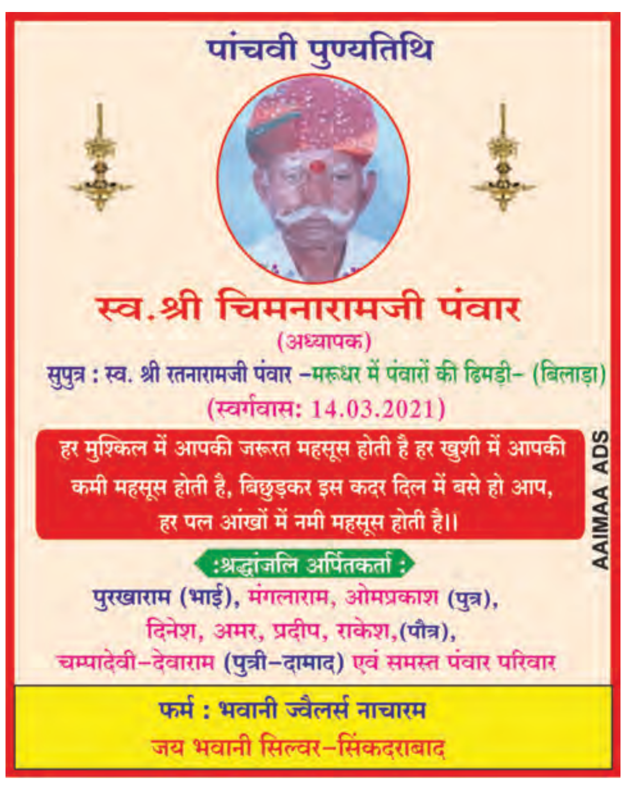

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No. 14670971W, NK, Shaikh Sattar Ismail, R/o, Dist: Ahliyanagar, Maharashtra, changed my Son's name from Ajmat to Ajmat Sattar Shaikh vide Affidavit No. 284948 dt. 12.03.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

लेखपाल ने रेलवे लाइन पर किया सुसाइड

शाहजहांपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में एक लेखपाल ने चलती ट्रेन के आगे लेटकर सुसाइड कर लिया। बताया जा रहा कि जिले की तिलहर तहसील में तैनात लेखपाल अमरदीप सक्सेना महानगर स्थित लालपुल रेलवे फाटक पर पहुंचे, जहां रेलवे लाइन के किनारे खड़े होकर लेखपाल अमरदीप सक्सेना ट्रेन का इंतजार करने लगे। लेखपाल ने जैसे ही ट्रेन आते देखी तो वह रेलवे लाइन पर लेट गए।

इस दौर ट्रेन उनके ऊपर से गुजर गई। यह पूरी घटना रेलवे फाटक के पास में ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। दिल को झकझोर देने वाली इस घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी और सदर बाजार थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना के पीछे के कारणों की जांच में में जुटी है।

बिहार राज्यसभा चुनाव: 5वीं सीट के लिए एनडीए का 'मास्टरप्लान'

विधायकों को वोटिंग तक पटना नहीं छोड़ने का निर्देश

पटना, 13 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में 16 मार्च को 5 राज्यसभा सीटों के लिए होने वाले मतदान से पहले सियासी हलचल तेज हो गई है। मैदान में 6 उम्मीदवारों के उतरने से पांचवीं सीट पर मुकाबला बेहद कड़ा हो गया है। इसी 5वीं सीट पर जीत पक्की करने और किसी भी तरह की चूक से बचने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने अपनी रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय पर्यवेक्षक और छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा की अगुवाई में हुई बैठक एनडीए की पांचों सीट जीत तय करने को लेकर रणनीति बनी। भाजपा की ओर से उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के सरकारी आवास पर एनडीए विधायकों की देर रात तक बैठक चली। इस दौरान चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई।

विधायकों को मतदान प्रक्रिया की बारीकी से जानकारी दी गई। मतदान के दौरान किसी प्रकार की तकनीकी गलती से वोट निरस्त होने जैसी समस्या को लेकर सतर्कता बरतने की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया। अगले चार दिन यानी 16 मार्च तक सभी विधायकों को पटना में रहने का निर्देश दिया। बैठक का संचालन विधानसभा में उप मुख्य सचेतक विनोद नारायण झा किया। उन्होंने सभी विधायकों से अगले चार पटना नहीं छोड़ने की अपील की। साथ ही अवांछित फोन पर अमल नहीं करने के साथ किसी के बुलाने पर इधर-उधर नहीं जाने की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया। वहीं, विधायकों को दोनों उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा के अतिरिक्त चुनाव लड़ रहे तीन प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा, रामनाथ ठाकुर एवं शिवेश कुमार ने संबोधित किया। अन्य नेताओं ने भी पार्टी के लोगों को संबोधित किया।

दो और बैठकों में बनेगी रणनीति

अब दूसरी बैठक 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष और एनडीए के राज्यसभा उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा के आवास पर होगी। इसके बाद 15 मार्च को संसदीय कार्य मंत्री एवं जदयू के वरिष्ठ नेता विजय चौधरी के आवास पर अंतिम रणनीतिक बैठक आयोजित की जाएगी।

पांचवीं सीट का 'गणित' और एआईएमआईएम की भूमिका

आंकड़ों के गणित के हिसाब से भाजपा और जदयू को 2-2 सीटें मिलना लगभग तय है। लेकिन सारा खेल पांचवीं सीट का है। इस सीट को जीतने के लिए एनडीए को 3 अतिरिक्त विधायकों का समर्थन चाहिए, जबकि महागठबंधन को 6 अतिरिक्त विधायकों का साथ चाहिए।

डीएम ने अंसारी परिवार की 23 कटरों की दुकान कुर्क की थी

कोर्ट ने मामला ही पलट दिया

गाजीपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। पूर्वांचल की राजनीति में रसूख रखने वाले अंसारी परिवार को कानूनी मोर्चे पर एक और बड़ी राहत मिली है। गाजीपुर से सपा सांसद अफजाल अंसारी के चचेरे भाई मंसूर अंसारी की कुर्क की गई संपत्तियों को मुक्त करने का इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने गाजीपुर जिलाधिकारी (डीएम) द्वारा कुर्क की गई 23 दुकानों के कटरे को मुक्त करने का आदेश सुनाया है।

यह संपत्ति अफजाल और मुख्तार अंसारी के चचेरे भाई मंसूर अंसारी की है। इस मामले में फैसला सुरक्षित रखा गया था, जो अब अंसारियों के पक्ष में आया है। अफजाल अंसारी ने बहुत पहले ही दावा किया था कि सरकार कानूनी कागजों के बिना उनकी संपत्तियों पर कार्रवाई कर रही है और वे कानून के रास्ते से अपनी एक-एक इंच जमीन वापस ले लेंगे। उन्होंने सत्ता पक्ष पर मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगाया और कहा कि सरकार ने जिन संपत्तियों को कुर्क किया या ढहाया, उनके पास ऐसा करने का कोई कानूनी अधिकार नहीं था।

मुख्तार अंसारी की मौत के बाद भी यह परिवार राजनीतिक और कानूनी रूप से सक्रिय है। परिवार में फिलहाल अफजाल अंसारी (सांसद, गाजीपुर), मन्नू अंसारी/शोएब अंसारी (विधायक, मोहम्मदाबाद) और अब्बास अंसारी (विधायक, मऊ) प्रमुख राजनीतिक पदों पर हैं। गाजीपुर, मऊ और वाराणसी के इलाकों में इस परिवार का आज भी खासा दबदबा माना जाता है।

'ये लोग हवा में उड़ रहे हैं'

एलपीजी सिलेंडर की कमी पर सपा सांसद रामगोपाल यादव का बयान

लखनऊ, 13 मार्च (एजेंसियां)। ईरान-इजराइल और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के बीच देश में बढ़ रहे एलपीजी सिलेंडर की कमी पर समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि सरकार के सारे लोग हवा में उड़ रहे हैं उन्हें ज़मीन पर उतर हालत देखनी चाहिए कि कितनी लंबी लाइनें लगी हैं। लोगों में डर की स्थिति है और स्वाभाविक भी है। सपा सांसद ने एलपीजी संकट पर कहा कि एक तरफ सरकारी सूत्र। और अगर कोई कह रहा है कि एलपीजी की कमी हो रही है। बड़े पैमाने पर।।कहीं-कहीं तो मिल ही नहीं रही है। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री जो रह रहे हैं वो सही नहीं हैं।

उन्हें अधिकारियों द्वारा सही जानकारी नहीं दी जा रही है। राम गोपाल यादव ने कहा कि असल बात ये है कि ये सब लोग हवा में उड़ रहे है, ज़मीन पर देखें कि क्या स्थिति है? कितनी लाइनें लगी है, क्या हालत है? हर जगह गैस की कमी है।। अगर पुरी साहब कह रहे हैं कि तो मैं भगवान से प्रार्थना करूंगा की उनकी बात सही निकले लेकिन, जमीन पर जो स्थिति है वो ये हैं कि हड़बड़ी है, लाइनें लगी हुई हैं।

एलपीजी संकट के बीच बीजेपी नेताओं ने गाड़ी से उतारे पार्टी का झंडा

अखिलेश यादव ने किया चौंकाने वाला दावा

लखनऊ, 13 मार्च (एजेंसियां)। ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच युद्ध के दौरान देश के कई हिस्सों में एलजीपी संकट की शिकायतें आ रहीं हैं। इस बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने चौंकाने वाला दावा किया है। कन्नौज सांसद ने दावा किया है कि जनता के गुस्से से बचने के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने गाड़ियों से पार्टी के झंडे उतार लिए हैं।

सोशल मीडिया साइट एक्स पर गैस संकट को लेकर उनकी एक पोस्ट में इस दावे ने हलचल मचा दी है। यूपी के पूर्व सीएम ने लिखा कि अगर बीजेपीवाले कह रहे हैं कि 'गैस' की कोई कमी नहीं है तो विश्व की सबसे बड़ी पार्टी का दावा करनेवाले उनके

मंत्री, सांसद, विधायक, पार्षद और करोड़ों कार्यकर्ता और उनके अपंजीकृत संगी-साथी (अपने पुराने इतिहास को दोहराते हुए) अपंजीकृत क्यों हो गये हैं। वो भूमिगत ठिकानों से निकलें और जनता के बीच जाकर गैस एजेंसियों से गैस दिलवाएं। उन्होंने लिखा कि अब क्या जनता भाजपाईयों के घरों का घेराव करे या उनके कार्यालयों, प्रतिष्ठानों या फिर (बीजेपी का झंडा उतारी हुई) उनकी गाड़ियों का। सांसद ने लिखा कि सच तो ये है कि किल्लत जितनी बढ़ती है, बीजेपी उतना ही उसे नकारने का झूठ बढ़ा देती है। कोरोना में ऑक्सीजन गैस से लेकर, आज खाने व अन्य तरह की गैस हो या फिर खाद की किल्लत सबके बारे में भाजपाईयों की यही चाल रहती है।

बीजेपी आपदा में कालाबाज़ारी ढूंढ़ लेती है। सपा चीफ ने लिखा कि बीजेपी की ग़लतियों का ख़ामियाज़ा जनता क्यों भुगते? सत्ताधारी बीजेपी और झूठी सेवा का 'शताब्दीय' दावा करनेवाले उनके अनरजिस्टर्ड संगी-साथी भूख से तड़प रहे लोगों के लिए मुफ़्त भोजनालय चलाएं; नहीं तो नज़र न आएं।

बनेगा फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट, सांसद रवि किशन ने पीएम मोदी और सीएम योगी को भेजा था प्रस्ताव

गोरखपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। चिलुआताल में फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट लगाने की योजना को स्वीकृति मिल गई है। गोरखपुर के सांसद रवि किशन ने इस संबंध में पहले ही केंद्र और प्रदेश सरकार के समक्ष प्रस्ताव रखा था। सांसद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर चिलुआताल में फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट स्थापित करने का सुझाव दिया था। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया था कि पूर्वांचल क्षेत्र में तेजी से बढ़ रही ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोतों को बढ़ावा देना जरूरी है। सांसद के अनुसार गोरखपुर महानगर के उत्तर दिशा में स्थित चिलुआताल में लगभग 1357 एकड़ जलक्षेत्र उपलब्ध है, जहां फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट स्थापित किए जाने की पर्याप्त संभावना है। उन्होंने बताया था कि करीब 100 मेगावाट क्षमता के सोलर पावर प्लांट के लिए लगभग 357 एकड़ जलक्षेत्र की आवश्यकता होती है, जिसे चिलुआताल में विकसित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना के शुरू होने से गोरखपुर समेत आसपास के क्षेत्रों में सस्ती और स्वच्छ बिजली उपलब्ध हो सकेगी। साथ ही स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और व्यापार के नए अवसर भी सृजित होंगे। सांसद ने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि यह परियोजना पूर्वांचल के विकास को नई दिशा देने में सहायक होगी।

एफआईआर लिखने में देरी, एचसी ने शादी का झूठा वादा और शारीरिक संबंध बनाने के आरोपियों की गिरफ्तारी रोकी

प्रयागराज, 13 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने शादी का झूठा वादा कर शारीरिक संबंध कायम करने व धमकाने के आरोपियों कृष्ण दत्त उर्फ मुख्या तथा शिवकांत उर्फ श्याम की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है और पुलिस को अपराध की विवेचना जारी रखने लेकिन रिपोर्ट पेश नहीं करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने शिकायतकर्ता को नोटिस जारी करते हुए राज्य सरकार सहित सभी विपक्षियों से छह सप्ताह में जवाब मांगा है। प्रकरण में अगली सुनवाई 28 अप्रैल को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव मिश्रा तथा न्यायमूर्ति लक्ष्मीकांत शुक्ल की खंडपीठ ने याचीगण के अधिवक्ता वीके चंदेल व मयंक कृष्ण सिंह चंदेल को सुन कर दिया है। इनका कहना है कि एफआइआर दर्ज करने में चार महीने की देरी की गई और देरी का कारण नहीं बताया गया। आरोप भी ऐसे हैं, जिन्हें साक्ष्य से साबित नहीं किया जा सकता। बांदा के मारका थाने में पहली अप्रैल 2025 की घटना की एफआइआर आठ अगस्त 2025 को दर्ज की गई।

शादी का झांसा देकर 4 साल लिव-इन में रखा

महिला ने वीडियो पोस्ट कर सीएम योगी से मांगा इंसाफ

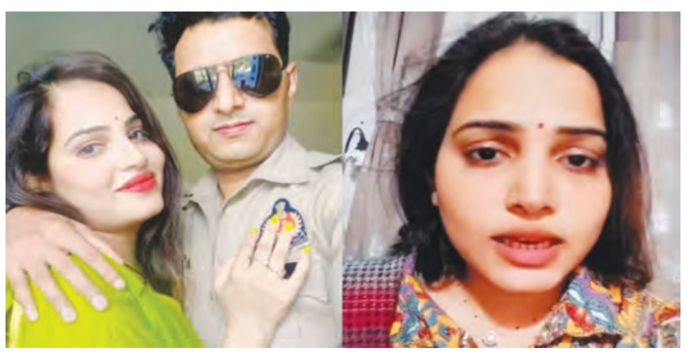

आगरा, 13 मार्च (एजेंसियां)। उत्तरप्रदेश के आगरा जिले के थाना ताजगंज क्षेत्र में एक दर्दनाक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। थाना ताजगंज में तैनात कांस्टेबल जेवी गौतम के साथ पिछले चार वर्षों से लिव-इन में रह रही युवती ने आत्महत्या करने से पहले दो वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किए। इन वीडियो में युवती ने कांस्टेबल पर शादी का झांसा देकर साथ रखने और चार वर्षों तक मानसिक प्रताड़ना व शारीरिक शोषण का आरोप लगाया। पुलिस उच्चाधिकारियों ने मामले को संज्ञान में लेते हुए आरोपी कांस्टेबल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। युवती ने वीडियो में कांस्टेबल जेवी गौतम और उसके परिजनों को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया। उसने सीएम योगी आदित्यनाथ से अपील करते हुए कहा कि जीते जी इंसाफ नहीं मिल रहा तो कम से कम मरने के बाद तो न्याय मिले। वीडियो में यह भी आरोप लगाया गया कि जब वह थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने गई तो उसे समझा दिया गया कि इस मामले में कुछ नहीं होगा और कांस्टेबल बच जाएगा।

कांस्टेबल के भाई पर भी लगाए गंभीर आरोप

वीडियो में कांस्टेबल के भाई पर भी आरोप लगाए गए। युवती ने कहा कि भाई बिना तलाक दिए किसी अन्य लड़की के साथ रह रहा है। कुछ दिन पहले वह आया था और उसने कहा था कि कांस्टेबल से शादी कर लो लेकिन कांस्टेबल ने इससे इनकार कर दिया जिससे युवती और अधिक परेशान हो गई।

कांस्टेबल निलंबित, पिता की तहरीर पर एफआईआ दर्ज

घटना की सूचना मिलने पर युवती के परिजन आगरा पहुंचे। पिता की तहरीर के आधार पर थाना सदर बाजार में आरोपी कांस्टेबल जेवी गौतम के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी कांस्टेबल को निलंबित कर दिया। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं और पूरे मामले की पुलिस बारीकी से जांच कर रही है।

सिपाही की आय करीब 36 लाख, खर्च कर डाले 68 लाख

प्रतापगढ़, 13 मार्च (एजेंसियां)। बीबीडी थाने में तैनात सिपाही चालक राहुल कुमार शुक्ला ने आय से 91.04 फीसदी अधिक खर्च कर दिया। उसके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि तय अवधि में सिपाही की आय करीब 36 लाख थी, जबकि उसने 68 लाख रुपये खर्च कर दिए। मूल रूप से प्रतापगढ़ के कुंडा शहाबपुर निवासी राहुल की 26 अप्रैल 2003 में यूपी पुलिस में आरक्षी चालक के पद पर भर्ती हुई। वह पीजीआई इलाके की पंचमखेड़ा मीरा विहार कॉलोनी में रहता है। उसके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की गोपनीय शिकायत हुई थी।

इसे गंभीरता से लेते हुए शासन ने भ्रष्टाचार निवारण संगठन से जांच करने का आदेश दिया। भ्रष्टाचार निवारण संगठन में तैनात इंस्पेक्टर वकील पांडेय की तहरीर पर राहुल के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 13(2) और 13 (1) (बी) में एफआईआर दर्ज की गई।

जबरन निकाह, तीन तलाक और अब बच्चों के खतना का दबाव

महिला आयोग के सामने छलका हिंदू महिला का दर्द

गाजीपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई के दौरान एक रूह कंपा देने वाला मामला सामने आया है। मोहम्मदाबाद की रहने वाली एक हिंदू महिला ने अपने पति अफसर हुसैन पर अपहरण, जबरन निकाह, धर्म परिवर्तन और अब बच्चों पर मजहबी दबाव बनाने के सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। महिला ने पुलिस पर भी मिलीभगत और चरित्र हनन के गंभीर आरोप मढ़े हैं।

पीड़िता के अनुसार, प्रताड़ना का यह सिलसिला साल 2009 में शुरू हुआ था। मुस्लिम बाहुल्य गांव के रहने वाले अफसर हुसैन ने उसका अपहरण किया और उसे तीन साल तक महाराष्ट्र के एक गांव में बंधक बनाकर रखा। पीड़िता का आरोप है कि 2012 में वापस लौटने के बाद गांव के दबाव में आकर उसका जबरन निकाह अफसर से करा दिया गया। इस निकाह से उसकी एक 14 साल की बेटी और 8 साल का बेटा है। जनसुनवाई में पीड़िता ने आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान को अपने सिर के जख्म दिखाए। उसने बताया कि 10 दिन पहले उस पर चाकुओं से जानलेवा हमला हुआ था, लेकिन पुलिस ने प्रभाव में आकर गलत मेडिकल रिपोर्ट तैयार की ताकि मामला हल्का हो जाए। महिला ने भावुक होकर कहा- पुलिस अब मेरे कैरेक्टर पर सवाल उठा रही है। अगर मेरा चरित्र इतना ही खराब है, तो योगी सरकार मुझे खराब कैरेक्टर का सर्टिफिकेट दे दे, ताकि मैं शांति से जी सकूं।

महिला की आपबीती सुनने के बाद अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान ने मौके पर मौजूद अपर पुलिस अधीक्षक (सिटी) को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिए कि महिला का तत्काल निष्पक्ष मेडिकल कराया जाए और आरोपी के खिलाफ सख्त धाराओं में कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

दो छात्राएं लापता, परिजनों को मिली हत्या की धमकी

छपरा, 13 मार्च (एजेंसियां)। सारण जिले के तरैया थाना क्षेत्र में एक गंभीर और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां प्रखंड मुख्यालय स्थित आदर्श मध्य विद्यालय तरैया से कक्षा छह की दो छात्राएं संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गईं। गायब छात्राओं की पहचान मुरलीपुर गांव निवासी अजय साह की 13 वर्षीय पुत्री दिव्या कुमारी और चैनपुर खराटी गांव निवासी संजय महतो की 13 वर्षीय पुत्री रामावती कुमारी के रूप में हुई है। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और परिजनों ने अपहरण की आशंका जताई है। परिजन लगातार स्थानीय पुलिस प्रशासन और जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से गुहार लगा रहे हैं कि उनकी बेटियों को जल्द से जल्द सुरक्षित ढूंढा जाए। फिलहाल, पुलिस स्कूल के शिक्षकों और अन्य छात्र-छात्राओं से पूछताछ कर सुराग जुटाने की कोशिश कर रही है।

'लोकतंत्र को बचाने के लिए जरूरी

चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग की तैयारी पर बोले सपा सांसद

फैजाबाद, 13 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्षी दलों द्वारा चुनाव आयोग के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी पर समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद का बड़ा बयान आया है। उन्होंने कहा कि देशभर में करोड़ों दलितों, अल्पसंख्यकों और पिछड़ों के वोट काटे गए हैं। लोगों के वोटिंग का अधिकार तभी सुरक्षित रहेगा जब चुनाव आयोग के अधिकारी को हटाया जाएगा। इसके बाद ही देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हो सकेंगे।

फैजाबाद सीट से सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने विपक्षी दलों द्वारा लाए जा रहे अविश्वास प्रस्ताव प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि लोकतंत्र में स्वतंत्र मतदान

करने का अधिकार है, बहुमत देने का अधिकार है। लेकिन, अफ़सोस है कि ये सरकार इस देश के करोड़ों-करोड़ों दलित, अल्पसंख्यकों और पिछड़ों का वोट काटे जा रहे हैं।

सपा सांसद ने कहा कि वोट काटने की वजह से सारे विपक्षी दलों ने हमारे नेता अखिलेश यादव के नेतृत्व में हम लोगों ने जब पिछली बार का सत्र चल रहा था तब चुनाव आयोग को ज्ञापन देने गए थे लेकिन उन्होंने ज्ञापन लेना भी मुनासिब नहीं समझा। हमने सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को रखा, आठ-दस दिन धरने पर बैठे रहे।

मां ने 5 माह के बेटे की सिर कूंच कर की हत्या, रसोई में छिपाया शव

प्रयागराज, 13 मार्च (एजेंसियां)। शहर के गंगानगर इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां के गंगानगर इलाके में एक महिला ने अपने पांच साल के मासूम बच्चे की हत्या कर दी। महिला ने बच्चे का सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी। उसने फर्श के टुकड़े से हमला करके बच्चे को मौत के घाट उतार दिया। जानकारी के मुताबिक महिला का उसके पति के साथ विवाद हो गया था, जिसके बाद महिला ने गुस्से में इस घटना को अंजाम दिया। बच्चे की हत्या करने के बाद मां ने उसके शव को रसोई घर में छिपा दिया था। फिलहाल पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

'मैं 5 बार सांसद बना, तब गिरिराज सिंह पैदा भी नहीं हुए थे'

लोकसभा में भड़के पप्पू यादव, 'भूंजे' पर हुई बहस

पटना, 13 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान बिहार के 2 सांसदों के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव बोल रहे थे, तभी बेगूसराय से बीजेपी सांसद गिरिराज सिंह ने उन्हें टोक दिया। बस इसी के बाद इन दोनों नेताओं के बीच सदन में कुछ देर तक तीखी बहस चली और माहौल गर्म हो गया। स्थिति को संभालने के लिए आसन पर बैठे उपसभापति जगदंबिका पाल को हस्तक्षेप करना पड़ा। बहस के दौरान पप्पू यादव ने गिरिराज सिंह पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि जब वह पांच बार सांसद बन चुके थे तब गिरिराज सिंह पैदा भी नहीं हुए थे।

उन्होंने यह भी कहा कि गिरिराज सिंह कभी उनके घर आकर भूंजा खाते थे। पप्पू यादव ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर हिम्मत है तो निर्दलीय चुनाव लड़कर जीतकर दिखाएं। उन्होंने आगे कहा कि कई नेता पार्टी के नाम पर चुनाव जीतते हैं, लेकिन असली ताकत जनता के समर्थन से सामने आती है। इस टिप्पणी के बाद सदन में कुछ देर तक शोरगुल की स्थिति बनी रही। हालांकि बाद में अध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद माहौल धीरे-धीरे शांत हुआ और चर्चा आगे बढ़ी।

अटल सरकार को लेकर भी हुई तकरार

बहस के दौरान गिरिराज सिंह ने पप्पू यादव से सवाल किया कि अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय वह कहां थे। इस पर पप्पू यादव ने जवाब देते हुए कहा कि वह उस समय मंत्रिमंडल का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने बताया कि फेडरल डेमोक्रेटिक पार्टी उस समय सरकार का हिस्सा थी और वह लंबे समय से संसदीय राजनीति में सक्रिय हैं। पप्पू यादव ने कहा कि वह 1990 से लगातार संसदीय जीवन में सक्रिय हैं और इस दौरान उन्हें कई लोकसभा स्पीकर के साथ काम करने का मौका मिला है। उन्होंने मुलायम सिंह यादव और चंद्रशेखर का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें राजनीतिक संरक्षण दिया था और मार्गदर्शन भी दिया।

जगदंबिका पाल के हस्तक्षेप से शांत हुआ माहौल

दोनों नेताओं के बीच बढ़ती बहस को देखकर आसन पर बैठे उपसभापति जगदंबिका पाल ने तुरंत हस्तक्षेप किया। उन्होंने दोनों सांसदों से शांत रहने और अविश्वास प्रस्ताव से जुड़े विषय पर ही अपनी बात रखने की अपील की। उनके हस्तक्षेप के बाद पप्पू यादव ने अपना भाषण जारी रखा और सदन का माहौल धीरे-धीरे सामान्य हो गया। पप्पू यादव पूर्णिया से निर्दलीय सांसद हैं और सात बार लोकसभा के सदस्य रह चुके हैं। 2024 के चुनाव में कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़कर जीत दर्ज की थी। वहीं गिरिराज सिंह बेगूसराय से भाजपा सांसद हैं और उन्हें पार्टी के फायरब्रांड नेताओं में गिना जाता है। वह पहले केंद्र और बिहार सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं।

रेलवे ट्रैक के पास तीन लाश, युवक और मासूम बच्ची के शव पड़े थे नीचे; भाभी पेड़ से लटकी मिली

बदायूं, 13 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के खुर्जा कोतवाली क्षेत्र के नेहरुपुर के पास एक जंगल में एक ही परिवार के तीन सदस्यों के शव मिलने से सनसनी फैल गई है। मृतकों में एक महिला, उसका देवर और उसकी बेटी शामिल हैं। इस हृदय विदारक घटना ने पुलिस महकमे को हिलाकर रख दिया है और हत्या व आत्महत्या दोनों कोणों से गहन जांच शुरू कर दी गई है। घटनास्थल का दृश्य अत्यंत भयावह बताया जा रहा है। बच्ची और युवक का शव जमीन पर पड़ा मिला, जबकि महिला का शव पेड़ से फांसी के फंदे पर लटका हुआ पाया गया।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, मृतक युवक की पहचान पश्चिमी बंगाल के विमल सरकार के रूप में हुई है। वहीं, महिला और युवक पॉटरी इंडस्ट्री में काम करने वाले श्रमिक बताए जा रहे हैं। यह परिवार खुर्जा देहात क्षेत्र में किराए के कमरे में रहता था। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) भारी पुलिस बल और फील्ड यूनिट के साथ मौके पर पहुंच गए। उन्होंने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए।

सड़कों के लिए नितिन गडकरी से मिले पीडब्ल्यूडी मंत्री विक्रमादित्य सिंह

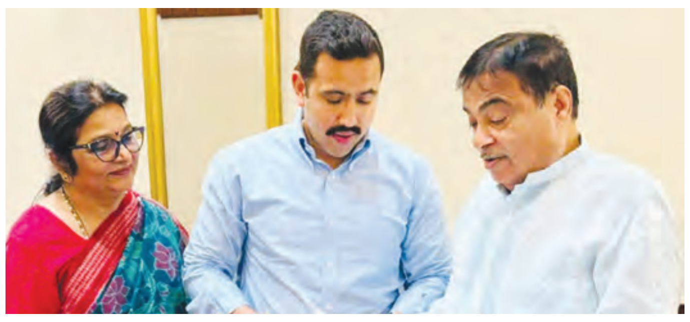

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आज नई दिल्ली स्थित संसद भवन में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं हिमाचल प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजनी पाटिल भी उनके साथ रहीं। बैठक में हिमाचल प्रदेश में सड़कों, पुलों और सुरंगों से संबंधित महत्वपूर्ण परियोजनाओं को गति देने, सर्व-मौसमीय संपर्क को सुदृढ़ करने और संवेदनशील पर्वतीय क्षेत्रों के लिए मजबूत अवसंरचना सुनिश्चित करने पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में सबसे प्रमुख रूप से घाटासनी-शिल्हा-बढाणी-भूबू जॉट-कुल्लू सड़क और भूबू जॉट के नीचे प्रस्तावित सुरंग का मुद्दा उठाया गया। विक्रमादित्य सिंह ने आग्रह किया कि भूबू जॉट सुरंग और उससे जुड़ी सड़क को प्राथमिकता प्राप्त परियोजना के रूप में लिया जाए और इस संपूर्ण मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने पर विचार किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सुरंग जोगिंद्रनगर क्षेत्र को लुग घाटी के माध्यम से कुल्लू से एक सर्व-मौसमीय वैकल्पिक मार्ग द्वारा जोड़ेगी जिससे पठानकोट, जोगिंद्रनगर, मंडी और कुल्लू के बीच दूरी और यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी और वर्तमान मार्गों पर दबाव घटेगा।

लोक निर्माण मंत्री ने बताया कि भूबू जॉट कॉरिडोर के विकसित होने से लुग घाटी और आसपास के क्षेत्रों में पर्यटन को नई दिशा मिलेगी और होमस्टे, छोटे व्यापार, परिवहन सेवाओं तथा स्थानीय रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि ऊंचाई वाले सीमांत क्षेत्रों की ओर जाने वाली सेना और सुरक्षा बलों के लिए भी यह एक अतिरिक्त विश्वसनीय मार्ग उपलब्ध कराएगा विशेषकर भारी बर्फबारी के दौरान जब कुछ दर्रे बंद रहते हैं।

विक्रमादित्य सिंह ने ब्यास नदी पर बसंतिपत्तन-खेरी के बीच दो-लेन पुल निर्माण का मामला उठाया जो कांगड़ा और हमीरपुर जिलों को सीधे जोड़ते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात का दबाव घटाएगा। इसके साथ ही मंडी जिले में पंडोह के निकट ब्यास पर मोटरेबल स्टील ट्रस पुल निर्माण का प्रस्ताव भी रखा गया जो आपदा या राजमार्ग अवरोध की स्थिति में वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराएगा।

लोक निर्माण मंत्री ने सीआरआईएफ और अन्य केंद्रीय योजनाओं के तहत स्वीकृत कार्यों का उल्लेख करते हुए केंद्र सरकार के प्रति आभार जताया। उन्होंने सड़कों के चौड़ीकरण, सुरक्षा दीवारों, ढलान सुरक्षण, बाईपास और सुरंगों से जुड़े अतिरिक्त प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृति देने का अनुरोध किया। उन्होंने रोपवे परियोजनाओं को बढ़ावा देने और पर्वतीय क्षेत्रों के लिए मानकों में व्यावहारिक छूट की नीतिगत पहल के लिए भी केंद्र का धन्यवाद किया।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने विक्रमादित्य सिंह और राजनी पाटिल द्वारा रखे गए सभी मुद्दों को गंभीरता और सहानुभूति से सुना। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पर्वतीय और सीमांत राज्यों में सड़क और पुल अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है और हिमाचल प्रदेश की वास्तविक आवश्यकताओं पर सकारात्मक विचार किया जाएगा। विक्रमादित्य सिंह ने विश्वास जताया कि सीएम सुखविंदर सिंह सुखू के नेतृत्व में हिमाचल सरकार केंद्र के साथ निकट समन्वय बनाकर इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाएगी।

सेहरी की, फिर नमाज से पहले कमरे में लगा लिया फंदा... मौत से पहले लिख गया ये बात

इंदौर, 13 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर में खजराना थाना क्षेत्र की सम्राट कॉलोनी में रहने वाले युवक ने गुरुवार सुबह फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। मृतक युवक की पहचान फरमान पठान के रूप में हुई है। युवक ने अपने घर पर ही फांसी के फंदे से झूल गया। परिजनों ने बताया कि मृतक कर्ज और अपनी प्रेमिका से परेशान था। इसका एक वीडियो भी उसने शेयर किया है, जिसमें वो सभी से मांफी मांगते दिख रहा है। जानकारी के मुताबित, युवक का नाम फरमान पठान (21) है, जिसने अपने ही घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली।

परिवार वालों ने बताया कि फरमान ने रोजा रखा था, सेहरी करने के बाद वो कमरे में गया और फांसी लगा ली। लोगों ने बताया कि खुदकुशी करने से पहले फरमान ने अपने सोशल मीडिया पर एक स्टेटस डाला था। स्टेट्स में उसने परिवार से और कर्जदारों से माफी मांगने के साथ ही मंगेतर का साथ छोड़ने की बात लिखी थी। परिवार वालों ने बताया कि फरमान ने रोजा रखा था वो सुबह सेहरी करने के लिए उठा था।

जीवन रक्षक कार्डियक इम्प्लांट की आपूर्ति रुकने पर जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट सख्त

अधिकारियों को दिए निर्देश

जम्मू, 13 मार्च (एजेंसियां)। जीवन रक्षक कार्डियक इम्प्लांट, स्टेंट और अन्य आवश्यक उपभोग्य सामग्री की अचानक आपूर्ति रुकने से एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, स्टेंटिंग और सीसीयू प्रबंधन जैसी महत्वपूर्ण हृदय सेवाओं पर पड़े प्रभाव से संबंधित मामले में जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने अधिकारियों को नई खरीदी गई सीटी स्कैन मशीनों की डिलीवरी और उन्हें चालू करने की समयसीमा के बारे में स्पष्ट हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

यह निर्देश चीफ जस्टिस अरुण पल्ली और जस्टिस राजनेश ओसवाल की खंडपीठ ने दिए। रिपोर्ट के आधार पर स्वतः संज्ञान लेकर दायर की गई थी। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट एसएस। अहमद और एसएस। चौहान पेश हुए, जबकि प्रतिवादियों की ओर से सीनियर एडिशनल एडवोकेट जनरल मोनिका कोहली उपस्थित रहीं।

सुनवाई के दौरान जम्मू-कश्मीर मेडिकल सप्लाइज कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक तारिक एच। गनई वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यवाही में शामिल हुए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि 128-स्लाइस की सात सीटी स्कैन मशीनों की खरीद के लिए अप्रैल, अगस्त और दिसंबर 2025 में खरीद आदेश जारी किए गए थे।

उन्होंने बताया कि इन सात मशीनों में से चार जम्मू संभाग के अस्पतालों में और तीन श्रीनगर संभाग के अस्पतालों में स्थापित की जानी हैं। अदालत को यह भी बताया गया कि इन मशीनों की निर्धारित डिलीवरी मार्च 2026 में मुंबई पोर्ट पर होनी है और डिलीवरी के बाद उन्हें जल्द से जल्द चालू करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

राज्यसभा चुनावों में कांग्रेस को क्रॉस वोटिंग का डर, अपने 12 विधायकों को बेंगलुरु के रिसॉर्ट में शिफ्ट किया

भुवनेश्वर, 13 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा चुनावों में कांग्रेस को क्रॉस वोटिंग का डर सता रहा है। यही वजह है कि उसने अपने 12 विधायकों को बेंगलुरु के रिसॉर्ट में शिफ्ट कर दिया है। ये सभी विधायक कल देर रात बेंगलुरु पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक, इन्हें बेंगलुरु के बाहरी इलाके में एक रिसॉर्ट में रखा गया है, जहां किसी के भी जाने पर मनाही है। इन विधायकों को 16 मार्च को वोटिंग के दिन सीधे यहां से भुवनेश्वर ले जाने की तैयारी की गई है। इस मामले में कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का बयान भी सामने आया है।

उन्होंने कहा, मैंने किसी को नहीं बुलाया है। वो आए हैं, ऐसा मुझे बताया गया है। वहां के पीसीसी प्रेसीडेंट ने मुझे फोन किया और बताया कि मैंने उनके लिए इंतजाम किया है। हो सकता है कि वो बेंगलुरु और मैसुरु घूमने जा रहे हैं, देखिए पार्टी ने जो दायित्व दिया है, उसका पालन करना हमारा काम है। मैंने उन्हें सूचना दी है कि विधानसभा की कार्यवाही पूरी होने के बाद मैं उनसे मुलाकात करूंगा। राज्यसभा चुनाव 2026 का ऐलान हो चुका है, जिसके लिए सभी दलों ने अपनी-अपनी तैयारियों को शुरू कर दिया है। 10 राज्यों की राज्यसभा की 37 सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है, इसके तहत राज्यसभा की 37 सीटों के लिए 16 मार्च को वोटिंग होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 5 मार्च थी।

नामांकन की जांच 6 मार्च को होनी थी। नाम वापस लेने की आखिरी तारीख 9 मार्च थी। बता दें कि राज्यसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस ने अपनी रणनीति बनाना शुरू कर दिया है। अपने विधायकों को रिजॉर्ट में भेजकर उसने ये संदेश दिया है कि वह चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस मामले की सियासी दुनिया में काफी चर्चा हो रही है।

सरकारी कोठियों पर अवैध कब्जे से हाईकोर्ट नाराज

प्रशासन को आदेश-अब और मत सोइए, खाली कराइए

चंडीगढ़, 13 मार्च (एजेंसियां)। शहर में सरकारी कोठियों पर लंबे समय से अवैध कब्जा करने वाले लोगों के खिलाफ पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। प्रशासन को आदेश दिया है कि अब और मत सोइए, कोठियां खाली करवाइए। यह आदेश सेक्टर-35 की एक कोठी का मामला सामने आने के बाद दिया गया है। बताया जा रहा है कि आवास अलॉटमेंट अवधि समाप्त होने के बावजूद कोठी में पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह का परिवार निवास कर रहा है।

बेअंत सिंह के पोते वर्तमान में केंद्रीय मंत्री हैं। अदालत ने प्रशासन को निर्देश दिया कि सरकारी मकानों पर अवैध कब्जों के मामले में अब और देरी न करें, बल्कि तुरंत कार्रवाई करें और मकान खाली कराएं। सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह भी बताया गया कि कुछ लोग कई वर्षों से सरकारी आवासों में रह रहे हैं, जबकि उनके आवंटन रद करने की प्रक्रिया चल रही है। विशेष रूप से, अदालत ने सेक्टर-35 स्थित मकान नंबर-33 में रह रहे प्रकाश सिंह के मामले पर सवाल उठाए। अदालत ने प्रशासन से पूछा कि जब आवंटन रद करने की प्रक्रिया चल रही है, तो संबंधित व्यक्ति पिछले छह वर्षों से सरकारी मकान में कैसे रह रहा है।

इसके साथ ही, अदालत ने यह भी जानना चाहा कि क्या उससे व्यावसायिक दरों पर किराया वसूला जा रहा है और यदि हां, तो इसका प्रमाण रिकॉर्ड पर क्यों नहीं है। पीठ ने कहा कि यदि नियमों के विरुद्ध कब्जा है, तो प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए, केवल नोटिस जारी करने से काम नहीं चलेगा। प्रशासन ने दलील दी कि संबंधित व्यक्ति का नाम पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के परिवार से जुड़ा है और उसे सुरक्षा खतरा हो सकता है। इस पर अदालत ने कड़ा रुख अपनाते हुए पूछा कि खतरे का आधार क्या है।

अदालत ने कहा कि क्या इस संबंध में कोई खुफिया रिपोर्ट है? कोर्ट को बताया गया कि इंटेलिजेंस इनपुट मौजूद है जो खतरा बताती है और आज भी परिवार को खतरा है। सुनवाई में यह भी सामने आया कि चंडीगढ़ में हरियाणा, पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश से जुड़े अधिकारियों के पास कुल 32 से अधिक सरकारी मकान हैं। अदालत ने प्रशासन को निर्देश दिया कि पूरे मामले का स्पष्ट रिकॉर्ड और रिपोर्ट अगली सुनवाई पर पेश की जाए, तथा अवैध कब्जों को हटाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

केबल चोर अरेस्ट

दिल्ली मेट्रो की नई लाइन से 1000 मीटर वायर हुई थी गायब, कुछ दिन पहले पीएम ने किया था उद्घाटन

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली मेट्रो के मजलिस पार्क और भलस्वा मेट्रो स्टेशनों से सिग्नलिंग केबल चोरी के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। इस चोरी के कारण मेट्रो का सिग्नलिंग सिस्टम बुरी तरह प्रभावित हुआ और सेवाएं बाधित हुईं। पुलिस ने आरोपी के पास से लगभग 170 से 180 मीटर जली हुई केबल बरामद की है, जबकि कुल 1000 मीटर केबल चोरी होने का अनुमान है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, बीती 12 मार्च की सुबह करीब 4:20 बजे डीएमआरसी के ओसीसी/एमबी सिग्नल कंट्रोलर एमआरएस मजलिस पार्क से सिग्नलिंग केबल चोरी होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही रात्रि गश्त टीम तुरंत मौके पर पहुंची। टीम ने पास के जंगल में कुछ लोगों को तांबे के लिए तार पिघलाते देखा।

टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जहांगीरपुरी, दिल्ली निवासी शेख शफीक के रूप में हुई है। आजादपुर मेट्रो पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता और डीएमआरसी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता जसबीर सिंह, एएसई/सिग/एल-8 एक्सटेंशन, एमआरएस मजलिस पार्क ने बताया कि निरीक्षण के दौरान लगभग 1000 मीटर सिग्नलिंग केबल गायब पाई गई। पुलिस बाकी आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही है और आगे की जांच जारी है। मेट्रो पुलिस और डीएमआरसी की टीम ने संवेदनशील स्थानों का संयुक्त सर्वेक्षण भी किया है।

दिल्ली में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

डेढ़ साल में 1.5 लाख बोतलें जब्त, 816 एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली में अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने के लिए पुलिस और आबकारी विभाग ने बड़ा अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत 1 जनवरी 2025 से 3 मार्च 2026 के बीच करीब 1.5 लाख अवैध शराब की बोतलें जब्त की गई हैं।

इस दौरान तस्करों के खिलाफ 816 एफआईआर दर्ज की गईं। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई राजधानी में अवैध शराब के नेटवर्क को तोड़ने की दिशा में बड़ा कदम है। सरकार की ओर से अवैध शराब के कारोबार पर सख्ती बरतने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद पुलिस और आबकारी विभाग ने मिलकर कई इलाकों में लगातार छापेमारी शुरू की। अधिकारियों के मुताबिक, सीमावर्ती इलाकों और उन जगहों पर खास निगरानी रखी जा रही है जहां से अवैध शराब की तस्करी होने की आशंका रहती है। टीमें लगातार गश्त कर रही हैं और संदिग्ध वाहनों की जांच भी की जा रही है। कई मामलों में शराब की बड़ी खेप पकड़ी गई है, जिसे दूसरे राज्यों से लाकर दिल्ली में बेचा जा रहा था।कार्रवाई के दौरान कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है।

पुलिस का कहना है कि पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ के आधार पर पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है। कोशिश है कि सिर्फ छोटे तस्करों पर ही नहीं, बल्कि इस अवैध कारोबार को चलाने वाले बड़े गिरोहों तक भी पहुंचा जाए। अधिकारियों का कहना है कि अवैध शराब का कारोबार सिर्फ राजस्व का नुकसान नहीं करता, बल्कि कई बार लोगों की जान के लिए भी खतरा बन जाता है। इसलिए इसे पूरी तरह खत्म करने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

प्रशासन के मुताबिक इस बार की कार्रवाई पिछले साल के मुकाबले ज्यादा तेज और प्रभावी रही है। जब्त की गई शराब की मात्रा और दर्ज एफआईआर की संख्या भी बताती है कि अवैध कारोबार पर शिकंजा कसने की कोशिश लगातार जारी है। आबकारी विभाग का कहना है कि आने वाले समय में भी यह अभियान जारी रहेगा। पुलिस और विभाग की संयुक्त टीमें राजधानी के अलग-अलग इलाकों में निगरानी बढ़ाकर तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करती रहेंगी, ताकि दिल्ली में अवैध शराब के कारोबार को पूरी तरह खत्म किया जा सके।

जीटीबी अस्पताल के बाहर से हटाया अतिक्रमण, कार्रवाई के दौरान निगम की टीम पर हमला; हिरासत में लिया

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। पूर्वी दिल्ली। दैनिक जागरण में खबर छपने पर संज्ञान लेकर बृहस्वपतिवार को दिल्ली नगर निगम के शाहदरा उत्तरी जोन ने जीटीबी अस्पताल के बाहर से अतिक्रमण हटाया। अतिक्रमण हटाने से नाराज होकर एक व्यक्ति ने निगम की टीम पर हमला कर दिया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने हमला करने वाले केशव को हिरासत में लिया। निगम ने रेहड़ियों को तोड़ने के साथ ही काफी सामान जब्त किया। दैनिक जागरण ने अतिक्रमण मुक्त सड़क चाहिए शीर्षक से अभियान चलाया था जिसके अंतर्गत 11 मार्च के अंक में अस्पताल के बाहर अतिक्रमण की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसपर संज्ञान लेकर निगम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। निगम के अधिकारियों ने बताया कि सुबह निगम की टीम जीटीबी अस्पताल के बाहर पहुंची थी। साथ में दिल्ली पुलिस भी मौजूद थी।

ओडिशा में दिल दहलाने वाली घटना

7 साल की बच्ची की दुष्कर्म के बाद गला घोंटकर हत्या, खदान में मिली लाश

भुवनेश्वर, 13 मार्च (एजेंसियां)। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक सात साल की बच्ची की दुष्कर्म के बाद गला घोंटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। घटना नौ मार्च की है। दूसरी कक्षा में पढ़ने वाली यह बच्ची अपने चाचा के घर पर रह रही थी, क्योंकि उसके पिता काम के सिलसिले में राज्य से बाहर थे।

बच्ची घर के पास खेलते समय अचानक लापता हो गई। काफी खोजबीन के बाद जब कोई सुराग नहीं मिला, तो चाचा ने राजगांगपुर पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। मामला मालडीही पंचायत के अंतर्गत दूधी गांव की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुंदरगढ़ की एसपी अमृतपाल कौर की देखरेख में जांच शुरू की गई। एडिशनल एसपी केपी मिश्रा और एसडीओपी विभूति भूषण भोई के नेतृत्व में टीमों ने स्निफर डॉग्स की मदद से इलाके की तलाशी ली। जांच के दौरान पुलिस का शक गांव के ही 24 वर्षीय माइकल किंडो पर गया। जब पुलिस ने उसका सामना किया, तो उसने भागने की कोशिश की, लेकिन वह पकड़ा गया।

पूछताछ के दौरान आरोपी टूट गया और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने बच्ची को बहला-फुसलाकर सुनसान जगह पर ले गया, उसके साथ बलात्कार किया और फिर पहचान छिपाने के लिए गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। आरोपी के कबूलनामे के आधार पर पुलिस की टीम जंगल की ओर पहुंची। आरोपी ने शव को गांव से लगभग चार किलोमीटर दूर एक पत्थर की खदान में छिपा दिया था और ऊपर से पत्थर रख दिए थे।

पुलिस ने वहां से बच्ची का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। राजगांगपुर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर इन-चार्ज अनिल कुमार सामल ने बताया कि आरोपी माइकल किंडो को गिरफ्तार कर अदालत में पेश कर दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर सभी महत्वपूर्ण सबूत इकट्ठा कर लिए हैं। एक मजबूत केस बनाने के लिए व्यापक जांच अभी भी जारी है।

फारूक अब्दुल्ला पर हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में वीआईपी सुरक्षा कड़ी

अब अतिरिक्त जवान रहेंगे तैनात

जम्मू, 13 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर में पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला पर हुए जानलेवा हमले की कोशिश के बाद प्रदेश में वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है। प्रशासन ने कई संरक्षित व्यक्तियों (प्रोटेक्टियों) की सुरक्षा की समीक्षा करते हुए अतिरिक्त कदम उठाए हैं।

सूत्रों के अनुसार, अब जम्मू और कश्मीर पुलिस के अलावा और जवान फारूक अब्दुल्ला के साथ उनकी यात्रा के दौरान तैनात रहेंगे, ताकि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। वहीं जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। उनके हर सार्वजनिक कार्यक्रम में अब एक गजेटेड पुलिस अधिकारी की अनिवार्य मौजूदगी सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा, जिन स्थानों पर संरक्षित लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे, वहां सुरक्षा प्रबंधों को भी और मजबूत किया गया है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को ऐसे कार्यक्रमों के दौरान विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

इस समारोह में कई वीआईपी मौजूद थे, जिनमें दो ऐसे लोग भी शामिल थे जिन्हें 'जेड-प्लस' सुरक्षा भी मिली हुई थी। सीएम उमर अब्दुल्ला और जम्मू-कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी। जिन्हें 'जेड-प्लस' सुरक्षा दी जाती है उन व्यक्तियों को कम से कम आधा दर्जन एनसीजी कमांडो मिलते हैं। इसके अलावा, उन्हें सुरक्षा के दो-तीन घेरे भी मिलते हैं। इनमें स्थानीय पुलिस और दूसरे सुरक्षाकर्मी शामिल होते हैं।

साथ ही उन्हें एक बुलेट-प्रूफ गाड़ी और एस्कॉर्ट भी दिया जाता है। हर सुबह, 'जेड-प्लस' सुरक्षा प्राप्त शख्स का पूरा कार्यक्रम उनके आने-जाने का शेड्यूल भी शामिल होता है और ये सुरक्षा विंग को भेजा जाता है। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जिस रास्ते से उन्हें गुजरना है और जिन जगहों पर उन्हें जाना है, वहां की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से पुख्ता हो।

बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 10 लोग गिरफ्तार, दिल्ली पुलिस की फॉरेनर सेल को मिली सफलता

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की फॉरेनर सेल ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए सभी लोग भारत में फर्जी तरीके से मेडिकल वीजा के जरिए बुल्गारिया जाने की कोशिश कर रहे थे। उनके खिलाफ डिपोर्टेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध विदेशी नागरिक जिनकी बांग्लादेशी होने की आशंका है, वीजा अवधि खत्म होने के बाद भी इलाके में रह रहे हैं और बुल्गारिया के लिए मेडिकल वीजा प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं।

6 मार्च को पुलिस को सूचना मिली कि ये लोग पीरागढ़ी चौक के पास डीडीए पार्क के आसपास मौजूद हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और निगरानी शुरू की। पुलिस को देखते ही संदिग्ध लोग भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी को पकड़ लिया।

तेज हवाओं के साथ होगी बारिश

मुंबई, 13 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में अब भीषण गर्मी से राहत मिलने के आसार हैं। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में कई इलाकों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिका 17 मार्च के बाद से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। दोपहर बाद आसमान में बादल छाएंगे और तेज हवाओं के साथ बारिश की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने बताया कि 20 मार्च तक महाराष्ट्र के कई इलाकों में बारिश की संभावना है।

ऐसे में मौसम विभाग ने किसानों को फसलों की सुरक्षा के लिए भी अलर्ट कर दिया है। मौसम विभाग ने किसानों से जरूरी सावधानियां बरतने की अपील की है।

17 मार्च से बदलेगा मौसम

राज्य में 17 से 20 मार्च के बीच कुछ हिस्सों में दोपहर के बाद मौसम में बदलाव होने और गरज-चमक के साथ बारिश तथा तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार यह स्थिति मुख्य रूप से विदर्भ, मराठवाड़ा, खानदेश और मध्य महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में देखने को मिल सकती है। इस दौरान बिजली गिरने, तेज आंधी, बारिश और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। वर्तमान अनुमान के मुताबिक 18 से 20 मार्च के बीच इन मौसम गतिविधियों की तीव्रता बढ़ने की संभावना है।

किसानों को किया अलर्ट

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे अगले कुछ दिनों तक मौसम के ताजा पूर्वानुमानों पर नजर रखें और उसी के अनुसार खेती से जुड़े कामों की योजना बनाएं। इस समय रबी फसलों की कटाई चल रही है, इसलिए किसानों को कटाई की गई फसलों को सुरक्षित स्थान पर रखने या उन्हें ढककर रखने की व्यवस्था करने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही तेज हवाओं, बारिश और संभावित ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान से बचाने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने का भी आग्रह कृषि विभाग ने किया है।

भारत के लिए संकटमोचक दोस्त बना रूस

अब एलएनजी देने का ऑफर, पुतिन ने खोजा नया कूटनीतिक रास्ता

मॉस्को, 13 मार्च (एजेंसियां)। रूस ने कहा है कि वो भारत तो एलएनजी सप्लाई के लिए तैयार है। भारत में रूस के राजदूत डेनिस एलिपोप ने कहा है कि रूस 'भारत को एलएनजी सप्लाई देने के लिए तैयार है।' उन्होंने कहा है कि प्रतिबंधों की वजह से पिछले कॉन्ट्रैक्ट में रूकावट आई थी। रूसी राजदूत ने कहा कि 'कुछ साल पहले भारत को एलएनजी सप्लाई के लिए इंतजाम और कॉन्ट्रैक्ट्स हुए थे लेकिन प्रतिबंधों की वजह से उनमें रुकावट आ गई थी।' रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव का यह बयान संकेत देता है कि रूस अब भारत को सीधे एलएनजी सप्लाई करने का नया रास्ता तलाश रहा है।

आपको बता दें कि भारत की कंपनी जीएआईएल ने रूस की सरकारी तेल और गैस कंपनी गजप्रोम के साथ साल में 2.5 मिलियन टन एलएनजी खरीदने के लिए 20 सालों का एक लंबा करार किया था। लेकिन यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर भारी भरकम प्रतिबंध लगा दिए। रूसी कंपनी गजप्रोम की जर्मन यूनिट गज़प्रोम

जर्मनिया को जर्मनी ने अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद रूस ने उस इकाई को गैस देना बंद कर दिया जिससे भारत की सप्लाई रुक गई।

भारत के दोस्त ने खोजा नया कूटनीतिक रास्ता

रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने इससे पहले बुधवार को भारत की तरफ से रूसी कच्चे तेल की खरीद का ज़ोरदार तरीके से बचाव किया था।

उन्होंने जोर देकर कहा था कि नई दिल्ली को अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए किसी भी देश से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। अलीपोव ने कहा कि भारत का रुख विदेश मंत्री एस. जयशंकर पहले ही साफ कर चुके हैं।

राजदूत ने कहा कि मुझे लगता है कि भारतीय अधिकारियों ने इसका जवाब पहले ही दे दिया है। विदेश मंत्री जयशंकर ने इस पर जवाब दिया था कि भारत को किसी से भी किसी तरह की अनुमति की जरूरत नहीं है।'

भारत ने गजप्रोम के साथ जो समझौता किया था उसके मुताबिक रूस भारत को लगातार 20 सालों तक गैस की सप्लाई करता।

इस समझौते के तहत रूसी कंपनी हर साल 25 लाख टन एलएनजी की सप्लाई भारत को करती। इसे दुनिया के सबसे सस्ते एलएनजी सौदों में से एक माना गया था जिसकी अनुमानित कीमत पूरे अनुबंध काल यानि पूरे 20 सालों के लिए करीब 25 बिलियन डॉलर थी। लेकिन पश्चिमी देशों की तरफ से लगाए गये प्रतिबंधों की वजह से इस डील पर असर पड़ा।

भारत को गैस सप्लाई में रूसी कंपनी को थी परेशानी

साल 2022 में गजप्रोम की सिंगापुर यूनिट पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की वजह से बंद हो गई। जिसका हवाला देकर रूसी कंपनी नमे भारत को शिपमेंट भेजने में असमर्थता जताई थी जिससे उस समय कई कार्गो की सप्लाई रुक गई थी।

लेकिन ईरान युद्ध शुरू होने के बाद जब भारत में गैस-सिलवेंडर के लिए मारा-मारी हो रही है तो रूस एक संकटमोचक के तौर सामने आया है। रूस से गैस की आपूर्ति भारत के नागरिकों को काफी राहत दे सकती है।

अमेरिका ने एच-1बी वीजा देने की प्रक्रिया में बदलाव किया

अब सैलरी के आधार पर होगा चयन, 1 अप्रैल से नया फार्म I-129 लागू होगा

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका ने एच-1बी वीजा प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। अब लाभार्थियों का चयन रैंडम लॉटरी के बजाय वेतन के आधार पर होगा। इसके लिए अमेरिकी इमिग्रेशन एजेंसी ने फॉर्म I-129 का नया सिस्टम बनाया है, जिसे 1 अप्रैल 2026 से अनिवार्य कर दिया जाएगा।

कंपनियों को विदेशी कर्मचारियों के लिए दाखिल याचिका में नौकरी से जुड़ी जानकारी देनी होगी। इससे पहले की तुलना में ज्यादा अनुभवी और हाई सैलरी पाने वाले प्रोफेशनल्स को वीजा मिलने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी।

नए सिस्टम में आवेदकों को चार वेतन स्तरों में बांटा जाएगा। जिस पद का वेतन स्तर जितना ऊंचा होगा, चयन प्रक्रिया में उसे उतने अधिक मौके मिलेंगे। मसलन, लेवल-4 के उम्मीदवार को चार मौके मिलेंगे, जबकि लेवल-1 को सिर्फ एक मौका मिलेगा।

फॉर्म I-129 का उपयोग अस्थायी कामगारों को अमेरिका बुलाने के लिए किया जाता है। अमेरिका का श्रम विभाग हर पेशे

और शहर के लिए एक मानक वेतन तय करता है। उसी के आधार पर नौकरी को लेवल-1 से लेवल-4 में रखा जाता है।

70% एच-1 बी वीजा भारतीयों को मिलता है

ट्रम्प के आदेश का क्या असर- भारतीयों पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा, क्योंकि हर साल कुल जारी किए जाने वाले एच-1बी वीजा में से 70% भारतीय प्रोफेशनल्स को जारी किए जाते हैं।

एच-1 बी वीजा की फीस कितनी- पहले फीस लगभग 9 हजार डॉलर यानी करीब 8 लाख 30 हजार रुपए थी, लेकिन सितंबर 2025 में ट्रम्प ने इसे बढ़ाकर 1 लाथ डॉलर यानी लगभग 90 लाख रुपए कर दिया।

इस वीजा की अवधि कितनी है- 3-3 साल के लिए दो बार जारी होता है। कुल अवधि 6 साल के बाद आवेदक चाहे तो ग्रीन कार्ड यानी नागरिकता से पहले की स्टेज के लिए आवेदन कर सकता है।

ट्रम्प का एच-1 बी वीजा पर 9 साल में कभी हां, कभी ना वाला रवैया रहा है। पहले कार्यकाल में 2016 में ट्रम्प ने इस वीजा को अमेरिकी हितों के खिलाफ कहा था। 2019 में इस वीजा का एक्सटेंशन सस्पेंड किया। पिछले महीने ही यू-टर्न लेते हुए कहा- हमें टैलेंट की जरूरत है।

ट्रम्प ने एच-1 बी में बदलाव के अलावा 3 नए तरह के वीजा कार्ड लॉन्च किए थे। 'ट्रम्प गोल्ड कार्ड', 'ट्रम्प प्लेटिनम कार्ड' और 'कॉर्पोरेट गोल्ड कार्ड' जैसी सुविधाएं भी शुरू की गई हैं। ट्रम्प गोल्ड कार्ड (8.8 करोड़ कीमत) व्यक्ति को अमेरिका में अनलिमिटेड रेसीडेंसी (हमेशा रहने) का अधिकार देगा।

भारत हर साल लाखों इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस के ग्रेजुएट तैयार करता है, जो अमेरिका की टेक इंडस्ट्री में बड़ी भूमिका निभाते हैं। इंफोसिस, TCS, विप्रो, कॉग्निजेंट और HCL जैसी कंपनियां सबसे ज्यादा अपने कर्मचारियों को एच-1 बी वीजा स्पॉन्सर करती हैं। कहा जाता है कि भारत अमेरिका को सामान से ज्यादा लोग यानी इंजीनियर, कोडर और छात्र एक्सपोर्ट करता है।

अब फीस महंगी होने से भारतीय टैलेंट यूरोप, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, मिडिल ईस्ट के देशों की ओर रुख करेगा।

नेपाल के पूर्व पीएम केपी ओली के पिता का निधन

इलाज के दौरान दम तोड़ा

काठमांडू, 13 मार्च (एजेंसियां)। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के पिता मोहन प्रसाद ओली का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। 97 वर्षीय मोहन प्रसाद ओली पिछले कुछ दिनों से बीमार थे।

सूत्रों के मुताबिक, उनका पार्थिव शरीर ओली के गुंडू स्थित निवास पर ले जाया जाएगा। इसके बाद शुक्रवार दोपहर पशुपतिनाथ में अंतिम संस्कार किया गया।

मोहन प्रसाद ओली पिछले कुछ समय से गट्ठाघर में अपनी बेटी के घर रह रहे थे। गुरुवार रात अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

8 और 9 सितंबर को हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान झापा स्थित मोहन प्रसाद ओली के घर को आग लगा दी गई थी। इसके बाद से वे झापा नहीं लौटे थे।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान पर जवाबी हमला

खैबर पख्तूनख्वा में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया बीती रात पाकिस्तानी हमले में 6 अफगानी मारे गए थे

इस्लामाबाद, 13 मार्च (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि अफगान वायुसेना ने शुक्रवार को पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हवाई हमला किया। मंत्रालय के मुताबिक यह कार्रवाई पाकिस्तानी सेना की बीती रात किए गए हमलों के जवाब में की गई।

रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि कोहाट क्षेत्र में पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को टारगेट किया गया। साथ ही सैन्य किले को भी निशाना बनाया गया। हालांकि हमले से किसी के मारे जाने या घायल होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

दरअसल, पाकिस्तान ने गुरुवार रात अफगानिस्तान की राजधानी काबूल और कंधार में हवाई हमले किए थे। तालिबानी अधिकारियों के मुताबिक, हमले में 6 लोगों की मौत और 15 घायल हुए हैं। इसमें महिलाएं और बच्चे शामिल है। साथ ही कई घरों को भी नुकसान पहुंचा है।

तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद के

मुताबिक, पाकिस्तान ने प्राइवेट एयरलाइन 'काम एयर' के फ्यूल डिपो पर हमला किया था, जो सिविलियन विमानों और यूएन के विमानों को भी फ्यूल सप्लाई करता है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस हमले का जवाब दिया जाएगा।

वहीं, पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों ने रॉयटर्स को बताया कि यह कार्रवाई पाकिस्तानी तालिबान (टीटीपी) के ठिकानों पर की गई है। हाल के महीनों में देश में बढ़ते आतंकी हमलों के बाद यह ऑपरेशन शुरू किया गया।

तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर कहा कि पाकिस्तानी हमले कंधार और पक्तिका प्रांतों में भी किए गए। कंधार तालिबान नेताओं का गढ़ माना जाता है।

वहीं, तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के आरोपों को खारिज कर दिया है। उसका कहना है कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल किसी भी देश के खिलाफ हमलों के लिए नहीं होने दिया जाएगा।

दरअसल, पाकिस्तान लंबे समय से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पर दबाव बनाता रहा है कि वह अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी आतंकी संगठन को न करने दे। इस्लामाबाद का आरोप है कि टीटीपी अफगानिस्तान से ऑपरेट हो रहा है, जबकि तालिबान सरकार इन आरोपों से लगातार इनकार करती रही है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में संघर्ष की शुरुआत 22 फरवरी को हुई थी। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में एयरस्ट्राइक की थी।

पाकिस्तान के उप गृह मंत्री तलाल चौधरी ने दावा किया था कि सीमावर्ती इलाकों में टीटीपी के ठिकानों पर कार्रवाई में कम से कम 70 लड़ाके मारे गए।

3 दिन में 3 हाथियों की करंट से मौत

खेत में मिला शव, रायगढ़ में पानी पीते समय चपेट में आए, 2 अरेस्ट

सूरजपुर/रायगढ़, 13 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में गेहूं के खेत में हाथी का शव मिला है। करंट लगने से मौत की आशंका जताई जा रही है। वहीं, दो दिन पहले रायगढ़ में भी पानी पीते समय करंट से 2 हाथियों की मौत हो गई थी। इस तरह पिछले 3 दिन में 3 हाथियों की करंट से जान चली गई।

वहीं, हाथियों की लगातार हो रही मौत पर युवा कांग्रेस ने चिंता जताई है। रायगढ़ में युवा कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल, वन विभाग पूरे मामले की जांच कर रहा है।

सूरजपुर जिले के ग्राम करंजवार में शुक्रवार सुबह गेहूं के खेत में हाथी का शव मिला है। हाथी की मौत करंट लगने से होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा। घटना प्रतापपुर वन परिक्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, प्रतापपुर से लगे करंजवार गांव में ग्रामीणों ने सुबह खेत में करीब 15 साल के नर हाथी का शव देखा। यह हाथी पिछले तीन-चार दिनों से इलाके में घूम रहा था। हाथी की सूंड पर काले निशान भी मिले हैं। जिसके आधार पर करंट लगने की संभावना जताई जा रही है। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। हाथी की मौत की खबर मिलते ही सूरजपुर डीएफओ डीपी साहू और एसडीओ फॉरेस्ट संस्कृति बारले सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे।

अमेरिका में भारतीय मूल के दो भाइयों को 835 साल तक की सजा

मेडिकल घोटाले में दोषी

वाशिंगटन, 13 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका में भारतीय मूल के दो भाइयों को धोखाधड़ी के मामले में 835 साल जेल की सजा सुनाई गई है।

अमेरिका के पेनसिल्वेनिया के रहने वाले भास्कर सवानी और अरुण सवानी पर आरोप है कि उन्होंने हेल्थकेयर और H-1B वीजा से जुड़े कई घोटाले किए। मामले में उनकी सहयोगी अलेक्जेंड्रा ओला राडोमिक भी दोषी पाई गई हैं।

अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट के मुताबिक दोनों भाइयों ने करीब 10 साल तक कंपनियों और डेंटल क्लीनिक का नेटवर्क बनाकर धोखाधड़ी की।

उन्होंने 'मेडिकेड' से 3 करोड़ डॉलर (करीब 250 करोड़ रुपए) से ज्यादा की ठगी की और ऐसे इलाज के बिल भी लगाए जो किए ही नहीं गए थे। आरोप है कि उन्होंने बिना मंजूरी वाले डेंटल इम्प्लांट भी लगाए।

साथ ही H-1B वीजा के जरिए विदेशों, खासकर भारत से कर्मचारियों को बुलाने के लिए फर्जी आवेदन किए और कई कर्मचारियों से सैलरी का हिस्सा वापस लेने के लिए दबाव डाला।

छत्तीसगढ़ में सिलेंडर की ऑनलाइन-बुकिंग बंद, सर्वर-डाउन

रायपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर सहित छत्तीसगढ़ में LPG गैस सिलेंडर की किल्लत हो गई है। गैस एजेंसियों के बाहर लम्बी लाइनें हैं। सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी भी हो रही है।

रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई, सरगुजा, रायगढ़ समेत अन्य जिलों में गैस एजेंसियों और गोदामों के बाहर सुबह से ही लोगों की भीड़ लग रही है। उपभोक्ता धूप में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच सर्वर भी ठप हो जाने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है।

फिलहाल ऑनलाइन और मिस्ड कॉल के जरिए गैस सिलेंडर बुकिंग भी बंद कर दी गई है। वहीं बुकिंग करने के बाद भी उपभोक्ताओं को करीब 10-12 दिनों बाद सिलेंडर की डिलीवरी मिलने की बात कही जा रही है, जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

इस बीच राजधानी रायपुर में एलपीजी गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग और कालाबाजारी के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 350 से अधिक गैस सिलेंडर जब्त किए हैं। जब्त सिलेंडरों में घरेलू (डोमेस्टिक) और कॉमर्शियल दोनों तरह के गैस सिलेंडर शामिल हैं।

इधर, बिलासपुर में भी किचन केयर और किराना स्टोर में छापेमारी कर 126 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए। जांच के दौरान गैस निकालने के उपकरण भी मिले। इससे पहले बुधवार को हुई कार्रवाई में 75 गैस सिलेंडर जब्त किए गए थे।

गैस सिलेंडर किल्लत के बीच इलेक्ट्रॉनिक इंडक्शन की भी बिक्री में बढ़ गई है। व्यापारियों को कहना है कि इंडक्शन की बिक्री में 10 से 20% तक इजाफा हुआ है।

ईरान के 'केनेडी' हैं अली लरजानी

तेहरान रैली में धमाकों के बीच इजरायल-अमेरिका को धमकी, दिलचस्प है इतिहास

तेहरान, 13 मार्च (एजेंसियां)। ईरान की राजधानी तेहरान में शुक्रवार को विस्फोट हुआ है। ये धमाका तेहरान विश्वविद्यालय के पास फिरदौसी चौक पर हुआ। यहां हजारों लोग फिलिस्तीन के समर्थन में वार्षिक कुद्स दिवस समारोह के लिए जमा हुए थे। इस रैली में सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी शामिल हुए हैं। लारीजानी ने इस दौरान इजरायल और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जमकर खरी-खोटी सुनाई। अली लारीजानी खासतौर से अली खामेनेई की मौत के बाद ईरानी लीडरशिप का अहम चेहरा बन गए हैं।

अली लारीजानी ने शुक्रवार को जमकर इजरायल और अमेरिका को घेरा है। तेहरान में लोगों के साथ मार्च करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान पर बमबारी दुश्मन की हताशा है। अमेरिका और इजरायल को यह समझना चाहिए

कि उनके हमले ईरानी लोगों को डराते नहीं हैं बल्कि उनको मजबूत करते हैं। रैली पर हमले ने लोगों को और मजबूत किया है।

अली लारीजानी हालिया समय में आक्रामक दिखे हैं लेकिन उनकी पहचान ईरानी सत्ता प्रतिष्ठान का शांत और व्यावहारिक चेहरे की रही है। वह एक ऐसे व्यक्ति हैं, जिन्होंने 18वीं सदी के जर्मन दार्शनिक इमैनुएल कांट पर किताबें लिखीं और पश्चिम के साथ परमाणु समझौतों पर बातचीत का नेतृत्व किया है। हालांकि अब वह सत्ता के केंद्र में दिख रहे हैं।

अमेरिकी-इजरायली हवाई हमलों में अली खामेनेई और ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स कमांडर मोहम्मद पाकपुर के मारे जाने के बाद लारीजानी का लहजा आक्रामक हुआ है। 67 वर्षीय लारीजानी ने खामेनेई की मौत के बाद टीवी पर आकर कहा कि अमेरिका और इजरायल ने ईरान के दिल में आग लगाई है। हम उनको पछताने पर मजबूर कर देंगे। ईरान की सुरक्षा रणनीति का नेतृत्व संभाल रहे अली लारीजानी इराक के नजफ के एक समृद्ध परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनकी अमीरी और प्रभाव को देखते हुए टाइम पत्रिका ने साल 2009 में उन्हें 'ईरान का केनेडी' कहा था। अली लारीजानी के पिता मिर्जा हाशेम अमोली अपने समय के जाने-माने धार्मिक विद्वान थे।

लारीजानी के भाइयों ने ईरान में शक्तिशाली पदों पर काम किया है। लारीजानी की पत्नी भी प्रभावशाली परिवार से आती हैं। उनकी बीवी फरीदेह मोताहारी इस्लामी गणतंत्र ईरान के संस्थापक रूहोल्लाह खोमैनी के करीबी विश्वासपात्र मोर्तेजा मोताहारी की बेटी थीं।

ईरान के स्कूल पर हमले के पीड़ितों के लिए 2 लाख डॉलर की मदद देगा चीन

बीजिंग, 13 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जंग जारी है। इस बीच, चीन ईरान की मदद के लिए आगे आया है। उसने हाल ही में बालिका प्राथमिक विद्यालय पर हवाई हमले में मारे गए छात्रों के लिए 2,00,000 अमेरिकी डॉलर की आपातकालीन मानवीय मदद देने की घोषणा की। अमेरिका और इस्राइल के शुरुआती हमलों के दौरान इस विद्यालय को निशाना बनाया गया था।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, चीन इस हमले में छात्रों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करता है। उनके परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता है। उन्होंने कहा, चीन की रेड क्रॉस सोसायटी ने ईरानी रेड क्रेसेंट सोसासटी को 2,00,000 अमेरिकी डॉलर (यूएसडी) की आपातकालीन मानवीय मदद देने का फैसला लिया है। गुओ ने कहा, चीन सभी नागरिकों और गैर-सैन्य लक्ष्यों पर किए गए हमलों की निंदा करना करता है। उन्होंने कहा, विद्यालयों को निशाना बनाना और बच्चों को नुकसान पहुंचाना अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का गंभीर उल्लंघन है और मानव नैतिकता व अंतरात्मा की सीमाओं को पार करता है। उन्होंने कहा, चीन मानवीयता की भावना के तहत ईरान को जरूरी समर्थन जारी रखने को तैयार है, ताकि ईरानी लोग इन कठिन परिस्थितियों से उबर सकें।

संयुक्त राष्ट्र के एक मार्च के बयान के अनुसार, मिसाइलों ने दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर में एक बालिका प्राथमिक विद्यालय को निशाना बनाया, जिसमें लगभग 150 लोगों की मौत हुई और लगभग 100 घायल हुए। बताया जा रहा है कि मृतकों में कई छात्राएं शामिल हैं।

कंगाली में पाकिस्तान को आईएमएफ का बड़ा झटका

इस्लामाबाद, 13 मार्च (एजेंसियां)। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने बड़ा झटका दिया है। लंबी चर्चा के बावजूद पाकिस्तान और आईएमएफ के बीच स्टाफ लेवल एग्रीमेंट नहीं हो सका है। इसके चलते अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के 7 अरब डॉलर के लोन कार्यक्रम का तीसरा रिव्यू नाकाम हो हो गया है। इस समझौते के बाद पाकिस्तान को 1 अरब डॉलर की किश्त जारी की जानी थी, जो अब नहीं दी जाएगी।

हालांकि, आईएमएफ ने कहा है कि पाकिस्तान के साथ पॉलिसी पर बातचीत आने वाले दिनों में बातचीत जारी रहेगी, ताकि किश्त के लिए स्टाफ-लेवल के समझौते पर आम सहमति बन सके। आईएमएफ ने पाकिस्तान के बड़े राजकोषीय अंतर को लेकर चिंता जताी है। बाततीच बेनतीजा रहने के बाद आईएमएफ की मिशन प्रमुख इवा पेट्रोवा ने कहा कि हालांकि चर्चा में काफी प्रगति हुई है, लेकिन यह आने वाले दिनों में भी जारी रहेगी। पेट्रोवा ने कहा कि आईएमएफ हाल के वैश्विक घटनाक्रमों का पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी * ईएफएफ) समर्थित कार्यक्रम पर पड़ने वाले प्रभाव का पूरी तरह से आकलन करेगा।

आईएमएफ ने पाकिस्तान की किश्त ऐसे समय में रोकी है, जब ईरान युद्ध के चलते पाकिस्तान मुश्किल के सामने ऊर्जा संकट मुंह फैलाए खड़ा है। वैश्विक ऊर्जा की कीमतें बढ़ रही हैं। वहीं, होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के चलते तेल और गैस की सप्लाई भी प्रभावित हुई है। ईएफएफ के तहत 1 अरब डॉलर की चौथी किश्त और रेसिलेंस एंट सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी के लिए (RSF) के तहत 22 करोड़ डॉलर की मंजूरी के लिए स्टाफ स्तर का समझौता 11 मार्च तक हो जाना चाहिए था।

पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार को अगर आईएमएफ से लोन नहीं मिलता है तो देश में आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है। शहबाज सरकार की योजना आर्थिक विकास को तेज करने की है, लेकिन आईएमएफ ने साफ कहा है कि पाकिस्तान अभी ऊंचे आर्थिक विकास को सहन करने की हालत में नहीं है।

3 वर्षीय बच्चे की मौत, विरोध प्रदर्शन

जामताड़ा, 13 मार्च (एजेंसियां)। जामताड़ा शहर के लोगों ने सदर अस्पताल में 24 घंटे बाल रोग विशेषज्ञ की उपलब्धता की मांग को लेकर शहरवासियों ने शुक्रवार को उपायुक्त रवि आनंद से मुलाकात की और उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। यह मांग गुरुवार को एक तीन वर्षीय बच्चे की इलाज के दौरान हुई मौत के बाद उठी है।

गुरुवार को जामताड़ा शहर के शंटू साव के तीन वर्षीय पुत्र अंशु साव की इलाज के अभाव में मौत हो गई थी। इस घटना से शहरवासियों में गहरा आक्रोश है।

आक्रोशित लोगों ने जामताड़ा उपायुक्त से सदर अस्पताल में एक बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर की 24 घंटे उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की। इस संबंध में झारखंड सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार को भी ज्ञापन की प्रति भेजी गई है।

इसके बाद, शहर के लोगों ने जामताड़ा के इंदिरा चौक पर झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। और मुर्दाबाद के नारे भी लगाए।

चैत्र कृष्ण पक्ष की एकादशी कल

सुख-शांति और सफलता की कामना से किया जाता है पापमोचनी एकादशी व्रत, इस दिन कौन से शुभ काम करें

15 मार्च को चैत्र कृष्ण पक्ष की एकादशी है, इसे पापमोचनी एकादशी है। ये व्रत जाने-अनजाने में किए गए पापों के फल को खत्म करता है, ऐसी मान्यता है। भक्त घर-परिवार में सुख-शांति, प्रेम और सफलता बनाए रखने की कामना से ये व्रत करते हैं। इसी दिन मीन संक्रांति भी है। हालांकि पंचांग भेद की वजह से मीन संक्रांति 14 तारीख को भी बताई गई है। सूर्य के राशि परिवर्तन को संक्रांति कहते हैं, इस दिन सूर्य मीन राशि में प्रवेश करेगा।

एकादशी और संक्रांति के योग में भगवान विष्णु के साथ ही सूर्य देव की पूजा करने का शुभ योग बना है। इस दिनों में पूजा-पाठ के साथ ही दान-पुण्य और मंत्र जप जल्दी सफल हो सकते हैं।

पापमोचनी एकादशी का अर्थ है पाप का मोचन यानी नष्ट करने वाली एकादशी। इस एकादशी पर किए गए व्रत से भगवान विष्णु की कृपा मिलती है और भक्त की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसी दिन सूर्य के मीन राशि में आने से खरमास भी शुरू होगा। खरमास में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, जनेऊ संस्कार जैसे शुभ कामों के लिए मुहूर्त नहीं रहते हैं। इस महीने में सूर्य पूजा, विष्णु पूजा, मंत्र जप, नदी स्नान और दान-पुण्य करने की परंपरा है। जानिए इस दिन कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं...

तीर्थ स्नानः इस दिन गंगा, यमुना, नर्मदा, शिप्रा जैसी किसी भी पवित्र नदी में स्नान कर सकते हैं। माना जाता है कि सूर्य के राशि परिवर्तन के समय किया गया स्नान कुंडली के दोषों को भी दूर करता है। अगर नदी स्नान करना संभव न हो तो घर पर ही पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। स्नान करते समय पवित्र नदियों और तीर्थों का ध्यान करना चाहिए, ऐसा स्नान करने से भी तीर्थ स्नान के समान पुण्य मिल सकता है।

भगवान विष्णु और सूर्य की पूजाः इस दिन भगवान नारायण और नारायण के स्वरूप सूर्यदेव की पूजा करनी चाहिए। सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद उगते सूर्य को जल चढ़ाएं। जल चढ़ाते समय ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करना चाहिए। सूर्य पूजा के बाद घर के मंदिर में गणेश पूजन करें, इसके बाद भगवान विष्णु और महालक्ष्मी का अभिषेक करें। अभिषेक के लिए दक्षिणावर्ती शंख का इस्तेमाल करना चाहिए। शंख में केसर मिश्रित दूध भरें और फिर भगवान को अर्पित करें। इसके बाद विष्णु-लक्ष्मी को नए वस्त्र अर्पित करें। हार-फूल से श्रृंगार करें। चंदन लगाएं। पूजन सामग्री चढ़ाएं। तुलसी के साथ मिठाई का भोग लगाएं। पूजा में ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें।

दीप दान करें: संध्याकाल में घर के मंदिर में दीपक जलाएं। घर के आंगन में तुलसी के पास दीपक जलाएं।

दान-पुण्य करें: संक्रांति और एकादशी के योग में भोजन, वस्त्र, अनाज, जूते-चप्पल, धन का दान करना चाहिए।

व्रत-उपवास करेंः यदि संभव हो, तो इस दिन व्रत कर सकते हैं। व्रत करने वाले भक्त को दिनभर निराहार रहना चाहिए। अगर भूखे रहना संभव न हो, तो एक समय फलाहार कर सकते हैं, दूध और फलों के रस का सेवन भी कर सकते हैं।

श्रीमद्भागवत गीता का पाठ करें: इस दिन गीता के 11वें अध्याय का पाठ करना बहुत शुभ माना जाता है। पूरे अध्याय का पाठ नहीं कर पा रहे हैं, तो अपने समय के अनुसार गीता के कुछ पेजों का पाठ कर सकते हैं।

तामसिक भोजन का त्याग करें: इस दिन लहसुन, प्याज, मांस, मदिरा और नशीले पदार्थों का पूरी तरह त्याग करना चाहिए। एकादशी पर चावल भी नहीं खाना चाहिए। किसी की निंदा न करें। एकादशी पर तुलसी के पत्ते तोड़ने से बचना चाहिए। इस दिन पूजा में एक दिन पहले तोड़े हुए तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल करना चाहिए।

दुखी संत को गुरु की सीख

आत्मविश्वास के बिना हम किसी भी समस्या का सामना नहीं कर सकते, खुद पर भरोसा रखने से मुश्किलें आसान लगने लगती हैं

पुराने समय की बात है, एक गांव में दो संत थे। दोनों एक ही आश्रम में रहते थे और दोनों का जीवन बहुत साधारण था। संतों में से एक का नाम सुखी था और दूसरे का नाम दुखी। संत सुखी हर समय प्रसन्न और संतुष्ट रहता था। वहीं, दुखी संत हमेशा उदास और परेशान दिखता था।

गांव के लोग अपनी समस्याओं और परेशानियों के समाधान पाने के लिए दोनों संतों के पास आते थे। आश्चर्य की बात यह थी कि दोनों संत अपने ज्ञान और अनुभव से लोगों की मदद करते थे। दुखी संत के समाधान भी बहुत अच्छे और प्रभावी होते थे, लेकिन वह स्वयं अपनी समस्याओं से कभी मुक्त नहीं हो पाता था। एक दिन दुखी संत ने अपने गुरु से प्रश्न किया, "गुरु जी, लोग मेरे चेहरे के हाव-भाव देखकर मुझे 'दुखी' कहने लगे हैं। मैं भी रोज पूजा-पाठ करता हूं, सभी कार्य ईमानदारी से करता हूं, लेकिन मेरे जीवन में दुख ही दुख क्यों है? संत सुखी हमेशा खुश रहता है। उसकी तरह मैं क्यों नहीं रह सकता?"

गुरु ने मुस्कुराते हुए कहा, "तुम दोनों का जीवन और कार्य एक जैसे हैं, लेकिन फर्क तुम्हारे विचारों और दृष्टिकोण में है। संत सुखी का मन हमेशा शांत और संतुष्ट रहता है। उसे खुद पर भरोसा है और वह जानता है कि बड़ी से बड़ी समस्याओं का समाधान निकाल सकता है। इसी कारण वह खुश रहता है। जबकि तुम अपने परिणामों को लेकर हमेशा चिंतित रहते हो, कभी संतुष्ट नहीं होते और खुद पर भरोसा नहीं करते। इसलिए तुम दुखी रहते हो।"दुखी संत को यह समझ में आया कि उसका दुख केवल उसके नकारात्मक विचारों और आत्मविश्वास की कमी की वजह से है। उसने अपनी सोच बदलने का निर्णय लिया। धीरे-धीरे वह अपने मन को शांत रखना और खुद पर भरोसा करना सीख गया। कुछ समय बाद वह भी संत सुखी की तरह खुश और संतुष्ट रहने लगा।

प्रसंग की सीख

मन की शांति, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास ही जीवन की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। अगर हम अपने मन को शांत रखें और खुद पर विश्वास करें, तो बड़ी से बड़ी परेशानियों को भी हल किया जा सकता है।

सकारात्मक सोच अपनाएं

नकारात्मक विचार हमारे मन को परेशान करते हैं। हर परिस्थिति में समाधान ढूंढने की सोच रखें।

अपने ऊपर भरोसा रखें

आत्मविश्वास के बिना हम किसी भी समस्या का सामना नहीं कर सकते। खुद पर भरोसा रखने से मुश्किलें आसान लगने लगती हैं।

मन को शांत रखें

तनाव और चिंता से मानसिक शक्ति कमजोर होती है। ध्यान, योग और गहरी सांसें लेने की आदत डालें।

छोटे-छोटे लक्ष्य बनाएं

बड़े लक्ष्य डरावने लग सकते हैं। छोटे-छोटे कदम उठाएं और सफलता का आनंद लें।

समस्या का समाधान खोजें, न कि शिकायत करें दुखी संत की तरह केवल परेशानी देखने की बजाय समाधान पर ध्यान दें। यह सोच आपको सक्रिय और खुश बनाएगी।

संतोषी बनें

जो चीजें हमारे पास है, उनके साथ खुश रहना सीखें। संतोष से मन स्थिर और प्रसन्न रहता है।

नियमित दिनचर्या अपनाएं

समय पर काम करने और नियमित दिनचर्या रखने से जीवन में अनुशासन आता है, जिससे मानसिक तनाव कम होता है।

अनुचित तुलना से बचें

दूसरों से तुलना करना केवल दुख और असंतोष बढ़ाता है। अपनी प्रगति पर ध्यान दें।

धैर्य रखें

हर समस्या का समाधान तुरंत नहीं मिलता। धैर्य से काम लें और छोटे-छोटे प्रयासों से बड़ी सफलता पाएं।

सकारात्मक लोगों के साथ रहें

नकारात्मक लोग हमारी सोच को प्रभावित करते हैं। अपने आस-पास सकारात्मक और उत्साही लोगों को रखें।

सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और मन की शांति हमारे जीवन की सबसे बड़ी ताकत है। इन्हें अपनाकर हम हर कठिनाई को पार कर सकते हैं और खुशहाल जीवन जी सकते हैं।

बेंजामिन फ्रैंकलिन की इस कहानी की सीख

अमरीकी वैज्ञानिक बेंजामिन फ्रैंकलिन का शुरूआती जीवन चुनौतियों से भरा था। उन्हें हमेशा अपने भाई के ताने सुनने को मिलते थे। एक दिन अपने भाई के व्यवहार से तंग आकर उन्होंने अपना घर छोड़ दिया। वह बोस्टन से न्यूयॉर्क पहुंचे।

तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें कोई काम न मिला। आखिरकार कई जगह भटकने के बाद वह एक प्रैस में पहुंचे। वहां के कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि यहां कोई काम नहीं मिल सकता। वहां से जब वह निराश लौट रहे थे, तभी प्रैस के मालिक ने उन्हें आवाज दी और कहा, मेरी एक मशीन खराब पड़ी है, क्या तुम उसे ठीक कर सकते हो?

मशीन को देखकर फ्रैंकलिन ने कहा, मैं इसे ठीक तो कर सकता हूं, पर इसमें दिन भर लग सकता है।

मालिक ने उन्हें दिन भर की मजदूरी देने का वादा किया, लेकिन बेंजामिन ने मशीन को दोपहर से पहले ही ठीक कर दिया। प्रैस मालिक ने उन्हें पूरे दिन की मजदूरी देकर विदा करना चाहा, पर फ्रैंकलिन ने यह कहकर आधे पैसे वापस कर दिए कि मैं आधे पैसों का ही हकदार हूं क्योंकि मैंने आधे दिन की मजदूरी की है।

उनकी इस बात का प्रैस मालिक पर गहरा असर पड़ा। उसने बेंजामिन को एक और बिगड़ी मशीन ठीक करने को दी। उस मशीन को ठीक करने के साथ ही बेंजामिन ने प्रैस मालिक का दिल भी जीत लिया।

बांके बिहारी का बुलावा आने पर क्या-क्या संकेत मिलते हैं?

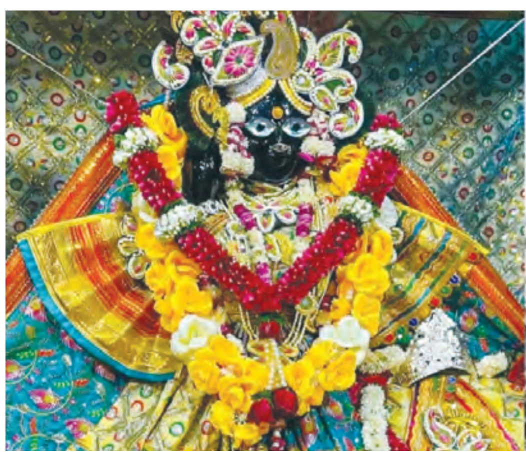

सपनों में ठाकुर जी के दर्शन होनाः धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति को बार-बार सपने में बांके बिहारी जी का मंदिर, वृंदावन या निधिवन दिखाई देता है, तो इसे शुभ संकेत माना जाता है। कई भक्त बताते हैं कि उन्हें सपने में ठाकुर जी के मुस्कुराते हुए दर्शन भी होते हैं। ऐसा माना जाता है कि यह भगवान का आशीर्वाद और बुलावे का संकेत हो सकता है।

अचानक वृंदावन वासी से मुलाकात: कई बार ऐसा भी होता है कि किसी व्यक्ति की अचानक किसी वृंदावन निवासी से मुलाकात हो जाती है। यह मुलाकात बिना किसी योजना के होती है और बातचीत में वृंदावन या बांके बिहारी जी का जिक्र होने लगता है। भक्त इसे भी भगवान के बुलावे का संकेत मानते हैं।

आप तक प्रसाद का पहुंचनाः अगर अचानक किसी के घर बांके बिहारी जी का प्रसाद पहुंच जाए या किसी के हाथों आपको प्रसाद मिल जाए, तो इसे भी शुभ संकेत माना जाता है। माना जाता है कि यह भगवान की कृपा का प्रतीक होता है और इससे वृंदावन जाने का मार्ग भी खुल सकता है।

वृंदावन जाने के लिए मन का मचलना: कभी कभी बिना किसी खास कारण के मन में बार-बार वृंदावन जाने की इच्छा जागने लगती है। व्यक्ति को लगता है कि उसे वहां जाकर ठाकुर जी के दर्शन करने चाहिए। भक्त इसे बांके बिहारी जी के बुलावे का संकेत मानते हैं।

अचानक यात्रा के योग बननाः जब बांके बिहारी जी का बुलावा आता है तो वृंदावन जाने की परिस्थितियां भी अपने आप बनने लगती हैं। जैसे अचानक टिकट मिल जाना, कोई मित्र या रिश्तेदार यात्रा का प्रस्ताव दे देना या समय का अनुकूल हो जाना। भक्तों के अनुसार यह सब भगवान की कृपा से ही संभव होता है।

एक झलक से ही मिलता है सुकून भक्तों का विश्वास है कि बांके बिहारी जी के दर्शन करने से जीवन में सुख, शांति और सकारात्मकता आती है। माना जाता है कि उनके आशीर्वाद से व्यक्ति की परेशानियां कम होती हैं और मन में भक्ति और प्रेम की भावना बढ़ती है। कई भक्त इसे आध्यात्मिक उन्नति का भी माध्यम मानते हैं।

18 मार्च से बदलेगी इन 6 राशियों की तकदीर

पंचांग अनुसार बुध का उदय 18 मार्च 2026 को होने जा रहा है और 27 अप्रैल तक ये ग्रह इसी अवस्था में रहेगा। ज्योतिष की मानें तो बुध का उदित होना 6 राशि वालों के लिए अत्यंत शुभ साबित होगा। वृषभ, मिथुन, सिंह, कन्या, तुला और कुंभ राशि वालों की किस्मत चमक जाएगी। तरक्की के रास्ते खुलेंगे। नौकरी में प्रमोशन और बिजनेस में मुनाफा होने के प्रबल योग हैं। चलिए जानते हैं इन राशियों को क्या कुछ लाभ मिलने जा रहा है।

वृषभ राशि

वृषभ राशि वालों के लिए बुध का उदय होना बेहद शुभ साबित होगा। अचानक से लाभ मिलने की संभावना है। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंध मजबूत होंगे। आपको किसी प्रोजेक्ट में बड़ी सफलता मिल सकती है। आय में वृद्धि के कुछ सुनहरे अवसर मिल सकते हैं।

मिथुन राशि

मिथुन राशि वालों के लिए भी बुध का उदय होना लाभकारी रहेगा। आर्थिक जीवन में सुधार आएगा। आप अच्छा पैसा कमाने के साथ-साथ पैसों की बचत करने में भी सफल रहेंगे। आपको हर काम में भाग्य का साथ मिलेगा। अध्यात्म के प्रति आपका झुकाव बढ़ेगा। किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आपको तरक्की के बेहतर अवसर मिलेंगे।

सिंह राशि

यह अवधि आपके पेशेवर जीवन के लिए फलदायी रहेगी। नई फील्ड में प्रवेश कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेंगे। आप समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाने में सक्षम होंगे। आपको विभिन्न स्रोतों से अप्रत्याशित धन लाभ होने के योग बनेंगे। बिजनेस में तगड़ा मुनाफा होगा।

कन्या राशि

कन्या राशि वालों के लिए बुध का गोचर फायदेमंद साबित होगा। करियर में आपको खूब तरक्की मिलेगी। नौकरी में कुछ बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं। आपकी आय में बढ़ोतरी हो सकती है। आप पैसों की बचत करने में भी सफल रहेंगे।

तुला राशि

तुला राशि वालों के लिए भी बुध का उदय होना लकी साबित होगा। करियर में खूब तरक्की मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से भी यह समय अनुकूल रहेगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश से लाभ होने की संभावना है। निवेश के लिए बेहतरीन समय है।

कुंभ राशि

कुंभ राशि वालों के लिए बुध का उदय होना काफी अनुकूल साबित होगा। करियर में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। किसी काम में बड़ी सफलता मिलेगी। पार्टनरशिप के काम में अच्छा धन कमाने में सफल रहेंगे।

युधिष्ठिर की इस कहानी से सीखें गुस्से पर काबू पाने का असली मंत्र

पांडव द्रोणाचार्य से शिक्षा ले रहे थे। एक दिन उनका पाठ था, क्रोध पर विजय। पाठ के बाद द्रोणाचार्य ने पांडवों से पूछा, "पाठ याद हो गया।"

युधिष्ठिर को छोड़ सभी ने उत्तर दिया, याद हो गया। लेकिन युधिष्ठिर बोले, "याद नहीं हुआ। द्रोणाचार्य ने पूछा, "क्या बात है, इतना सीधा सादा पाठ तुम्हें याद क्यों नहीं हुआ।"

युधिष्ठिर का उत्तर था, "नहीं हुआ।" द्रोण ने कहा, "ठीक है कल याद करके आना।" अगले दिन द्रोणाचार्य ने पूछा, "याद हो गया।" युधिष्ठिर का उत्तर था, "नहीं हुआ।" क्रोधित आचार्य द्रोण बोले, '"तुम्हारे दिमाग में बुद्धि है या भूसा।"

युधिष्ठिर ने कहा, "क्षमा करें गुरुदेव, पर मैं आज भी नहीं कह सकता कि मुझे पाठ याद हो गया है।"

आचार्य द्रोण ने नाराज होकर कहा,"तुमने दो दिन बर्बाद कर दिए। अब अगर पाठ याद नहीं हुआ तो तुम्हें दंडित होना पड़ेगा।"

तीसरे दिन भी युधिष्ठिर ने हां में जवाब नहीं दिया। तब द्रोणाचार्य ने युधिष्ठिर के गाल पर एक चांटा मारा। युधिष्ठिर कुछ देर चुपचाप खड़े रहे, फिर अचानक बोले, "पाठ याद हो गया।"

आचार्य द्रोण बोले, "मुझे पता होता कि चांटा खाकर पाठ याद होगा तो पहले ही दिन तुम्हें चांटा खिला देता।"

विनम्र स्वर में युधिष्ठिर ने कहा, "गुरुदेव, ऐसी बात नहीं थी, मुझे अपने पर भरोसा नहीं था। आपने प्रेम से पाठ पढ़ाया तो मेरे मन ने कहा कि कोई प्यार से बात करे तो क्रोध का सवाल ही नहीं उठता। हो सकता है तीखी भाषा में बोले तो क्रोध आ जाए। अगले दिन जब आपने मेरे दिमाग की बात की, तब भी मुझे क्रोध नहीं आया।

लेकिन मेरे मन ने कहा अभी एक और परीक्षा बाकी है, कोई बल प्रयोग करे तो क्रोध आ जाए। आज आपने जब चांटा मारा फिर भी मुझे क्रोध नहीं आया। तब मैं समझा कि मुझे पाठ याद हो गया।" आचार्य द्रोण ने युधिष्ठिर को गले लगा लिया।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 14 मार्च - 2026

तेल-गैस आपूर्ति पर संकट

दुनिया इस समय तेल-गैस आपूर्ति के एक बड़े संकट के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और समुद्री मार्गों पर असुरक्षा ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को बुरी तरह प्रभावित किया है। ऐसे समय में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाले देश भारत के लिए तेल-गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है। हालांकि, भारत सरकार और विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्वारा कूटनीतिक स्तर पर किए जा रहे प्रयास संकेत देते हैं कि देश इस चुनौती से निपटने के लिए कितना सक्रिय और सतर्क है? भारत अपनी जरूरत का लगभग 80 प्रतिशत से अधिक तेल-गैस आयात करता है। यही कारण है कि वैश्विक बाजार की हलचल सीधे भारत की अर्थव्यवस्था पर असर डालती है। जब पश्चिम एशिया में युद्ध जैसी स्थिति बनती है या समुद्री मार्ग असुरक्षित हो जाते हैं, तो इसका पहला प्रभाव तेल की आपूर्ति और कीमतों पर पड़ता है। आज भारत के सामने भी यही चिंता खड़ी है। दुश्मनी और अस्थिरता के माहौल के बीच एक तेल से भरा टैंकर गुरुवार को सुरक्षित रूप से मुंबई पहुंचा। यह टैंकर सऊदी अरब से कच्चा तेल लेकर आया था और इसका कप्तान एक भारतीय था। लगभग 1,35,000 मीट्रिक टन कच्चा तेल लेकर आए, इस जहाज का सुरक्षित पहुंचना साधारण घटना नहीं है। हालांकि, यह भी सच है कि इस तरह के जोखिम को सामान्य नहीं माना जा सकता। ऊर्जा आपूर्ति की व्यवस्था को स्थायी और सुरक्षित बनाना सरकार की जिम्मेदारी है। भारत के लिए तेल-गैस की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करना आसान काम नहीं है। उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे बड़े राज्यों की आबादी मिलाकर लगभग 37 करोड़ लोगों की जरूरतों की कल्पना की जाए तो समझा जा सकता है कि ऊर्जा आपूर्ति का प्रबंधन कितना जटिल है। यही कारण है कि भारत को अपनी कूटनीति को और अधिक सक्रिय बनाना पड़ रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर लगातार विभिन्न देशों से बातचीत कर रहे हैं ताकि भारत आने वाले तेल जहाजों को सुरक्षित मार्ग मिल सके। खासतौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे संवेदनशील समुद्री मार्गों में सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। इन मार्गों से गुजरने वाले जहाजों की संख्या में कमी आई है और कई जहाज रास्ता बदलने को मजबूर हो रहे हैं। ऐसे में भारत की सक्रिय कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत को अपनी आंतरिक ऊर्जा व्यवस्था को भी मजबूत करना होगा। कई बार देखा गया है कि किसी भी वस्तु की थोड़ी कमी भी बाजार में अफरातफरी पैदा कर देती है। जमाखोरी और कालाबाजारी की समस्या भारत के आर्थिक इतिहास का हिस्सा रही है। यदि तेल-गैस की आपूर्ति में थोड़ी भी कमी आती है तो इसका सीधा असर बाजार में कीमतों और उपलब्धता पर दिखाई देने लगता है। इसलिए, सरकार के सामने जहां एक ओर उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करनी है, वहीं दूसरी ओर देश के भीतर वितरण और प्रबंधन को भी मजबूत बनाना है। पारदर्शी व्यवस्था, सख्त निगरानी और प्रभावी आपूर्ति तंत्र ही इस संकट से निपटने का स्थायी समाधान होगा। स्पष्ट है कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक सवाल नहीं है, बल्कि यह रणनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ विषय है। ऐसे समय में भारत को संतुलित कूटनीति, मजबूत प्रबंधन और दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। चुनौतियां बड़ी हैं, लेकिन यदि सरकार की कोशिशें इसी तरह जारी रहती हैं तो भारत इस संकट को अवसर में बदलने की क्षमता भी रखता है।

क्लाइमेट चेंज : मार्च महीने में ही गर्मी का पारा 40 के पार

स्नेहा सिंह

इस बार भारत में गर्मी की शुरुआत ही बेहद तेज हुई है। अभी मार्च के केवल दस-बारह दिन ही हुए हैं और तापमान 40 डिग्री के पार पहुंचने लगा है। उत्तर-पश्चिमी राज्यों में शहरों के औसत तापमान में अचानक 10 से 15 प्रतिशत तक वृद्धि देखी गई है। हाल ही में मुंबई और दिल्ली में तापमान 40 डिग्री तक पहुंच गया। वहीं गुजरात के कई शहरों में तापमान 39-40 डिग्री के आसपास बना हुआ है। राजस्थान में अभी से 40 डिग्री की गर्मी महसूस की जा रही है। इसके अलावा गोवा और मध्य प्रदेश में भी भीषण गर्मी पड़ रही है। पिछले सप्ताह दिल्ली में रात का तापमान 36 डिग्री दर्ज किया गया, जो पिछले 50 वर्षों में सबसे अधिक था। तापमान बढ़ने के पीछे कई कारण हैं, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार सबसे बड़ा कारण ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज है। विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में पृथ्वी पर प्रदूषण का स्तर अत्यधिक बढ़ गया है, जिसके कारण ग्लोबल वार्मिंग की स्थिति उत्पन्न हुई है। दुनिया भर के देशों में क्लाइमेट चेंज के प्रभाव दिखाई दे रहे हैं और कई देशों के मौसम चक्र में बड़े बदलाव आ रहे हैं। इस बार कई देशों में सर्दी ठीक से पड़ी ही नहीं और अपेक्षित बर्फबारी भी नहीं हुई। वहीं अमेरिका और रूस जैसे देशों में सर्दी के अंत में भारी बर्फीले तूफान आए और कई स्थानों पर 10 से 15 फुट तक बर्फ जम गई। पोलर वॉर्टेक्स की स्थिति भी गंभीर हो गई थी। मूल रूप से मानव द्वारा किए गए प्रदूषण के कारण प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है। मौसम चक्र प्रभावित हो रहा है, जिससे ऋतुएं कभी लंबी तो कभी छोटी हो रही हैं। कई बार मिश्रित मौसम का भी अनुभव हो रहा है। मार्च में ही भारत में इतनी तेज गर्मी पड़ना इसी का परिणाम माना जा रहा है। देश के तापमान की बात करें तो मार्च के पहले सप्ताह में ही दिल्ली का तापमान 35 डिग्री के पार पहुंच गया था। इसी तरह गुजरात और महाराष्ट्र के कई शहरों में तापमान 35 डिग्री से अधिक रहा और कुछ दिनों में 39 डिग्री तक पहुंच गया। राजस्थान के बाड़मेर में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया। जयपुर और जोधपुर में 38-39 डिग्री तक गर्मी दर्ज की गई। मध्य प्रदेश के रतलाम में 39 डिग्री और भोपाल में 37 डिग्री तापमान रहा। पिछले सप्ताह अहमदाबाद, राजकोट, डीसा, कांडला और भावनगर में भी तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया। कच्छ के कांडला क्षेत्र में तो तापमान 41 डिग्री से अधिक हो गया था। महाराष्ट्र के जलगांव में 40 डिग्री, मुंबई में 36 डिग्री और पुणे में 38 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार मार्च में ही इतनी गर्मी बढ़ने के तीन मुख्य कारण हैं। पहला कारण यह है कि इस समय कोई भी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय नहीं है। सामान्यतः भूमध्य सागर क्षेत्र से उठने वाली चक्रवाती हवाएं नमी लेकर खाड़ी देशों से होते हुए काला सागर और कैस्पियन सागर के रास्ते भारत तक पहुंचती हैं, जिन्हें वेस्टर्न डिस्टर्बेंस कहा जाता है। इस बार यह प्रणाली सक्रिय नहीं हुई। फिलहाल ईरान के ऊपर एक प्रणाली सक्रिय है, जो अफगानिस्तान और पाकिस्तान तक पहुंच सकती है, लेकिन भारत तक पहुंचने की संभावना कम है। आमतौर पर वेस्टर्न डिस्टर्बेंस नवंबर से शुरू हो जाते हैं और जनवरी के अंत तथा फरवरी में अधिक सक्रिय रहते हैं। लेकिन इस बार फरवरी में ही अत्यधिक गर्मी रही और उसने पिछले 125 वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस बार सर्दी का मौसम लगभग महसूस ही नहीं हुआ। जब ये पश्चिमी हवाएं भारत तक पहुंचती हैं तो हिमालय से टकराकर उत्तर भारत में बारिश और बर्फबारी कराती हैं, जिससे मैदानों में तापमान घटता है। लेकिन इस बार नवंबर, 2025 से कोई वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय नहीं हुआ, इसलिए ठंडक टिक नहीं पाई। दूसरा कारण यह है कि इस समय पश्चिमी दिशा से सीधे शुष्क हवाएं चल रही हैं। हवा में नमी लगभग नहीं के बराबर है, इसलिए बादल बनने या बारिश होने की संभावना नहीं है। आकाश साफ रहने के कारण सूर्य की किरणें सीधे धरती पर पड़ रही हैं, जिससे तापमान तेजी से बढ़ रहा है। तीसरा कारण यह है कि गुजरात और राजस्थान के पश्चिमी हिस्सों तथा गुजरात के तटीय क्षेत्रों में एंटी-साइक्लोन प्रणाली सक्रिय हो गई है। यह प्रणाली चक्रवात के विपरीत होती है, जिससे बादल और बारिश नहीं बनते। हवा की गति कम हो जाती है और वातावरण अधिक शुष्क हो जाता है, जिससे गर्मी लगातार बढ़ती रहती है। चिंताजनक बात यह है कि अभी मार्च का आधा महीना भी पूरा नहीं हुआ और मौसम विभाग ने कई क्षेत्रों में ऑरेंज अलर्ट और रेड अलर्ट जारी कर दिए हैं। आने वाले दिनों में गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश में तापमान 42 डिग्री से भी अधिक पहुंचने की संभावना है। दिन और रात के तापमान में भी 6 से 7 डिग्री का अंतर हो सकता है, जिससे गंभीर हीटवेव की स्थिति बन सकती है। कर्नाटक और केरल में भी हीटवेव की चेतावनी दी गई है। गर्मी का असर कृषि पर भी पड़ सकता है।

पंजाब और हरियाणा में गेहूं की फसल को नुकसान होने की आशंका है। अत्यधिक गर्मी के कारण गेहूं के दाने छोटे और हल्के हो सकते हैं, जिससे उत्पादन प्रभावित हो सकता है। मौसम विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि 2026 में भारत में गर्मी काफी तीव्र रहेगी। मार्च के मध्य से मई के अंत तक हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है और ऐसे दिनों की संख्या भी अधिक होगी।

ममता आर पार की लड़ाई के मूड में !

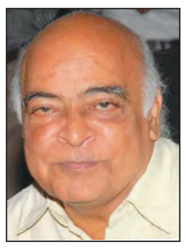

अशोक भाटिया

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल ही में जिस तरह पांच दिनों तक धरना देकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ नौटंकी की। उसको अंततः बिना किसी ठोस परिणाम के ही समाप्त होना था और वही हुआ। यह धरना केवल एक राजनीतिक स्टंट भर नहीं था, बल्कि इसने राज्य की तृणमूल सरकार को भी सवालों के कठघरे में ला दिया है। पांच दिन तक चले इस धरने को तृणमूल कांग्रेस ने अचानक खत्म कर दिया तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे राजनीतिक नौटंकी करार दिया है। सवाल यह भी उठता है कि SIR को लेकर दिए इस धरने को बिना किसी परिणाम के ही खत्म करना था, तो फिर इतने दिन यह प्रपंच क्यों किया गया? दरअसल, ममता बनर्जी की अनावश्यक अड़ंगेबाजी के चलते लगातार हो रही देरी और राज्य सरकार तथा चुनाव आयोग के बीच टकराव ने एक नई बहस को जन्म दिया है। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी तेज हो गई है कि यदि समय पर मतदाता सूची को अंतिम रूप नहीं दिया गया, तो विधानसभा चुनाव कराने में कठिनाई हो सकती है। ऐसी स्थिति में संविधान के प्रावधानों के तहत राष्ट्रपति शासन की संभावना को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि यह अभी केवल राजनीतिक चर्चा का विषय है, लेकिन इससे राज्य की राजनीति में अस्थिरता की झलक जरूर मिलती है।

इस सब के बावजूद ममता चुप नहीं हो रही है । ताजा समाचारों के अनुसार भारत के इतिहास में यह पहली बार देखने को मिल रहा है, जब मुख्य निर्वाचन अधिकारी ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी हो रही है। विपक्ष ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है, मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ महाभियोग नोटिस पर 193 सांसदों के साइन हो चुके हैं। संसद के किसी एक सदन में आज विपक्ष नोटिस दे सकता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ये प्रस्ताव लेकर आ रही हैं, जिसका कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी पार्टियां समर्थन कर रही हैं। आखिर, ममता बनर्जी क्यों मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ महाभियोग नोटिस ला रही हैं?

दरअसल, पश्चिम बंगाल की राजनीति पिछले डेढ़ दशक से केवल सत्ता परिवर्तन या चुनावी संघर्ष की कहानी नहीं रही है। 2011 में ममता बनर्जी के सत्ता में आने के बाद राज्य की राजनीति एक ऐसे दौर में दाख़िल हुई, जहां राज्य सरकार, राज्यपाल, न्यायपालिका और केंद्र सभी के बीच संबंध अक्सर तनावपूर्ण रहे। इसी कारण ममता बनर्जी के शासनकाल में कई बार ऐसा माहौल बना जब यह प्रश्न राष्ट्रीय बहस का हिस्सा बना कि क्या पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है? हालांकि अब तक यह आशंका कभी वास्तविकता में नहीं बदली, लेकिन इसके पीछे की परिस्थितियां और टकराव बंगाल की समकालीन राजनीति को समझने के लिए अहम हैं।

फ़िलहाल पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तृणमूल कांग्रेस की राजनीतिक सलाहकार आई-पैक के कोलकाता कार्यालय पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के छापे की कड़ी निंदा की। ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा तृणमूल कांग्रेस के आईटी सेल के प्रमुख और तृणमूल कांग्रेस के आईटी सेल के प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर छापा मारकर उनकी पार्टी के आंतरिक डेटा को जब्त करने की कोशिश कर रही है। जब ईडी ने कार्यालय पर छापा मारा तो ममता नाराज हो गईं। यह संभवतः पहली बार है जब किसी मुख्यमंत्री ने ईडी के छापे के विरोध में व्यक्तिगत रूप से किसी सलाहकार निकाय के कार्यालय का दौरा किया है। पार्टी के सांसदों ने दिल्ली में भी विरोध प्रदर्शन किया। अधिकारियों को इन आरोपों के खिलाफ विरोध करने का अधिकार होना चाहिए कि जांच तंत्र निष्पक्ष नहीं है; ईडी ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार को भी नोटिस जारी किया था, जिन्होंने उन्हें बिना किसी आक्रामकता के ईडी कार्यालय में आने की चुनौती दी थी।रॉबर्ट वाड्रा से ईडी कई बार पूछताछ कर चुकी है। उन्हें घंटों बैठाया गया; लेकिन उनमें से किसी ने भी आक्रामक तरीके से काम नहीं किया। इस पृष्ठभूमि में, यह ममता ही हैं जो सत्ता में होने के बाद भी मार्च निकालती हैं, जिसे तात्कालिकता की राजनीति कहा जाता है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति पर एक नज़र डालने से पता चलता है कि कांग्रेस पिछले पचास वर्षों में पहले की तरह सत्ता में नहीं आई है; लेकिन वामपंथियों ने कांग्रेस को सत्ता से छीन लिया और ममता ने वाम की सत्ता को चकनाचूर कर दिया। पिछले 15 वर्षों में, कांग्रेस और वाम कमजोर हो गए हैं और उनकी जगह भाजपा ने ले ली है। कांग्रेस अब शून्य पर है और 34 वर्षों तक शासन करने वाला वाम मोर्चा पिछले विधानसभा चुनावों में एक भी सीट नहीं जीत सका। इसके विपरीत, भाजपा 41 प्रतिशत वोट और 77 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी, हालांकि 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा की संख्या 2019 की तुलना में कम थी। हालांकि, उनके 39 प्रतिशत वोट शेयर और 12 सीटें दर्शाती हैं कि उनके पास राज्य में तृणमूल कांग्रेस का एक मजबूत विकल्प है। ममता को शुरू में पश्चिम बंगाल में मुस्लिम वोट का समर्थन मिला था, जिसमें 29 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता हैं।

ममता यह जानते हुए कि वह अकेले मुस्लिम वोटों के आधार पर नहीं चुनी जा सकती हैं, उन्होंने हिंदू वोट के लिए तुष्टिकरण की राजनीति का सहारा लिया। इस साल के विधानसभा चुनाव में सरकार बनाने के भाजपा के दावे को अतिशयोक्ति के रूप में खारिज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 2021 का चुनाव उसी आत्मविश्वास के साथ लड़ा था, जो तृणमूल कांग्रेस से पीछे रह गया था। पश्चिम बंगाल में 2021 की तुलना में राजनीतिक माहौल काफी बदल गया है। पड़ोसी बांग्लादेश की घटनाओं ने पूरे देश को प्रभावित किया। प्रभावित। पश्चिम बंगाल में लगभग 29 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता तृणमूल कांग्रेस की ताकत हैं और भाजपा विरोधी, वामपंथी मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा तृणमूल कांग्रेस की ताकत है। सत्ता परिवर्तन तभी संभव है जब मुस्लिम वोट बैंक को झटका लगे या भाजपा के पक्ष में हिंदू वोट का व्यापक ध्रुवीकरण हो। पिछले कुछ वर्षों में, वाम मोर्चे और बाद में ममता बनर्जी सरकार के दौरान बांग्लादेश से घुसपैठ पश्चिम बंगाल के बाहर के घुसपैठियों के 24 परगना क्षेत्रों में वितरित आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र की घुसपैठ में पाई गई है यह साबित हो चुका है। हाल ही में शाह ने कहा था कि पश्चिम बंगाल के चारों ओर घेराबंदी की जाएगी ताकि कोई घुसपैठिया अंदर न आ सके। सवाल यह है कि पिछले दस सालों में किसने उनके हाथ बांधे थे। लेकिन शाह घुसपैठियों को रोकने की कोशिश करने के बजाय सीमा पर बाड़ लगाने में ममता को चित्रित करने में अधिक रुचि रखते हैं। मुस्लिम वोटों को मजबूत करने की कोशिश में, ममता वही कदम उठाती दिख रही हैं जिनका वह वामपंथी शासन के दौरान विरोध करती थीं। विशेष रूप से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा और बांग्लादेश में बढ़ते चरमपंथ ने हिंदू मतदाताओं को पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर दिया है। इस पृष्ठभूमि में हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखी। हर शुक्रवार को वहां सामूहिक सभा और भारी मात्रा में धन की आमद ने हिंदू मतदाताओं के बीच पुनर्विचार की भावना पैदा की है। दूसरी ओर, ममता मुस्लिम वोटों के विभाजन का शिकार होंगी। पिछले विधानसभा चुनाव में ममता ने खुद को धर्मनिष्ठ हिंदू के रूप में पेश करने के लिए मंच से चंडी मठ का पाठ किया था। इस बार भी ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि वह चुनाव से पहले सिलीगुड़ी में दुर्गा आंगन और महाकाल मंदिर निर्माण की घोषणा करेंगी।इसलिए आंशिक ध्रुवीकरण की रणनीति ममता बनर्जी द्वारा अपनाई जा रही है। ममता सरकार के दौरान सामने आए राज्य प्रायोजित भ्रष्टाचार के मामले, विपक्ष का दमन, आरजी कार मेडिकल कॉलेज से लेकर संदेशखली तक महिलाओं के शोषण के आरोप, मुस्लिम कट्टरवाद को बढ़ावा देना, बेरोजगारी, पलायन और धीमी ग्रोथ ये सभी मुद्दे तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ जा रहे हैं। नतीजतन, भाजपा इस बार उन्हें चुनौती देने के लिए तैयार नज़र आ रही है। इसके साथ ही ममता बनर्जी के शासनकाल में राष्ट्रपति शासन की आशंका बार-बार इसलिए उभरती है। पश्चिम बंगाल की राजनीति आज सत्ता और विपक्ष के संघर्ष से आगे बढ़कर संवैधानिक संस्थाओं के बीच संतुलन की परीक्षा बन चुकी है। ममता बनर्जी का शासन विवादों, टकरावों और आरोपों से घिरा रहा। फिर भी, ममता बनर्जी को मिला प्रचंड जनादेश मिला। और खास बात यह की इतनी टकराव के बाद भी अभी तक ममता बनर्जी के शासनकाल में पश्चिम बंगाल में एक बार भी राष्ट्रपति शासन नहीं लगा। हालिया विवाद में भी यही लग रहा कि बंगाल में राष्ट्रपति शासन सिर्फ एक राजनीतिक आशंका भर है। राष्ट्रपति शासन लगाने का निर्णय शायद ही हो पाए।

इच्छा मृत्यु से जीवन के अंत का फैसला

मनोज कुमार अग्रवाल

यूं तो देश की अदालतें हर साल तकरीबन सौ से अधिक मुलजिमों को फांसी की सजा सुनाती हैं तब न्याय की कुर्सी पर बैठे किसी जज को कोई ग्लानि या अफसोस नहीं होता है लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक ऐसा फैसला दिया जिसे लिखते हुए उनकी आंखें सजल हो गईं क्यों कि यह फैसला एक जीवन से जंग लड़ रहे इंसान को कष्ट मुक्ति के लिए मौत की ओर सहयोग करने का है।

आपको बता दें कि शीर्ष अदालत ने एक अभूतपूर्व फैसले में इच्छामृत्यु को मंजूरी दी है। अदालत ने 32 साल के हरीश राणा के लिए इच्छामृत्यु की इजाजत दी। सुप्रीम कोर्ट में जब जस्टिस जे. बी. पारदीवाला यह फैसला सुना रहे थे तो इस दौरान वे बेहद भावुक हो गए और उनकी आंखें नम हो गई थी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने हरीश राणा के माता-पिता को उनकी जीवनरक्षक चिकित्सा हटाने की इजाजत दे दी है। हरीश राणा पिछले 13 साल से लगातार वेजिटेटिव स्टेट यानी कोमा में हैं। अपना फैसला पढ़ते समय जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि हरीश राणा कभी एक होनहार छात्र थे और अपनी पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन एक दुर्घटना ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि ऐसे मामलों में मुख्य सवाल यह नहीं होता कि मरीज के लिए मौत बेहतर है या नहीं, बल्कि यह देखा जाना चाहिए कि जीवन को बनाए रखने वाला इलाज मरीज के हित में है या नहीं। अदालत ने कहा कि हरीश राणा में सिर्फ सोने जागने के चक्र में फंसे हुए हैं, लेकिन वह किसी भी तरह की अर्थपूर्ण प्रतिक्रिया नहीं दे पा रहे हैं। वह अपने दैनिक कामों के लिए पूरी तरह दूसरों पर निर्भर हैं। अदालत ने यह भी बताया कि हरीश को पीईजी ट्यूब के जरिए क्लिनिकली एडमिनिस्टरड न्यूट्रिशन दिया जा रहा है और इतने सालों में उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ है।

जब एक इंसान का जीवन इतना कष्ट मय और लाइलाज हो जाए कि मौजूदा तमाम मेडिकल उपचार अनुपयोगी हो जाए और क्षण क्षण तड़प रही जिंदगी को कष्ट से बचाने का कोई उपाय न रहे तब जीवन से मुक्ति के लिए मौत ही एक मात्र विकल्प रह जाता है मौजूदा घटनाक्रम के अनुसार 20 अगस्त 2013 को हरीश राणा अपने छात्रावास की चौथी मंजिल से गिर गए थे। उनके सिर में गहरी चोट लगी और लंबे इलाज के बावजूद वे कोमा से निकल नहीं पाए हैं। उनकी स्थिति को देखते हुए उनके अभिभावकों ने ही इच्छामृत्यु की प्रार्थना की थी। जिस पर दिसंबर 2025 की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा की निष्क्रिय इच्छामृत्यु की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया था। तब भी अदालत ने कहा था कि हरीश पिछले 13 वर्षों से गंभीर स्थिति में हैं, और उन्हें इस हालत में जीने नहीं दिया जा सकता। हरीश राणा को ट्यूब के जरिए पोषण पहुंचाकर जिंदा तो रखा गया, लेकिन वे किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दे पा रहे थे और लगातार बिस्तर पर होने के कारण उनकी शारीरिक अवस्था भी सही नहीं थी। उनकी चिकित्सा रिपोर्टर्स में इन सारी तकलीफों का विस्तार से वर्णन किया गया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने नई दिल्ली में एम्स के चिकित्सकों के द्वितीय चिकित्सा बोर्ड द्वारा दाखिल की गई राणा की चिकित्सा संबंधी रिपोर्ट का अवलोकन किया था और कहा था कि यह रिपोर्ट' दुखद' है।

प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड ने मरीज की स्थिति की जांच करने के बाद कहा था कि उसके ठीक होने की संभावना नगण्य है। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल 11 दिसंबर को मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार यह व्यक्ति' बेहद दयनीय स्थिति' में है। पीठ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को राणा को उपशामक देखभाल इकाई में भर्ती करने का निर्देश दिया है ताकि चिकित्सकीय उपचार बंद किया जा सके। पीठ ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उपचार को एक सुनियोजित तरीके से बंद किया जाए ताकि गरिमा बनी रहे।

आमतौर पर यही कहा जाता है कि जब आप किसी व्यक्ति को जीवन दे नहीं सकते, तो जीवन लेने का हक भी आपको नहीं है। कई देशों में इसी आधार पर मृत्युदंड पर भी बहस छिड़ी रहती है, क्योंकि एक बार सांसों की डोर टूट गई, तो फिर उसे जोड़ने का कोई उपाय नहीं है। लेकिन अगर व्यक्ति जिंदा होकर भी किसी मृतप्राय व्यक्ति की तरह हो जाए, जिसके लिए कोई इलाज कारगर न साबित हो, जो असहनीय तकलीफों से गुजरे तो क्या उसे इच्छामृत्यु की इजाजत दी जा सकती है। तब क्या इसे हत्या या आत्महत्या या मृत्युदंड से अलग न्यायोचित ठहराया जा सकता है। ऐसे कई सवाल इच्छामृत्यु के फैसले पर उठते रहे हैं।

बुधवार को आए इस फैसले के बाद सम्मानजनक मृत्यु के अधिकार यानी 'राइट टू डाई विद डिग्निटी' जैसे अहम सवाल पर नयी चर्चा शुरु हो सकती है। दरअसल भारत में ऐसा ही एक मामला 1973 में आया था, जब मुंबई के केईएम अस्पताल के वार्डबॉय सोहनलाल वाल्मीकि ने नर्स अरुणा शानबाग के साथ बेरहमी से यौन उत्पीड़न किया और गला दबाया था, जिससे वे स्थायी रूप से कोमा में चली गई थी। उनके माता-पिता नहीं थे और इस घटना के बाद परिजनों ने भी उनका त्याग कर दिया था। मगर अस्पताल की साथी नर्सों ने उन्हें कोमा में होने के बावजूद जीवित रखने की पूरी कोशिश की। 2009 में पत्रकार पिंकी विरानी ने उनकी दर्दनाक हालत को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय में इच्छा मृत्यु की याचिका दायर की थी, अदालत ने 7 मार्च 2011 को याचिका खारिज कर दी थी, क्योंकि उनका इलाज करने वाली नसें और डॉक्टर उन्हें जीवित रखने के लिए प्रतिबद्ध थे। हालांकि, कोर्ट ने 'पैसिव यूथेनेशिया' लाइफ सपोर्ट हटाना को अनुमति दी, जिसमें कहा गया कि जब तक मरीज की हालत सुधरने की उम्मीद न हो, तब तक यह लिया जा सकता है। इसके बाद 18 मई 2015 को निमोनिया के कारण अरुणा शानबाग का निधन हो गया। हालांकि 42 वर्ष तक कोमा में रहने का कष्ट उन्होंने सहा है।

इस मामले ने भारत में 'गरिमापूर्ण मृत्यु से संबद्ध कानून की एक नई पहल हुई है अरुणा शानबाग मामले के बाद इच्छामृत्यु पर स्पष्ट कानून की जरूरत महसूस की जाने लगी। इसी मुद्दे को लेकर कॉमन कॉज़ नाम के एनजीओ ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 9 मार्च 2018 को ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कॉमन कॉज बनाम यूनियन ऑफ इंडिया (2018) सुप्रीम कोर्ट का एक ऐतिहासिक फैसला था, जिसने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमापूर्ण मृत्यु के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी।

इसके अलावा अदालत ने लिविंग विल का अधिकार दिया। इसका मतलब है कि कोई व्यक्ति पहले से लिखकर यह तय कर सकता है कि अगर वह भविष्य में ऐसी स्थिति में पहुंच जाए जहां वह खुद निर्णय लेने की स्थिति में न हो, तो उसे कृत्रिम लाइफ सपोर्ट पर न रखा जाए। हालांकि, कॉमन कॉज़ मामले में निष्क्रिय इच्छामृत्यु कब लागू की जा सकती है, इस पर दिशा-निर्देशों को पूरी तरह से निर्धारित और स्पष्ट नहीं किया जा सका। मगर अब हरीश राणा के मामले में इस फैसले को आधार माना गया है।उस परिवार और माता-पिता की पीड़ा को समझना कितना दुखद है जो एक दुखद अनहोनी के बाद अपनी ही युवा संतान के लिए मौत की भीख मांगने के लिए मजबूर हुए हैं ईश्वर ऐसी वारदातों की पुनरावृत्ति न हो।

सत्ता बनाम सेवा और समर्पण

संजीव ठाकुर

वर्तमान समय में राष्ट्रवाद अपने सबसे जटिल, विरोधाभासी और बहुअर्थी दौर से गुजर रहा है, यह वह राष्ट्रवाद नहीं रह गया है जो स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान त्याग, नैतिक साहस, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक समरसता का प्रतीक था, बल्कि यह एक ऐसा राष्ट्रवाद बनता जा रहा है जिसे बार-बार सत्ता की भाषा में परिभाषित किया जा रहा है, आज राष्ट्र सरकार का पर्याय बनने की ओर अग्रसर है और सरकार की आलोचना को राष्ट्रविरोध के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, यही वह बिंदु है जहाँ राष्ट्रवाद अपनी आत्मा खोने लगता है और लोकतंत्र अपने आधार, आज जब चुनावी सभाओं, टीवी स्टूडियो और सोशल मीडिया मंचों पर राष्ट्रवाद को धर्म, जाति, सैन्य शक्ति और भावनात्मक उन्माद के साथ जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है, तब यह प्रश्न अनिवार्य हो जाता है कि क्या राष्ट्र प्रेम का अर्थ केवल सत्ता के समर्थन तक सीमित रह गया है, हाल के वर्षों में यह स्पष्ट रूप से देखा गया है कि आतंकी घटनाओं, सीमा विवादों, सैन्य अभियानों और ऐतिहासिक स्मृतियों का चयनित उपयोग कर भावनात्मक ध्रुवीकरण को तेज किया गया है, असहमति को राष्ट्रद्रोह, प्रश्न को साजिश और आलोचना को देश के खिलाफ खड़े होने का प्रमाण बताया गया है, यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकतंत्रों के भीतर उभरते अति राष्ट्रवाद का साझा संकट है, अमेरिका में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अविश्वास, रूस में सत्ता केंद्रित राष्ट्रवाद, चीन में सर्वव्यापी राज्य और एशिया व अफ्रीका में सैन्य प्रभुत्व की राजनीति यह संकेत देती है कि राष्ट्रवाद अब नागरिकों को सशक्त करने के बजाय उन्हें नियंत्रित करने का माध्यम बनता जा रहा है, भारत जैसे विविधता से भरे समाज में यह परिवर्तन और भी खतरनाक है क्योंकि यहाँ राष्ट्र का अर्थ बहुलता, सहअस्तित्व और संवैधानिक संतुलन से जुड़ा रहा है, किंतु वर्तमान राजनीतिक विमर्श में बहुलता को कमजोरी और असहमति को बाधा के रूप में चित्रित किया जा रहा है, सत्ता की निरंतरता के लिए जातिगत समीकरणों का सूक्ष्म लेकिन आक्रामक उपयोग, धार्मिक पहचान का राजनीतिकरण और लोकलुभावन योजनाओं की होड़ लोकतंत्र को तात्कालिक लाभ की राजनीति में कैद कर रही है, मुफ्त उपहार, नकद हस्तांतरण और प्रतीकात्मक घोषणाएँ जनता को क्षणिक संतोष तो देती हैं लेकिन दीर्घकालिक आर्थिक अनुशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्थागत सुधार जैसे मूल प्रश्नों को हाशिए पर धकेल देती हैं, लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन को कमजोरी नहीं बल्कि शक्ति माना जाता है, किंतु आज सत्ता को स्थायित्व और राष्ट्रहित को सत्ता की निरंतरता से जोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है, इससे अधिनायकवादी प्रवृत्तियों को वैधता मिलने लगती है, हाल के वर्षों में दलबदल की बढ़ती घटनाएँ, विचारधारा से अधिक सत्ता की प्राथमिकता और राजनीतिक दलों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का क्षरण यह दर्शाता है कि राजनीति सिद्धांत से नहीं बल्कि अवसर से संचालित हो रही है, जातिवादी मतदान और पहचान आधारित ध्रुवीकरण के कारण खाप पंचायतों जैसी समानांतर सत्ता संरचनाएँ पुनः सामाजिक स्वीकृति पाने लगी हैं, जो संवैधानिक लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है, धार्मिक स्वतंत्रता और समानता के संवैधानिक आदर्शों के बावजूद धार्मिक आस्थाओं के नाम पर नीतिगत हस्तक्षेप और व्यक्तिगत जीवनशैली पर नियंत्रण यह प्रश्न उठाता है कि राष्ट्रवाद कहीं नागरिक स्वतंत्रताओं का शत्रु तो नहीं बनता जा रहा, पशु व्यापार, भोजन की पसंद और सांस्कृतिक व्यवहार जैसे विषय जब राज्य के नियंत्रण का विषय बनते हैं तब लोकतंत्र का स्वरूप धीरे-धीरे नैतिक निगरानी में बदलने लगता है, अति राष्ट्रवाद का सबसे खतरनाक पक्ष यह है कि वह भय पैदा करता है, भय बाहरी शत्रु का, भय आंतरिक दुश्मन का और भय असहमति का, और भय जब राजनीति का आधार बनता है तब लोकतंत्र केवल चुनावी औपचारिकता बनकर रह जाता है, इतिहास साक्षी है कि बीसवीं सदी में जर्मनी, इटली और स्पेन में इसी भय आधारित राष्ट्रवाद ने फासीवाद को जन्म दिया, एशिया में पाकिस्तान, म्यांमार और उत्तर कोरिया में सुरक्षा और राष्ट्ररक्षा के नाम पर सैन्य प्रभुत्व लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करता रहा है, भारत में भी यदि राष्ट्रवाद को केवल सैन्य शक्ति, बहुमत की भावना और नेता-केंद्रित आस्था से जोड़ा गया तो यह संविधान द्वारा प्रदत्त संतुलन को कमजोर करेगा, लोकतंत्र केवल बहुमत का शासन नहीं बल्कि अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा, संस्थाओं की स्वायत्तता और कानून के समक्ष समानता का नाम है, किंतु वर्तमान विमर्श में बहुमत को अंतिम सत्य और संख्या को नैतिक वैधता के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, मीडिया के एक बड़े हिस्से द्वारा सत्ता समर्थक राष्ट्रवादी नैरेटिव का प्रसार, सोशल मीडिया पर ट्रोल संस्कृति और चयनित सूचना का उग्र प्रसार लोकतांत्रिक संवाद को संकीर्ण और आक्रामक बना रहा है, ऐसे समय में सिविल सोसाइटी, लेखक, पत्रकार, शिक्षाविद और न्यायिक संस्थाओं की भूमिका निर्णायक हो जाती है, यदि यह वर्ग चुप रहता है तो लोकतंत्र धीरे-धीरे आत्मसमर्पण कर देगा, राष्ट्रवाद का पुनर्पाठ आवश्यक है जहाँ राष्ट्र सरकार से बड़ा हो, संविधान सत्ता से ऊपर हो और नागरिक की गरिमा सर्वोपरि मानी जाए, राष्ट्र प्रेम का अर्थ प्रश्न करना, जवाबदेही माँगना और संस्थाओं को मजबूत करना भी होना चाहिए, न कि केवल नारे लगाना और भीड़ का हिस्सा बन जाना, तात्कालिक लोकप्रियता, भावनात्मक ध्रुवीकरण और सत्ता लोलुपता के स्थान पर दीर्घकालिक नीतिगत दूरदर्शिता, सामाजिक संतुलन और संवैधानिक नैतिकता को केंद्र में लाना ही लोकतंत्र को बचा सकता है, अन्यथा राष्ट्रवाद का यह बदला हुआ रूप राष्ट्र को जोड़ने के बजाय उसे भीतर से खोखला करता चला जाएगा और इतिहास एक बार फिर हमें चेतावनी देगा कि लोकतंत्र का पतन अचानक नहीं बल्कि तालियों, नारों और मौन के बीच धीरे-धीरे होता है।

डिजिटल वैतरणी से मिलेगी मुक्ति

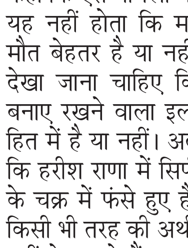

सुरेश गांधी

कंचनपुर गांव की टेढ़ी गलियों में जब आधुनिकता का भूत सवार हुआ, तो सबसे पहले वहां के 'लल्लन कक्का' ने अपनी धोती त्याग कर बरमूडा पहन लिया। गांव की चौपाल अब 'ग्लोबल विलेज' के नाम पर वॉट्सऐप यूनिवर्सिटी का हेडक्वार्टर बन चुकी थी, जहाँ गोबर गैस से लेकर मंगल ग्रह तक की चर्चा गुड़ की चाय के साथ गुड़गुड़ाई जाती थी। लल्लन कक्का का मानना था कि राजनीति वह मट्ठा है, जिसे जितना बिलोओ, मक्खन हमेशा दिल्ली वाले ही निकालते हैं। इस बार गांव के प्रधान पद के लिए 'रामभरोसे' मैदान में थे, जिनका एकमात्र चुनावी वादा था कि वे गांव के हर तालाब में वाई-फाई का ऐसा जाल बिछाएंगे कि मछलियां भी ऑनलाइन ऑर्डर पर पकड़ी जा सकेंगी। सरकारी फाइलों में गांव की धूल अब 'पाउडर' बन चुकी थी और कीचड़ को 'प्राकृतिक लेप' बताकर पर्यटन विभाग को फाइल भेज दी गई थी। रामभरोसे की बातों में ऐसी चाशनी थी कि मक्खियां भी अपनी वफादारी बदलकर उनके कुर्ते पर चिपकी रहती थीं।

चुनाव की आखिरी रात रामभरोसे ने गांव के बरगद तले एक 'अदृश्य शक्ति' के आगमन की घोषणा कर दी। उन्होंने दावा किया कि आधी रात को गांव के पुराने कुएं से एक 'सोने का कलश' निकलेगा, जो केवल उसी को दिखेगा जिसने रामभरोसे को वोट देने की गुप्त शपथ ली होगी। पूरे कंचनपुर में सनसनी फैल गई; लोग टॉर्च लेकर कुएं के इर्द-गिर्द ऐसे जमा हो गए जैसे वहां कोई अंतरिक्ष यान उतरने वाला हो। विपक्षी उम्मीदवार 'घसीटा राम' परेशान थे कि इस दैवीय चमत्कार का मुकाबला किस भौतिकवादी वादे से करें।

रामभरोसे ने कुएं के पास अगरबत्तियों का ऐसा धुआं किया कि लोगों को साक्षात इंद्रलोक की अनुभूति होने लगी। हर ग्रामीण अपनी आंखें फाड़-फाड़ कर उस अंधेरे कुएं में अपना भाग्य तलाश रहा था, जबकि रामभरोसे कोने में बैठकर अपनी डायरी में उन लोगों के नाम नोट कर रहे थे जो सबसे ज्यादा श्रद्धा से सिर झुकाए खड़े थे।

अगले दिन जब वोटों की गिनती खत्म हुई और रामभरोसे भारी मतों से जीत गए, तो जनता ने उस 'सोने के कलश' की मांग की। रामभरोसे ने बड़ी गंभीरता से सबको उसी कुएं पर बुलाया और एक बाल्टी पानी खींचकर सबके ऊपर छिड़क दिया। लोग हक्के-बक्के रह गए, तभी रामभरोसे दहाड़ कर बोले— ₹मूर्खों! कलश तो निकल चुका, पर वह सोने का नहीं, 'वोटों' का था जो मेरी तिजोरी में सुरक्षित पहुंच गया है! और जो चमक तुम्हें कुएं में दिख रही थी, वह कोई सोना नहीं, बल्कि मैंने अपनी मोबाइल की फ्लैशलाइट एक कांच के टुकड़े पर सेट की थी।₹ जनता एक-दूसरे का मुंह ताकती रह गई और रामभरोसे अपनी नई स्कॉर्पियो पर 'प्रधान' की पट्टी लिखवाने शहर की ओर कूच कर गए। पीछे छोड़ गए तो बस कुएं की वही सड़ांध और ग्रामीणों के चेहरे पर चस्पां हुई एक लाचार सी हंसी, जो लोकतंत्र के इस महान सर्कस की सबसे बड़ी उपलब्धि थी।

व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के बीच अधिक वनडे खेलने पर विचार कर रहा बीसीसीआई

भारतीय क्रिकेट टीम का 2026 में अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इसे और व्यस्त बनाने पर विचार कर रहा है। वनडे विश्व कप 2027 से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के वनडे मैचों की संख्या बढ़ सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कई दूसरे क्रिकेट बोर्ड ने बीसीसीआई से पूर्व निर्धारित वनडे दौरों में मैचों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया है। अनुरोध करने वाले बोर्ड में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, आयरलैंड और श्रीलंका शामिल हैं। अतिरिक्त वनडे मैच से इन क्रिकेट बोर्डों को आर्थिक फायदा होगा।

वनडे मैचों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध करने की वजह रोहित शर्मा और विराट कोहली भी हैं। दोनों ही दिग्गज भारतीय बल्लेबाज अब सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। दोनों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी लोकप्रियता है। अगर वनडे मैच ज्यादा होंगे तो रोहित और विराट को ज्यादा खेलने का मौका मिलेगा और इसका फायदा इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, आयरलैंड और श्रीलंका जैसे क्रिकेट बोर्ड को होगा। रोहित और विराट की वजह से दर्शकों की क्षमता में वृद्धि होनी है। रोहित और विराट सिर्फ वनडे खेलते हैं। इसलिए भी दर्शक ज्यादा से ज्यादा उन्हें खेलते हुए देखना चाहते हैं।

आईपीएल 2026 के बाद भारत को एक टेस्ट और तीन वनडे मैचों की सीरीज अफगानिस्तान से खेलनी है। इसके बाद टीम तीन वनडे और पांच टी20 के लिए इंग्लैंड जाएगी। इस दौरान टीम आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज भी खेल सकती है। बताया जा रहा है कि इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में मैचों की संख्या बढ़ सकती है, लेकिन इसे लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है।

श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवर की सीरीज भी खेल सकता है भारत

अगस्त में टीम इंडिया श्रीलंका में दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए तैयार है, जिसमें से एक सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में डे-नाइट मैच हो सकता है। हालांकि, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई के साथ साथ कार्यक्रम में सीमित ओवर के मुकाबले जोड़ने के लिए बातचीत कर रहा है। बांग्लादेश और यूएई में अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज को लेकर अनिश्चितता के कारण, भारत इस दौरान अतिरिक्त मैच चाह सकता है। आयरलैंड सीरीज के मैच भी फिलहाल तय नहीं हैं।

क्या इस सीजन के बाद आईपीएल को अलविदा कहेंगे धोनी? इरफान ने रखी राय; बोले- उनके बिना सीएसके अधूरी

आईपीएल 2026 का सीजन शुरू होने जा रहा है और एक बार फिर महेंद्र सिंह धोनी इस टूर्नामेंट में खेलते नजर आएंगे। हर बार की तरह इस बार भी एक सवाल सभी के मन में है कि क्या धोनी का यह आखिरी सीजन है? इसे लेकर पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने भी अपनी राय रखी है। इरफान का कहना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की कल्पना धोनी के बिना नहीं की जा सकती है। इरफान का मानना है कि धोनी का यह आखिरी सीजन हो सकता है।

इरफान बोले- सैमसन और ऋतुराज को तैयार करेंगे धोनी

इरफान ने कहा, धोनी के बिना सीएसके और आईपीएल की कल्पना करना मुश्किल होगा। उनकी भूमिका अब टीम में सभी को एक साथ लाना होगी। धोनी अब संजू सैमसन और ऋतुराज गायकवाड़ को तैयार करने में मदद करेंगे। मुझे पक्का नहीं पता कि वह कितने मैच खेलेंगे, लेकिन ड्रेसिंग रूम में उनकी मौजूदगी से बहुत मदद मिलेगी। संजू को फायदा होगा क्योंकि वह भी नेतृत्व ग्रुप का हिस्सा होंगे। ऋतुराज

गायकवाड़ लीडर हैं। लेकिन एक ग्रुप के तौर पर, दो या तीन लोगों को भविष्य के लिए तैयार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि धोनी कुछ अलग करेंगे। उनकी फिटनेस, बल्लेबाजी स्थान और क्या वह सभी मैच खेलेंगे, इस बारे में सवाल अभी भी उठेंगे। सीएसके मैनेजमेंट ही इसके बारे में जवाब दे पाएगा। वे निश्चित रूप से अपनी छठी आईपीएल ट्रॉफी उठाकर धोनी को शानदार विदाई देने की कोशिश करेंगे।

सीएसके के सबसे सफल कप्तान हैं धोनी

पिछले दिनों आईपीएल 2026 में धोनी की भूमिका और मैच की संख्या पर फ्रेंचाइजी के सीईओ काशी विश्वनाथ ने कहा था कि धोनी सभी मैच खेलेंगे, लेकिन उनकी भूमिका टीम मैनेजमेंट तय करेगा। धोनी लीग की शुरुआत से ही इसमें हमेशा मौजूद रहे हैं और सीएसके की पीली जर्सी की पहचान बन गए हैं। वह अपना 19वां सीजन खेलने के लिए तैयार हैं। धोनी आईपीएल के सफलतम विकेटकीपर बल्लेबाज और कप्तान हैं। धोनी की कप्तानी में सीएसके ने पांच बार आईपीएल की ट्रॉफी उठाई है। बतौर बल्लेबाज उनके रिकॉर्ड पर गौर करें तो 278 मैचों में उन्होंने 5439 रन बनाए हैं। धोनी 158 कैच पकड़ने के साथ ही 47 स्टंपिंग कर चुके हैं।

सनराइजर्स ने अबरार अहमद को खरीदा तो हुआ बवाल बीसीसीआई का पहला बयान आया सामने

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आईपीएल में पिछले कई साल से खेल रही है। लेकिन टीम एक ही बार खिताब अपने नाम करने में कामयाब रही है। पिछले कुछ साल से टीम के सीजन खराब जा रहे हैं। इसी फ्रेंचाइज ने द हंड्रेड में टीम ले रखी है, जिसका नाम सनराइजर्स लीड्स है। इस बीच जब इसके अगले सीजन के लिए नीलामी हुई तो टीम ने पाकिस्तान के स्पिनर अबरार अहमद को अपने पाले में कर लिया, इसके बाद हंगामा बरपा हुआ है। इस बीच बीसीसीआई का पहला बयान सामने आया है। बीसीसीआई के सचिव राजीव शुक्ला ने इस बारे में बात की है।

द हंड्रेड में सनराइजर्स के लिए खेलेंगे पाकिस्तानी गेंदबाज अबरार अहमद

आईपीएल का अगला सीजन 28 मार्च से खेला जाएगा। चर्चा इस पर होनी चाहिए, लेकिन इस बीच अचानक इंग्लैंड की लीग द हंड्रेड चर्चा में है। इसका कारण भी बिल्कुल साफ है। सनराइजर्स लीड्स ने पाकिस्तानी खिलाड़ी अबरार अहमद को खरीदा है। वैसे तो अबरार की कीमत पौंड में लगाई गई है, लेकिन अगर

भारतीय रुपये में बात की जाए तो इसके लिए सनराइजर्स ने दो करोड़ से अधिक की रकम खर्च की है। इसके बाद से लगातार हंगामा बरपा हुआ है।

राजीव शुक्ला बोले, आईपीएल से इसका कोई मतलब नहीं

द हंड्रेड की नीलामी गुरुवार को हुई थी। अबरार अहमद इसी दिन शाम को खरीदे गए। इसके बाद सोशल मीडिया पर तरह तरह के कमेंट किए गए। शुक्रवार को बीसीसीआई सचिव राजीव शुक्ला से जब इस बारे में मीडिया ने बात की तो उन्होंने कहा कि द हंड्रेड में जो कुछ भी हुआ है, वो आईपीएल का मामला नहीं है। राजीव शुक्ला ने साफ किया कि ये सब कुछ आईपीएल के अधिकार क्षेत्र में नहीं है। बाहर की लीग में कौन क्या कर रहा है, इसमें वे दखल नहीं दे सकते। ये उन टीमों पर है कि वे बाहर की लीग में क्या करती हैं। आईपीएल में ऐसा कोई भी खिलाड़ी नहीं है।

आईपीएल 2026 का पहला मैच खेलेगी सनराइजर्स की टीम

राजीव शुक्ला भले ही आईपीएल का मामला ना बताकर निकल गए हों, लेकिन अभी तो अबरार अहमद को खरीदे 24 घंटे का भी वक्त नहीं हुआ है और इसका जबरदस्त तरीके से विरोध हो रहा है। आने वाले वक्त में ये मामला तूल पकड़ सकता है। खास बात ये है आईपीएल का पहला मैच जो 28 मार्च को खेला जाएगा, उसमें सनराइजर्स हैदराबाद की टीम आरसीबी के सामने होगी। ये मैच बेंगलुरु में होगा। हो सकता है कि इस दिन भी सनराइजर्स का विरोध किया जाए। देखना होगा कि इसमें आगे क्या कुछ अपडेट आता है।

आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले बल्लेबाज विराट

आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले बल्लेबाज की बात करें तो वहां टॉप पर विराट कोहली का नाम है। विराट ने इस लीग में अब तक 267 मैच खेले हैं और इस दौरान उन्होंने 771 चौके लगाए हैं। विराट के नाम 259 पारियों में 8661 रन दर्ज है। इस टूर्नामेंट में वह 8 शतक और 63 अर्धशतक लगा चुके हैं।

आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले बल्लेबाज की बात करें तो वहां टॉप पर विराट कोहली का नाम है। विराट ने इस लीग में अब तक 267 मैच खेले हैं और इस दौरान उन्होंने 771 चौके लगाए हैं। विराट के नाम 259 पारियों में 8661 रन दर्ज है। इस टूर्नामेंट में वह 8 शतक और 63 अर्धशतक लगा चुके हैं।

इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा चौके लगाने के मामले में दूसरे नंबर पर शिखर धवन का नाम है। धवन इस आईपीएल से संन्यास ले चुके हैं। इस लीग में धवन 272 मैचों में 768 चौके लगा चुके हैं। इस टूर्नामेंट के इतिहास में उन्होंने 221 पारियों में 35.25 के औसत से 6769 रन बना चुके हैं। इस लीग में धवन 2 शतक और 51 अर्धशतक लगा चुके हैं।

इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा चौके लगाने के मामले में दूसरे नंबर पर शिखर धवन का नाम है। धवन

इस आईपीएल से संन्यास ले चुके हैं। इस लीग में धवन 272 मैचों में 768 चौके लगा चुके हैं। इस टूर्नामेंट के इतिहास में उन्होंने 221 पारियों में 35.25 के औसत से 6769 रन बना चुके हैं। इस लीग में धवन 2 शतक और 51 अर्धशतक लगा चुके हैं।

आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर डेविड वॉर्नर का नाम है। वॉर्नर इस लीग में अब तक कुल 184 मैच खेले हैं और इस दौरान वह 683 चौके लगाने में कामयाब रहे हैं। वॉर्नर इस लीग के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं और उनके नाम 184 पारियों में 6565 रन दर्ज हैं। वह इस लीग में 4 शतक और 62 अर्धशतक ठोक चुके हैं।

आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर डेविड वॉर्नर का नाम है। वॉर्नर इस लीग में अब तक कुल 184 मैच खेले हैं और इस दौरान वह 683 चौके लगाने में कामयाब रहे हैं। वॉर्नर इस लीग के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक हैं और उनके नाम 184 पारियों में 6565 रन दर्ज हैं। वह इस लीग में 4 शतक और 62 अर्धशतक ठोक चुके हैं।

आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले बल्लेबाजों की बात करें तो वहां चौथे नंबर पर रोहित शर्मा का नाम है। रोहित ने आईपीएल करियर में 272 मैच खेल चुके हैं। इस दौरान वह 640 चौके लगाने में कामयाब रहे हैं। रोहित के नाम आईपीएल में 267 पारियों में 29.73 के औसत से 7046 रन बना चुके हैं। आईपीएल में रोहित दो शतक और 47 अर्धशतक लगा चुके हैं।

आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले बल्लेबाजों की बात करें तो वहां चौथे नंबर पर रोहित शर्मा का नाम है। रोहित ने आईपीएल करियर में 272 मैच खेल चुके हैं। इस दौरान वह 640 चौके लगाने में कामयाब रहे हैं। रोहित के नाम आईपीएल में 267 पारियों में 29.73 के औसत से 7046 रन बना चुके हैं। आईपीएल में रोहित दो शतक और 47 अर्धशतक लगा चुके हैं।

अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे सबसे ज्यादा चौके लगाने के मामले में पांचवें नंबर पर हैं। उन्होंने इस लीग में अब तक 198 मैचों में 514 चौके लगा चुके हैं। इस लीग में रहाणे ने 183 पारियों में 30.49 के औसत से 5032 रन बनाए हैं। रहने आईपीएल में दो शतक और 33 अर्धशतक ठोक चुके हैं। अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे सबसे ज्यादा चौके लगाने के मामले में पांचवें नंबर पर हैं। उन्होंने इस लीग में अब तक 198 मैचों में 514 चौके लगा चुके हैं। इस लीग में रहाणे ने 183 पारियों में 30.49 के औसत से 5032 रन बनाए हैं। रहने आईपीएल में दो शतक और 33 अर्धशतक ठोक चुके हैं।

टीम इंडिया में कैसे हुई ईशान की वापसी ?

सूर्यकुमार ने सुनाई कहानी; बताया- संजू को मुश्किल समय में क्या कहा था

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत की जीत कई यादगार कहानियों से भरी रही। इनमें सबसे प्रेरणादायक कहानी दो विकेटकीपर बल्लेबाजों ईशान किशन और संजू सैमसन की रही। ईशान की जहां अचानक टी20 विश्वकप टीम में एंट्री हुई, वह संजू टूर्नामेंट की शुरुआत में प्लेइंग इलेवन तक में शामिल नहीं थे। हालांकि, टूर्नामेंट में दोनों का प्रदर्शन जबरदस्त रहा। सैमसन ने लगातार तीन अर्धशतक लगाकर भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें टूर्नामेंट का प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया। अब सूर्यकुमार ने खुलासा किया है कि ईशान किशन की टीम में वापसी कैसे हुई थी। साथ ही कप्तान ने यह भी बताया कि सैमसन को उनके मुश्किल दौर में उन्होंने क्या नसीहत दी थी।

सूर्यकुमार ने बताया सैमसन के साथ बातचीत

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में बताया कि जब सैमसन टीम से बाहर थे, तब दोनों के बीच क्या बातचीत हुई थी। सूर्य ने

बताया कि सैमसन खुद उनके पास आए थे और टीम में अपनी भूमिका के बारे में जानना चाहते थे। उन्होंने कहा, 'संजू के पास बहुत टैलेंट है। वह विकेटकीपर हैं और टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी कर सकते हैं। मुझे याद है वह एक बार मेरे पास आए और बोले, 'बस मुझे बता दीजिए कि टीम मुझसे क्या चाहती है। हमने उनसे कहा कि हमें वही संजू सैमसन चाहिए जो गेंदबाजों पर हमला करते हैं।'

सूर्य ने यह भी बताया कि सैमसन ने टीम के सामने भी साफ कहा था कि वह पहले टीम की जरूरत को प्राथमिकता देंगे। सूर्यकुमार ने बताया, 'उसने पूरी टीम से कहा कि हम पहले वही करेंगे जो टीम चाहती है, उसके बाद अपनी सोचेंगे। तभी हम कुछ खास हासिल कर पाएंगे।'

मुश्किल समय में कप्तान ने किया हौसला

सूर्यकुमार यादव ने कहा कि जब सैमसन प्लेइंग इलेवन में नहीं थे, तब उन्होंने उन्हें धैर्य रखने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा, 'जब वह नहीं खेल रहे थे, तब मैंने उनसे कहा कि यह कठिन दौर है लेकिन इसे स्वीकार करो। अगर भगवान ने तुम्हारे लिए कुछ लिखा है तो वह जरूर मिलेगा।' सूर्य के मुताबिक सैमसन लगातार मेहनत कर रहे थे और मौका मिलने का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'वह खुद को तैयार कर रहे थे कि अगर मौका मिला तो उसे पकड़ लेना है और पूरी दुनिया देखेगी।'

कैसे टीम इंडिया में हुई थी ईशान किशन की वापसी?

सूर्यकुमार ने इस बात का भी खुलासा किया है कि अचानक टीम इंडिया के रडार पर ईशान किशन कैसे आए। ईशान पिछले काफी समय से टीम से बाहर थे और उन्हें अचानक टी20 विश्वकप की टीम में चुना गया और इसके बाद ईशान ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। पूरे टूर्नामेंट में अहम समय में उनका बल्ला चला और ईशान ने कई तूफानी पारियां खेलीं। सूर्यकुमार ने बताया, 'टूर्नामेंट शुरू होने से पहले जब मैं टीम का चयन कर रहा था, तो मैंने ईशान से बातचीत की थी। मैंने उनसे पूछा था कि क्या आप मेरे लिए विश्वकप जीतोगे? इस पर ईशान ने मुझे जवाब दिया कि मुझ पर थोड़ा बहुत विश्वास दिखाओ और मैं जिताऊंगा। हमारी विश्वकप से पहले यही बातचीत हुई थी।'

ईशान के संघर्ष पर बात करते हुए सूर्यकुमार ने कहा, 'ईशान ने हमें निराश नहीं किया। जिस तरह से उन्होंने खेला, वह देखना शानदार था। उन्होंने पिछले दो साल में काफी संघर्ष किया है। काफी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को मिस किया। हालांकि, इसके बाद वह घरेलू क्रिकेट में लौटे और घरेलू टूर्नामेंट्स खेले, अपना रोल बखूबी निभाया, कड़ी मेहनत की और टीम इंडिया में वापसी की और वही किया जो करने में वह बेस्ट हैं।'

हार्दिक पांड्या की बातों से बदली टीम की दिशा

सूर्यकुमार यादव ने यह भी खुलासा किया कि टीम के भीतर हार्दिक पांड्या की भूमिका काफी अहम रही। एशिया कप के दौरान सूर्य ने हार्दिक से कहा था कि वह टीम के सबसे अनुभवी बड़े मैच खिलाड़ी हैं और उन्हें बाकी खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव साझा करने चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैंने हार्दिक से कहा था कि तुम इस ग्रुप में बड़े मैच खेलने वाले सबसे अनुभवी खिलाड़ी हो। बाकी खिलाड़ियों से बात करो और बताओ कि बड़े मुकाबलों में कैसे खेलना चाहिए।'

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद बदला माहौलसूर्य ने बताया कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद टीम के भीतर एक अहम बैठक हुई, जिसने पूरे अभियान की दिशा बदल दी। उन्होंने कहा, 'साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच के बाद कुछ बदल गया। हार्दिक और मैं पूरी बैटिंग यूनिट के साथ बैठे और लंबी बातचीत की कि आगे हमें कैसे बल्लेबाजी करनी है और इस टीम की असली पहचान क्या है। उसके बाद से हमारी किस्मत बदल गई।'

बुमराह और अक्षर की भी अहम भूमिका

सूर्यकुमार यादव ने टीम के गेंदबाजों की भी तारीफ की। खास तौर पर जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल के योगदान को उन्होंने बेहद अहम बताया। सूर्य ने कहा, 'बुमराह को कुछ बताने की जरूरत नहीं होती। वह जानते हैं कि गेंदबाजी यूनिट के साथ कैसे काम करना है। जब भी दबाव की स्थिति होती है, वह खुद खिलाड़ियों के पास जाकर बात करते हैं। यही उनकी सबसे बड़ी खूबी है। अक्षर भी बिल्कुल ऐसे ही हैं।'

'आधे घंटे में ही फाइनल खत्म...!': गांगुली ने कीवियों की बड़ी गलती बताई; कहा- गंभीर टीम इंडिया को महान बनाएंगे

टी20 वर्ल्ड कप के आखिरी चार मैचों में भारत की बल्लेबाजी पूरी तरह से हावी रही। सेमीफाइनल और फाइनल में तो टीम इंडिया ने दो बार 250+ रन बना दिए। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 253/7 का विशाल स्कोर बनाया और मैच सात रन से जीत लिया। इसके बाद फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ भी भारतीय बल्लेबाजों ने आक्रामक अंदाज जारी रखा। फाइनल में भारत ने 255/5 का बड़ा स्कोर खड़ा किया और मुकाबला 96 रन से जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारतीय टीम की कामयाबी के बाद सौरव गांगुली का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि वह न्यूजीलैंड के टॉस फैसले से काफी हैरान थे। साथ ही गांगुली ने कोच गौतम गंभीर की तारीफ की और कहा कि टीम उनके अंदर कई खिताब जीतेगी, खासतौर पर व्हाइट बॉल क्रिकेट में।

गांगुली बोले- 7:30 बजे ही हार गया था न्यूजीलैंड

गांगुली ने टॉस जीतने वाले न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर के फैसले को लेकर हैरानी जताई और कहा कि उन्हें पहले गेंदबाजी का फैसला समझ नहीं आया। उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड वर्ल्ड कप शाम 7:30 बजे ही हार गया था। मैच सात बजे शुरू हुआ और आधे घंटे में साफ हो गया कि क्या होने वाला है। मैं भी यही बात अपने साथ मैच देख रहे लोगों से कह रहा था।'

गांगुली ने भारतीय बल्लेबाजी की गहराई का जिक्र करते हुए कहा, 'ईशान, अभिषेक, संजू सैमसन, सूर्यकुमार, शिवम, तिलक, हार्दिक और अक्षर, इतनी मजबूत बल्लेबाजी के सामने टीम अगर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे तो यह सीधे-सीधे टैक्टिकल डिजास्टर है।' उन्होंने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी तारीफ की और कहा कि उनके रहते मैच और भी मुश्किल हो जाता है।

कोच गौतम गंभीर की भी तारीफ

गांगुली ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की रणनीति और नेतृत्व की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'व्हाइट बॉल कोच के तौर पर वह बहुत अच्छे हैं और उनके पास शानदार टीम है। 12 महीने के भीतर चैंपियंस ट्रॉफी और वर्ल्ड कप जीतना किसी भी कोच के लिए बड़ी उपलब्धि है।' गांगुली के मुताबिक गंभीर टीम के माहौल को अच्छी तरह समझते हैं और हमेशा टीम के हित को सबसे ऊपर रखते हैं।

अनन्या पांडे ने शेयर की अपने रिलेशनशिप की मुश्किलें, बोलीं -'खुद को हमेशा कमतर समझा...'

अनन्या पांडे ने हाल ही में दिए अपने एक इंटरव्यू में पुराने रिलेशनशिप उससे जुड़ी उम्मीदें और अपने निजी जीवन के बारे में काफी कुछ बताया। एक्ट्रेस ने खुद के जीवन जीने के तरीकों में बदलाव की बात भी कही।

एक्ट्रेस ने रिश्तों से मिला दुख किया शेयर

अनन्या पांडे अपने दोस्तों और फैमिली के साथ काफी समय बिताती हैं। हार्पर बाजार इंडिया को दिए अपने इंटरव्यू में अनन्या ने अपने अतीत और निजी जीवन के नजरिए के बारे में काफी कुछ शेयर किया। एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे अकेले रहने में काफी परेशानी होती है। वह हर वक्त परिवार और दोस्तों से घिरे रहना पसंद करती हैं। मगर कुछ समय बाद मुझे अकेले रहने का महात्व समझ आया। ऐसा करने से मैंने अपने जीवन में एक बदलाव महसूस किया। मुझे रिश्तों पर दोबारा सोचने का समय मिला।'

खुद को हमेशा कमतर समझा

एक्ट्रेस ने अपनी बातचीत में आगे बताया कि उनके पिछले रिश्ते से उन्होंने काफी सबक लिए। इस रिश्ते ने उनके आत्म-सम्मान पर भी काफी प्रभाव डाला। अकेलेपन के पहले जब वो रिश्ते में थी उन्होंने खुद को हमेशा कमतर समझा। वह हमेशा यह चाहती थी कि सामने वाले की अहमियत उनसे ज्यादा हो। जिस वजह से वह उस व्यक्ति के हिसाब से खुद को बदल लेती थीं। मगर अब वो अपने अंदर एक अलग चेंज लेकर आई हैं।

जल्द रिलीज होगी अनन्या की फिल्म

एक्ट्रेस की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा..' हाल ही में रिलीज हुई है। फिल्म में उनके साथ कार्तिक आर्यन भी नजर आए थे। अब अनन्या की दूसरी फिल्म धर्मा प्रोडक्शन की रोमांटिक ड्रामा 'चांद मेरा दिल' रिलीज होगी। 8 मई, 2026 को यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बेटी के साथ दुबई में फंसीं लारा दत्ता भारत लौटीं

बोलीं- वीडियो इसलिए पोस्ट किया, क्योंकि वह मेरा आखिरी मैसेज हो सकता था

मध्य-पूर्व में चल रहे तनाव के बीच दुबई में फंसीं एक्ट्रेस लारा दत्ता और उनकी 14 साल की बेटी सुरक्षित मुंबई लौट आई हैं। लारा ने बताया कि दुबई के जेबेल अली पोर्ट के पास बमबारी के कारण स्थिति चिंताजनक थी। साथ ही एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो इसलिए पोस्ट किया, क्योंकि उन्हें लगा कि यह उनका आखिरी मैसेज भी हो सकता था।

बता दें कि लारा दत्ता ने 4 मार्च को इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल वीडियो पोस्ट कर दुबई में अपनी बेटी सायरा के साथ फंसे होने का अनुभव शेयर किया था।लारा दत्ता ने हाल ही में बताया कि उनका घर जेबेल अली पोर्ट से लगभग 10 किलोमीटर दूर है, जहां लगातार बमबारी हो रही थी। उन्होंने कहा कि परिवार के पास लौटने के लिए उन्होंने जोखिम उठाने का फैसला किया।

लारा ने बताया कि वे दो घंटे की यात्रा करके फुजैराह पहुंचीं। इससे एक दिन पहले ही फुजैराह पोर्ट और ऑयल रिफाइनरी पर भी हमला हुआ था। उन्होंने कहा कि यह सफर काफी डराने वाला था।

एयरपोर्ट पर भी सुनाई दे रहे थे धमाके: लारा

लारा दत्ता ने बताया कि एयरपोर्ट पर भी धमाकों की आवाजें सुनाई दे रही थीं और सभी को उम्मीद थी कि कोई हमला न हो। उन्होंने एयरलाइंस की भी सराहना की और कहा कि इस अनुभव का असर उनकी बेटी पर पड़ सकता है। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि दूसरी तरफ क्या हो रहा है, क्योंकि उस समय हालात बहुत अनिश्चित थे। उन्होंने कहा कि यूएई में लोगों ने पहले कभी ऐसा माहौल नहीं देखा था।

वहीं इंस्टाग्राम पर वहां के हालात बताते हुए वीडियो पोस्ट करने को लेकर एक्ट्रेस ने कहा, "मैंने वह वीडियो इसलिए पोस्ट किया, क्योंकि मेरे मन में एक प्रतिशत यह भी ख्याल आया कि शायद यह मेरा आखिरी संदेश हो सकता है।"

लारा ने बताया कि मजाक में उन्होंने फिल्म वेलकम टू द जंगल में अपने को-स्टार अक्षय कुमार से कहा कि उन्हें ऐसा लग रहा था, जैसे वह फिल्म एयरलिफ्ट 2 का हिस्सा हों। लारा दत्ता पिछले तीन साल से दुबई में रह रही हैं। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी वहां एक फेमस टेनिस कोच के साथ ट्रेनिंग कर रही है। उस समय उनके पति महेश भूपति काम के सिलसिले में लंदन में थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो लारा दत्ता जल्द ही अहमद खान की फिल्म वेलकम टू द जंगल में नजर आएंगी, जिसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में हैं।

अल्लू अर्जुन के नए सिनेमाघर को लेकर क्यों छिड़ा विवाद, यूजर्स ने पूछा- 'राम गोपाल वर्मा का नाम क्यों...'

गुरुवार शाम को हैदराबाद के कोकापेट इलाके में अल्लू सिनेमाज का उद्घाटन हुआ। इस नए सिनेमा हॉल का उद्घाटन तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने किया। सिनेमाहॉल के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर चर्चा का विषय बन तुके हैं। 'वॉल ऑफ ग्रेट्स' को लेकर अब विवाद खड़ा हो गया है, क्योंकि अल्लू को दिग्गज निर्देशकों का नाम शामिल न करने पर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

सोशल मीडिया पर विवाद

'वॉल ऑफ ग्रेट्स' की दीवार पर लिखे निर्देशकों के नामों को लेकर अब सोशल मीडिया पर अल्लू को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। लोग अल्लू अर्जुन की आलोचना कर रहे हैं क्योंकि कुछ बहुत बड़े और पुराने निर्देशकों की तस्वीरें इसमें नहीं हैं। जैसे- शंकर, राम गोपाल वर्मा, पुरी जगन्नाथ, के विश्वनाथ, विट्ठलाचार्य, बापू, जंध्याला जैसे कई नाम हैं।

यूजर्स की प्रतिक्रिया

कुछ यूजर्स का कहना है कि एटली, ऋषभ शेट्टी जैसे नए निर्देशक तो हैं, लेकिन पुराने दिग्गज क्यों नहीं? कई यूजर्स मानते हैं कि यह दीवार उन निर्देशकों की लगती है, जिनके साथ अल्लू अर्जुन ने काम किया है या भविष्य में काम करना चाहते हैं। एक यूजर ने लिखा, 'शंकर नहीं हैं, राम गोपाल वर्मा नहीं हैं, तो यह 'ग्रेट्स' की दीवार कैसी?' कुल मिलाकर, सिनेमा हॉल का उद्घाटन तो भव्य हुआ, लेकिन 'वॉल ऑफ ग्रेट्स' ने चर्चा और विवाद दोनों बटोर लिया है।

क्या है 'वॉल ऑफ ग्रेट्स'

अल्लू सिनेमाज द्वारा यूट्यूब पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में अर्जुन के नए सिनेमा हॉल का भव्य इंटीरियर दिखाया गया। सिनेमाहाल में एक खास दीवार दिखाई गई है, जिसे 'वॉल ऑफ ग्रेट्स' कहा गया है। इस दीवार पर कई बड़े भारतीय निर्देशकों की तस्वीरें लगी हैं, जिनमें एसएस राजामौली, सुकुमार, त्रिविक्रम श्रीनिवास, मणिरत्नम, एटली, ऋषभ शेट्टी, प्रशांत नील, लिजो जोस पेलिसरी, राजकुमार हिरानी, संजय लीला भंसाली, संदीप रेड्डी वांगा और कुछ विदेशी निर्देशक भी शामिल हैं।

इम्तियाज की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में दिलजीत दोसांझ लीड रोल में दिखाई देंगे

भारत-पाक बंटवारे के बीच दिखेगी अधूरी प्रेम कहानी

फिल्म मेकर इम्तियाज अली की अगली फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' का टीजर शुक्रवार दोपहर 1:00 बजे रिलीज कर दिया गया है। फिल्म में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी वाघ मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म भारत-पाकिस्तान विभाजन की थीम पर आधारित एक इमोशनल लव स्टोरी है। यह फिल्म इसी साल जून में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सोशल मीडिया से पुराने प्यार को मिलाएंगे दिलजीत

टीजर में एक्टर्स को इंट्रोड्यूस कराया गया है। इसमें दिलजीत दोसांझ एक यूट्यूबर के रोल में नजर आ रहे हैं। कहानी में दिलजीत इंटरनेट और सोशल मीडिया की मदद से नसीरुद्दीन शाह को उनके दशकों पुराने प्यार से मिलाने की कोशिश करते दिख रहे हैं। हालांकि, इन कयासों पर पूरी मुहर फिल्म का ट्रेलर आने के बाद ही लगेगी। फिल्म के टाइटल ट्रैक 'मैं वापस आऊंगा' को टीजर में यूज किया गया है। इसे खुद दिलजीत दोसांझ ने गाया है।

वेदांग बनेंगे युवा नसीरुद्दीन शाह

फिल्म के वीडियो को देखकर लग रहा है कि वेदांग रैना इसमें नसीरुद्दीन शाह के युवा अवतार की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, शरवरी वाघ फिल्म में उनकी प्रेमिका के किरदार में नजर आ रही हैं। यह फिल्म एक लड़के और एक लड़की की प्रेम कहानी से शुरू होकर पूरे देश के इमोशन्स को छूती हुई आगे बढ़ती है।

इम्तियाज और दिलजीत की दूसरी फिल्म

'मैं वापस आऊंगा' के जरिए दिलजीत दोसांझ और इम्तियाज अली दूसरी बार साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले इस जोड़ी ने 'अमर सिंह चमकीला' में साथ काम किया था, जिसे एमी अवॉर्ड्स में नॉमिनेशन मिला था। खास बात यह है कि इस फिल्म में इम्तियाज अली, संगीतकार ए.आर. रहमान और गीतकार इरशाद कामिल की मशहूर तिकड़ी फिर से लौट रही है।

इम्तियाज बोले- माइग्रेशन हमारे दौर की सबसे बड़ी कहानी

फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्देशक इम्तियाज अली ने कहा, क्या प्यार कभी खो सकता है? हमारे दौर की सबसे बड़ी कहानी माइग्रेशन की है। यह कहानी विभाजन के समय लोगों की यादों और अनुभवों से प्रेरित है। मुझे यह कहानी बड़े पर्दे पर कहने का मौका मिला, यह मेरा सौभाग्य है।

रियलिटी शो 'द 50' से बाहर हुईं दिव्या अग्रवाल,बोलीं- गेम समझ से बाहर था

पति संग डिवॉर्स की अफवाहों पर भी तोड़ी चुप्पी

रियलिटी शो 'द 50' से हाल ही में बाहर हुईं एक्ट्रेस और रियलिटी स्टार दिव्या अग्रवाल एक बार फिर चर्चा में हैं। शो के दौरान उनके गेम, रिश्तों और कुछ कंटेस्टेंट्स के साथ हुई तकरार को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा रही। खासकर कंटेस्टेंट भव्या सिंह के साथ उनकी बहस और भव्या द्वारा उन्हें 'गोल्ड डिगर' कहे जाने को लेकर भी मामला सुर्खियों में रहा।

शो से बाहर आने के बाद दिव्या ने अपने अनुभव, कंटेस्टेंट्स की रणनीति और आगे के करियर प्लान पर खुलकर बात की। दैनिक भास्कर से बातचीत में दिव्या अग्रवाल ने भव्या के आरोपों पर भी प्रतिक्रिया दी और अपने तलाक को लेकर चल रही अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया है।

इस शो से जल्दी बाहर अफसोस जैसा कुछ नहीं है। मुझे लगता है कि हर चीज का एक्सपीरियंस जरूरी होता है। फ्रेंडशिप, स्ट्रेटेजी और इस सोशल मीडिया की पावरफुल दुनिया में रहकर बहुत कुछ सीखने को मिलता है। लेकिन सच कहूं तो इस फॉर्मेट में मुझे उतना मजा नहीं आ रहा था। मेरा मन नहीं लग रहा था। हम न खुलकर झगड़ पा रहे थे, न खुलकर बातें कर पा रहे थे। शो में एक तरह का 'परिवार वाला' माहौल चल रहा था और शायद मैं उस स्पेस में फिट नहीं हो पा रही थी।

सच कहूं तो मैंने इस शो में उतनी मेहनत ही नहीं की। जब आपका दिल ही नहीं लग रहा होता तो आप ट्रॉफी के हकदार भी नहीं होते। मैंने अपनी जिंदगी में जितनी भी ट्रॉफियां जीती हैं, वो दिल से और बहुत नैचुरली जीती हैं। यहां वो फीलिंग ही नहीं आ रही थी, इसलिए मुझे नहीं लगता कि मुझे इसकी जरूरत थी।

अब तो इतना ज्यादा अलायंस बन चुका है कि शायद पूरा अलायंस ही एक फैनडम की तरह काम करेगा। इसलिए किसी एक को चुनना बहुत मुश्किल है। इस शो में कभी भी कुछ भी हो सकता है। कोई भी जीत सकता है, कोई भी आगे जा सकता है और कोई भी अचानक बाहर हो सकता है। मेरे से पहले भी बहुत अच्छे खिलाड़ी बाहर हो चुके हैं, इसलिए यह गेम काफी अनप्रेडिक्टेबल है।

शो में प्रिंस को लेकर यह भी आरोप लगाए गए कि कुछ कंटेस्टेंट्स ने पहले से मिलकर एक कॉन्फ्रेंस की थी और अलायंस बनाकर शो में एंट्री ली थी, मैंने भी ऐसी बातें सुनी थीं। मुझे भी उस कॉन्फ्रेंस का ऑफर आया था, लेकिन मैं उसमें शामिल नहीं हुई। अगर कुछ लोगों ने पहले से प्लानिंग की थी तो वह उनकी अपनी गलती है। इसमें शो या चैनल की कोई गलती नहीं है।

कुछ रिश्ते बने और कुछ बने हुए रिश्ते बिगड़ गए। लेकिन कई बार ऐसा भी लगता है कि जो रिश्ते टूटे, शायद वो पहले से ही असली नहीं थे। इंडस्ट्री में अक्सर लोग सिर्फ हेलो-हाय तक ही सीमित रहते हैं। मैंने पहले कभी उसके बारे में कुछ नहीं कहा था और अभी भी बहुत ज्यादा बोलना नहीं चाहती। लेकिन अगर किसी को मुझसे इतनी परेशानी है तो फिर मेरे पॉडकास्ट को अपने चैनल पर क्यों रखा है? मैं चाहती तो उसे कह सकती थी कि उसे हटा दे, लेकिन अगर उससे उसका घर चलता है तो ठीक है। लाइफ सबको सिखा देती है।

यही सबसे गलत चीज है कि लोगों को भरोसा दिलाने के लिए हमें अपनी निजी जिंदगी को सोशल मीडिया पर दिखाना पड़ता है। मेरी जिंदगी सोशल मीडिया से डिफाइन नहीं होती। हमारी पीआर टीम ने मेरे पति से कहा था कि एक फोटो पोस्ट कर दो ताकि डिवोर्स की अफवाहें बंद हो जाएं। लेकिन उन्होंने साफ कहा कि अगर दिव्या कहेगी तभी मैं पोस्ट करूंगा। हमें किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है।

अर्चना बहुत फनी हैं और हमारा लव-हेट रिलेशन रहा है। लेकिन अगर सच में देखा जाए तो शो में उन्होंने सबसे ज्यादा एंटरटेन किया है। उन्होंने झगड़े भी किए, मस्ती भी की और पूरे दिल से शो को एंजॉय किया। सपना बहुत स्वीट हैं। शो से निकलने के बाद मैंने उनसे उनका नंबर मांगा और उन्होंने दे भी दिया। हम फोन पर बात भी कर चुके हैं। वह कमाल की डांसर हैं और अगर कभी उनके साथ स्टेज शेयर करने का मौका मिला तो मुझे बहुत खुशी होगी।

मुझे लगता है कि अब रियलिटी शोज का चैप्टर खत्म हो चुका है। अगर कुछ करना हुआ तो शायद होस्टिंग करना पसंद करूंगी, लेकिन फिलहाल मेरा पूरा फोकस एक्टिंग पर है। अब मेरा समय मेरे क्राफ्ट, फैमिली और अपनी लाइफ को बेहतर बनाने में लगेगा।

मोनालिसा का खुलासा: पवन सिंह के कई अफेयर थे अक्षरा सिंह के साथ सेट पर होती थी तू-तू मैं-मैं

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में एक बार फिर पवन सिंह और अक्षरा सिंह का पुराना रिश्ता चर्चा में आ गया है। इस बार भोजपुरी अभिनेत्री मोनालिसा के बयान ने इस बहस को नया मोड़ दे दिया है। मोनालिसा ने इंडस्ट्री के माहौल और पुराने विवादों को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उस समय सेट पर कई बार ऐसा माहौल बन जाता था जब झगड़ों की वजह से काम प्रभावित होता था। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने कभी इन विवादों में खुद को शामिल नहीं किया। मोनालिसा का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

मोनालिसा ने इंडस्ट्री के माहौल पर रखी राय

इंटरव्यू के दौरान मोनालिसा से पवन सिंह और अक्षरा सिंह के रिश्ते को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि उस समय दोनों कलाकार अपने निजी मामलों में ही व्यस्त रहते थे। उन्होंने बताया कि कई बार वैनिटी वैन में झगड़े होने की बातें सुनने को मिलती थीं।

लेकिन वह कभी यह जानने की कोशिश नहीं करती थीं कि असल में क्या हुआ है। मोनालिसा ने कहा कि उनका ध्यान सिर्फ अपने काम पर रहता था। इसी वजह से उन्होंने कभी किसी के निजी विवाद में दखल नहीं दिया।

'पवन सिंह के कई अफेयर की चर्चा थी'

मोनालिसा ने यह भी कहा कि उस दौर में पवन सिंह के कई अफेयर की चर्चा इंडस्ट्री में होती थी। उनके मुताबिक, कई बार इन रिश्तों को लेकर विवाद भी सामने आते थे।

उन्होंने कहा कि भोजपुरी इंडस्ट्री में अक्सर सह-कलाकारों के बीच अफेयर की चर्चा होने लगती है। अगर कोई कलाकार किसी के साथ कई फिल्मों में काम कर ले तो लोग इसे रिश्ते से जोड़ने लगते हैं।

मोनालिसा ने कहा कि उनके साथ भी कई बार ऐसी अफवाहें उड़ाई गईं। हालांकि उन्होंने इन बातों को कभी गंभीरता से नहीं लिया।

बी-ग्रेड फिल्मों के अनुभव भी साझा किए

मोनालिसा ने अपने करियर के शुरुआती दौर के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने बताया कि उन्होंने कुछ बी-ग्रेड फिल्मों में भी काम किया था। उन फिल्मों में कई बार इंटीमेट सीन शूट किए जाते थे। एक्ट्रेस के मुताबिक, कुछ मौकों पर सह-कलाकार सीन के दौरान हावी हो जाते थे। हालांकि उन्होंने कहा कि पवन सिंह ने उनके साथ कभी गलत व्यवहार नहीं किया। न ही उन्होंने कभी उनसे गलत तरीके से बात की।

पवन सिंह और अक्षरा सिंह का पुराना विवाद

भोजपुरी इंडस्ट्री में पवन सिंह और अक्षरा सिंह की जोड़ी काफी लोकप्रिय रही है। दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को पसंद आई। लेकिन बाद में दोनों के रिश्ते में खटास आ गई और अलगाव हो गया। अक्षरा सिंह ने पहले भी इंटरव्यू में पवन सिंह पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि रिश्ते के दौरान उन्हें कई मुश्किल हालातों से गुजरना पड़ा। हालांकि अब वह इस पुराने विवाद पर ज्यादा बात नहीं करना चाहतीं।

आज अलग-अलग रास्तों पर दोनों कलाकार

समय के साथ दोनों कलाकार अपने-अपने रास्तों पर आगे बढ़ चुके हैं। पवन सिंह आज भी भोजपुरी फिल्मों और संगीत में सक्रिय हैं। वहीं अक्षरा सिंह ने भी सिंगिंग और एक्टिंग के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों की निजी जिंदगी को लेकर चर्चाएं समय-समय पर सामने आती रहती हैं। मोनालिसा के ताजा बयान के बाद यह मुद्दा फिर सुर्खियों में आ गया है। हालांकि इंडस्ट्री के कई लोग इसे पुरानी बात मानकर आगे बढ़ने की सलाह देते हैं।

पश्चिम एशिया संकट के बीच चौथी बार हुई जयशंकर-अराघची की बातचीत

होर्मुज से मिल रही अच्छी खबर

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपने ईरानी समकक्ष सैयद अब्बास अराघची से बात की। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद यह दोनों नेताओं की चौथी बातचीत थी। जयशंकर और अराघची के बीच यह बातचीत ऐसे समय हुई, जब होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे 28 व्यापारिक जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने के लिए नई दिल्ली द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से चौथी बार हुई बातचीत :

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच बीती रात फोन पर बातचीत हुई। बीती 28 फरवरी को जब अमेरिका के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी, उसके बाद भी जयशंकर ने अराघची से बात की थी। पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच बीती 5 मार्च और फिर 10 मार्च को भी दोनों नेताओं के बीच बातचीत हुई थी। बीते करीब 15 दिनों में दोनों के बीच गुरुवार रात को चौथी बार बात हुई है।

होर्मुज जलडमरूमध्य से मिल रही अच्छी खबर :

विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा, कल रात ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के साथ एक और बातचीत हुई। इस बातचीत में द्विपक्षीय मामलों के साथ-साथ ब्रिक्स से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

भारत, होर्मुज जलडमरूमध्य के रणनीतिक शिपिंग मार्ग से भारतीय ध्वज वाले व्यापारिक जहाजों के लिए सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित कराने की कोशिश कर रहा है।

अमेरिका और इस्राइल के साथ संघर्ष बढ़ने के बाद तेहरान ने इस मार्ग को आंशिक रूप से अवरूद्ध कर दिया है। जिससे दुनिया भर में ऊर्जा संकट पैदा हो गया है।

कंटेनर पलटा एक की मौत

चतरा, 13 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के चतरा जिले की संघरी घाटी में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ। जोरी थाना क्षेत्र में एक अनियंत्रित कंटेनर पलटने के बाद पीछे से आ रहे आधा दर्जन हाइवा आपस में टकरा गए। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चतरा-गया मुख्य मार्ग पर लंबा जाम लग गया। हादसा संघरी घाटी के एक अंधे मोड़ पर हुआ, जब तेज रफ्तार कंटेनर असंतुलित होकर पलट गया। पीछे से आ रहे भारी वाहन संभल नहीं पाए और एक-दूसरे से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गए। मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। हादसे के तुरंत बाद चतरा-गया मुख्य मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया।

यात्रियों से भरी बसें, एम्बुलेंस और अन्य छोटे वाहन घंटों तक फंसे रहे। जोरी थाना पुलिस ने क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने का कार्य शुरू कर दिया है।

देश को एकजुट रहने की जरूरत

एलपीजी की कमी वाली खबरों पर शशि थरूर बोले- समस्या का जल्द समाधान निकालना चाहिए

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। देशभर में एलपीजी गैस की कमी वाली खबरों को लेकर सियासत तेज है। आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति के बीच इस मामले की गूंज शुक्रवार को संसद तक सुनाई दी। ऐसे में अब इन खबरों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय के बयान के अनुसार पेट्रोल, डीजल और केरोसिन की सप्लाई पर्याप्त है, लेकिन ऐसा लगता है कि एलपीजी की सप्लाई में कुछ कमी हो रही है। थरूर ने इस बात पर जोर दिया कि इस कमी का ज्यादा असर ग्रामीण इलाकों पर पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि एलपीजी में कमी के चलते खासकर ग्रामीण इलाकों में लोग अब लकड़ी और कोयले की जगह गैस सिलेंडर का इस्तेमाल करने लगे हैं। ऐसे में अगर सिलेंडर आसानी से नहीं मिलते, तो यह लोगों के लिए

बड़ी समस्या बन जाती है। इस दौरान थरूर ने देशवासियों को एकजुट रहने का संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में देश को एकजुट होकर इस समस्या का जल्द समाधान निकालना चाहिए, ताकि आम लोगों को परेशानी न हो।

एलपीजी की कमी वाली खबरों के बाद थरूर ने पश्चिम एशिया संघर्ष पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इस्राइल की तरफ से ईरान पर हमला करना गलत था। उनके मुताबिक उस समय बातचीत चल रही थी और ईरान कई मांगों को मानने के लिए तैयार दिखाई दे रहा था, इसलिए ऐसे समय में हमला उचित नहीं था।

हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि ईरान भी पूरी तरह निर्दोष नहीं है, क्योंकि उसने ऐसे देशों पर हमले किए जो इस युद्ध का हिस्सा नहीं हैं, जिससे निर्दोष लोग प्रभावित हुए हैं। थरूर ने बताया कि इस संघर्ष में दो-तीन भारतीय नागरिकों की भी मौत हुई है, जबकि उनका इस युद्ध से कोई संबंध नहीं था।

भारत की भूमिका पर क्या बोले थरूर :

उन्होंने यह भी कहा कि एक थाई झंडे वाले टैंकर पर भी हमला हुआ है। ऐसे हालात में भारत को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। थरूर ने बताया कि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर खाड़ी देशों के अपने समकक्षों से बातचीत कर रहे हैं।

उनके अनुसार भारत को सिर्फ चुपचाप देखने के बजाय सक्रिय कूटनीतिक प्रयास करने चाहिए ताकि हालात को संभाला जा सके।

लखनऊ में शियाओं का प्रदर्शन बच्चे लेकर पहुंचीं महिलाएं

अमेरिका का झंडा रौंदा, वाराणसी में कमांडो तैनात, अलविदा जुमा पर हाईअलर्ट

अमेरिका-इजराइल के खिलाफ शिया समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। महिलाएं बच्चों को गोद में लेकर पहुंचीं। उनके हाथों में अयातुल्लाह अली खामेनेई के पोस्टर हैं। प्रदर्शन कर रहीं अमरीन ने कहा- यह देशों की नहीं, विचारधाराओं की लड़ाई है।

वाराणसी, 13 मार्च (एजेंसियां)। यूपी में अलविदा जुमे की नमाज को लेकर हाई अलर्ट है। काशी, बरेली, अलीगढ़ और लखनऊ में सख्त पहरा है। चप्पे-चप्पे पर फोर्स तैनात है। ड्रोन से निगरानी की जा रही है। काशी विश्वनाथ मंदिर के बाहर एनएसजी कमांडो तैनात किए गए हैं। लखनऊ में नमाज के बाद इमामबाड़ा के बाहर इजराइल और अमेरिका के झंडे सड़क पर चिपकाए गए हैं, जिन्हें नमाजी पैरों से रौंदते नजर आए। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा- ईरान इस समय असहाय है।

अमेरिका बम गिराकर आम लोगों पर हमला कर रहा। भारत इस मुद्दे की निंदा नहीं कर रहा है। यह रवैया ठीक नहीं है।

3 साल में एससी-एसटी एक्ट के 2455 केस

रायपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 1 जनवरी 2023 से 16 फरवरी 2026 तक एससी-एसटी एक्ट के तहत 2455 केस दर्ज हुए हैं। इसमें सबसे ज्यादा संख्या रेप के मामलों की है, जो कुल मामलों का करीब 41% यानी 1013 केस हैं। यानी लगभग हर तीन मामलों में से एक केस रेप से जुड़ा है। इसके अलावा 73 मर्डर के मामले भी दर्ज किए गए हैं।

वहीं, मारपीट कर चोट पहुंचाने के 380 मामले दर्ज हुए, गंभीर चोट पहुंचाने के 60 केस सामने आए। जबकि 30 मामलों में अपहरण की घटनाएं दर्ज की गईं। सरकार ने बताया कि यह सभी आंकड़े राज्य के अलग-अलग जिलों से मिले रिकॉर्ड के आधार पर तैयार किए गए हैं। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय से जुड़े अपराधों के मामलों को लेकर सरकार ने विधानसभा में आंकड़े पेश किए हैं। यह जानकारी 12 मार्च को विधानसभा के लिखित प्रश्नोत्तर के दौरान सामने आई।

देवघर की डिप्टी मेयर बनीं टिप चटर्जी

21 मत प्राप्त कर उपमहापौर का पद जीता मेयर रवि राउत और पार्षदों ने ली शपथ

देवघर, 13 मार्च (एजेंसियां)। देवघर नगर निगम के डिप्टी मेयर का शुक्रवार को चुनाव किया गया। वार्ड संख्या 5 की पार्षद टिप चटर्जी ने 21 मत प्राप्त कर उपमहापौर का पद जीत लिया। वार्ड संख्या 22 के अर्पण झा दूसरे स्थान पर रहे।

इससे पूर्व नवनिर्वाचित मेयर रवि राउत और 36 वार्ड पार्षदों ने शपथ ग्रहण किया। यह समारोह विकास भवन के सभागार में आयोजित किया गया। संथाल परगना के कमिश्नर संजय कुमार ने मेयर रवि राउत को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद सभी 36 वार्ड पार्षदों को भी क्रमवार शपथ दिलाई गई।

मेयर ने समग्र विकास को अपनी पहली प्राथमिकता बताया

शपथ ग्रहण के बाद मेयर रवि राउत ने देवघर नगर निगम क्षेत्र के समग्र विकास को अपनी पहली प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि शहर में स्वच्छता व्यवस्था में सुधार, पेयजल समस्या का समाधान, सड़कों की मरम्मत और अन्य बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना निगम की प्रमुख जिम्मेदारियां होंगी।

मेयर ने इन कार्यों के लिए सभी वार्ड पार्षदों के साथ समन्वय स्थापित कर काम करने की बात कही। शपथ ग्रहण प्रक्रिया पूरी होने के तुरंत बाद उपमेयर पद के लिए चुनाव कराया गया।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और बड़ी संख्या में समर्थक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल की तैनाती के बीच समारोह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

दो सगे भाइयों की गंगा में डूबने से मौत

तीन वर्षों बाद गांव लौटा था परिवार, कल से लापता थे दोनों, नदी किनारे मिले कपड़े और चप्पल

साहिबगंज, 13 मार्च (एजेंसियां)। साहिबगंज स्थित राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत मोकीमपुर पंचायत के सरकंडा गांव में गंगा नदी में डूबने से एक ही परिवार के दो बच्चों की मौत हो गई। दोनों सगे भाई थे।

दोनों ही गुरुवार की शाम से लापता थे। आशंका जाहिर की जा रही है कि दोनों भाई नहाने के लिए गंगा नदी में उतरे होंगे और इसी बीच वो गहरे में पानी में चले गए होंगे।

मृतकों की पहचान सेंटू चौरसिया के पुत्र आर्यन कुमार (8) और राघव कुमार (6) के रूप में की गई। मृत बच्चों के पिता सेंटु चौरसिया ने बताया पत्नी व बच्चों के साथ पिछले तीन वर्षों से मुंबई में थे। होली मनाने के लिए करीब तीन वर्षों के बाद वह मुंबई से अपने घर सरकंडा वापस लौटे थे।

इधर, गुरुवार की शाम बच्चों के लापता होने के बाद आसपास के इलाकों तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में काफी खोजबीन

करने के बाद भी उनका कुछ पता नहीं चल सका।

किसी व्यक्ति ने गंगा नदी के किनारे बच्चों के कपड़े व चप्पल देखा तो लोगों ने गंगा नदी में डूबने की आशंका जताई। इसके बाद पुलिस को जानकारी देकर गंगा नदी में खोजने की प्रक्रिया शुरू की गई लेकिन देर रात तक पुलिस की मौजूदगी में खोजबीन करने के बाद भी बच्चों का पता नहीं चल सका।

अगले दिन शुक्रवार की सुबह एक बच्चे का का शव गंगा नदी में उपलाता दिखा। एक बच्चे का शव मिलने की सूचना मिलते ही गंगा तट पर ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इसके बाद गोताखोर की मदद से दूसरे बच्चे का शव भी गंगा नदी से बरामद कर लिया गया।

इधर, शव मिलने की सूचना मिलते ही राजमहल पुलिस एएसआई सिकंदर तिर्की अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंची। और दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए राजमहल भेज दिया।

दोनों बच्चों का शव देख कर गांव में मातम छा गया। बच्चों की मां प्रियंका देवी शव से लिपट कर फुट फुटकर रोने लगी।

जोस एंटोनियो बने चिली के राष्ट्रपति : पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिली के नए राष्ट्रपति जोस एंटोनियो कास्ट को पदभार संभालने पर बधाई दी हैं। उन्होंने कहा कि भारत और चिली के बीच दोस्ताना और गर्मजोशी भरे रिश्तों को और मजबूत करने के लिए वह उनके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं। पिछले साल हुए चुनावों में कास्ट ने बड़ी जीत हासिल की थी, जिससे भारत-चिली व्यापार बढ़ने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार, तकनीक और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा किया जाएगा। इसके साथ ही साथ ही उन्होंने कास्ट को उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं भी दीं हैं। जोस एंटोनियो कास्ट को पिछले साल हुए चुनावों में बड़ी जीत मिली थी। उस समय कास्ट को कास्ट को 99.33 में से 58.18 प्रतिशत वोट मिले थे। इस चुनाव में कई उम्मीदवार मैदान में थे, लेकिन अंतिम मुकाबला मुख्य रूप से दक्षिणपंथी और वामपंथी धड़ों के बीच रहा था। पदभार ग्रहण करने के बाद कई देशों के नेताओं ने उन्हें बधाई दी।

कौन हैं जोस एंटोनियो कास्ट :

जोस एंटोनियो कास्ट का जन्म 18 जनवरी 1966, सैंटियागो में हुआ था। उनके पिता माइकल कास्ट जर्मन मूल के थे, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद चिली आकर बस गए थे। कास्ट की शादी मारिया पिया एडवर्ड्स से हुई है। उनके 9 बच्चे हैं। कास्ट ने कानून की पढ़ाई की है। पढ़ाई के दौरान ही उनकी रुचि राजनीति और सार्वजनिक जीवन में बढ़ी, जिसके बाद वे छात्र राजनीति और सामाजिक संगठनों से जुड़े।

सांसद भी रह चुके हैं कास्ट :

राष्ट्रपति चुने जाने से पहले वे कई सालों तक सांसद भी रहे हैं। कास्ट को कंजरवेटिव और राष्ट्रवादी नेता माना जाता है। सुरक्षा, आर्थिक सुधार और सरकारी खर्च कम करने जैसे मुद्दे उनकी राजनीति के केंद्र में रहते हैं।

चिली में लंबे समय बाद सत्ता परिवर्तन हुआ है। ऐसे में उम्मीद है कि आने वाले समय में भारत और चिली के व्यापार भी बढ़ेगा।

कोकराझार में 4,570 करोड़ की परियोजनाओं का वर्चुअली उद्घाटन

गुवाहाटी में पीएम बोले- दशकों तक बोडोलैंड का एक क्षेत्र विश्वासघात का साक्षी रहा है

गुवाहाटी, 13 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार से दो दिन के असम दौरे पर हैं। दोपहर करीब 1.30 बजे वे गुवाहाटी पहुंचे। पीएम गुवाहाटी के अलावा आज कोकराझार और सिलचर का दौरा करने वाले थे, लेकिन खराब मौसम के चलते उन्होंने कोकराझार में 4570 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स का वर्चुअली उद्घाटन किया। पीएम ने लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने कहा- दशकों तक बोडोलैंड का एक क्षेत्र विश्वासघात का साक्षी रहा है। बोडोलैंड के अनेक वीडियो को कांग्रेस ने झूठे सपनों में उलझाए रखा।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने दिखाने के लिए कागजी समझौते किए। आपने कांग्रेस को खदेड़ा और एनडीए को मौका दिया तो हमने समझदारी से फैसले लिए। पीएम ने नॉर्थ ईस्ट के लिए 3 नई ट्रेनों की शुरूआत भी की। जारी शेड्यूल के मुताबिक पीएम गुवाहाटी में करीब 19,680 करोड़ रुपये के कई प्रोजेक्ट्स देश को समर्पित किये। पीएम मोदी असम के दो दिन के दौरे पर हैं। वो यहां कुल मिलाकर 47800 रुपये के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। 14 मार्च को सुबह करीब 10:45 बजे प्रधानमंत्री सिलचर में भूमि पूजन करेंगे और करीब 23,550 करोड़ रुपये के अलग-अलग प्रोजेक्ट्स देश को समर्पित करेंगे।

पीएम ने ये भी कहा, कांग्रेस झूठे वादों की दुकान है। एक वादे के साथ चार झूठ गिफ्ट में देती है। वहीं, आपके सामने बीजेपी का सफल मॉडल है।

2003 में जब दिल्ली में एनडीए सरकार थी। अटल जी के नेतृत्व में सच्चाई और ईमानदारी से काम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। एनडीए की दोहरी इंजन सरकार असम की विरासत के संरक्षण और उसके तीव्र विकास दोनों के लिए लगातार काम कर रही है।

कोकराझार सहित इस पूरे क्षेत्र ने पिछले कुछ दशकों में भारी कठिनाइयों का सामना किया है। इसे भारी नुकसान उठाना पड़ा है। आज बोडोलैंड शांति और विकास के पथ पर अग्रसर है। आज असम शांति और प्रगति का एक नया अध्याय लिख रहा है। आज मैं आपसे आग्रह करने आया हूं कि आने वाले चुनाव में कांग्रेस को कड़ी से कड़ी सजा दीजिए। स्पष्ट संदेश दीजिए कि घुसपैठियों के लिए अमस में कोई जगह नहीं है।

हम मेडिकल साइंस के विशेषज्ञ नहीं

ब्लड बैंक में एनएटी टेस्ट अनिवार्य करने की मांग

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को देश के सभी ब्लड बैंकों में न्यूक्लिक एसिड प्रवर्धन परीक्षण (एनएटी) को अनिवार्य करने की मांग वाली जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करते हुए उसे फिलहाल स्वीकार करने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि यह मेडिकल साइंस का विषय है और अदालत खुद को विशेषज्ञ मानकर फैसला नहीं दे सकती।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की पीठ ने याचिकाकर्ता संस्था सर्वेशम मंगलम फाउंडेशन से कहा कि वह इस मुद्दे पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य विभाग के सचिवों के सामने विस्तृत प्रस्ताव पेश करे। अदालत ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मेडिकल विशेषज्ञों की सलाह लेकर इस विषय पर उचित निर्णय ले सकते हैं।

मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने यह भी टिप्पणी की कि अदालत के पास इस विषय में विशेष तकनीकी ज्ञान नहीं है। उन्होंने कहा, हम मेडिकल साइंस के विशेषज्ञ नहीं हैं, फिर हमें ऐसा दिखावा क्यों करना चाहिए कि हम सब जानते हैं। इसलिए अदालत इस मामले में सीधे कोई आदेश देने की स्थिति में नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि याचिका में मांगी गई राहत का आर्थिक असर भी काफी बड़ा हो सकता है, क्योंकि एनएटी टेस्ट लागू करने के लिए बड़ी संख्या में मशीनें और संसाधन चाहिए होंगे। हर राज्य की अपनी वित्तीय सीमाएं होती हैं, इसलिए इस तरह का फैसला सरकार और विशेषज्ञों को मिलकर करना चाहिए। इससे पहले 25 फरवरी को अदालत ने याचिकाकर्ता से यह जानकारी मांगी थी कि देशभर के सरकारी अस्पतालों में एनएटी टेस्ट लागू करने की लागत कितनी होगी और क्या यह सुविधा सभी जगह उपलब्ध है, ताकि गरीब मरीज भी इसका लाभ ले सकें।

दिल्ली की इस एनजीओ ने अपनी याचिका में कहा था कि सुरक्षित खून मिलना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन के अधिकार का हिस्सा होना चाहिए। याचिका में मांग की गई थी कि सभी ब्लड बैंकों में एनएटी टेस्ट अनिवार्य किया जाए ताकि खून में मौजूद एचआईवी, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, मलेरिया और सिफलिस जैसे संक्रमणों का जल्दी पता लगाया जा सके।

आज और कल भी बैठेगी संसद केंद्र सरकार ने विपक्ष को भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। संसद का बजट सत्र चल रहा है और जारी सत्र का दूसरा चरण भी अपने अंतिम दौर में पहुंच रहा है। हालांकि यह सत्र भी पिछले सत्र की तरह इस बार भी विपक्षी सांसदों के हंगामे की वजह से सुचारू रूप से नहीं चल सका। इस वजह से विधायी कार्यों पर भी असर पड़ा है। अब केंद्र सरकार ने विपक्ष के सामने प्रस्ताव रखा है कि कई सरकारी छुट्टियों की वजह से शनिवार और रविवार को भी बैठक बुलाए जाना चाहिए।

सरकार ने विपक्ष के सामने यह प्रस्ताव रखा है कि शनिवार और रविवार को भी संसद की बैठक बुलाया जाना चाहिए ताकि विधायी कार्यों को समय से पूरा कराया जा सके। सरकार ने बताया कि महीने के अंत में पड़ने वाले हफ्ते यानी 28-29 मार्च (शनिवार और रविवार) को भी संसद की बैठक बुलाए जाने का प्रस्ताव है। सरकार के कई अहम बिलों के लिए वीकेंड पर बैठक बुलाई जाएगी।

दरअसल, इस महीने मार्च में गुडी पड़वा या उगादी, ईद और रामनवमी के चलते कई सरकारी छुट्टी पड़ रही है, इसलिए कामकाज निपटाने को लेकर वीकेंड पर भी सदन की बैठक बुलाने का प्रस्ताव दिया गया है। सांसदों के हंगामे की वजह से संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही पर खासा असर पड़ा है।

संसद का बजट सत्र 2 चरणों में चल रहा है। वैसे यह सत्र 28 जनवरी से 2 अप्रैल तक चलेगा। सत्र का पहला चरण 28 जनवरी से 13 फरवरी तक चला, जबकि दूसरा चरण 9 मार्च से लेकर 2 अप्रैल तक चलेगा।

दिल्ली ब्लास्ट मामला- पटियाला हाउस कोर्ट ने आरोपियों की न्यायिक हिरासत 15 दिन बढ़ाई

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। पटियाला हाउस कोर्ट ने दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए ब्लास्ट के आरोपियों- डॉ शाहीन, मुफ्ती इरफान अहमद, जासिर बिलाल वानी, डॉ. अदील अहमद, मुजम्मिल और यासिर अहमद डार की न्यायिक हिरासत शुक्रवार से 15 दिन बढ़ा दी। सुरक्षा को देखते हुए इन सभी आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए एनआईए कोर्ट में पेश किया गया था।

एनआईए ने कोर्ट से कहा कि अभी और सबूत जुटाने और आरोपियों से पूछताछ के लिए और समय लग सकता है। इसीलिए इनकी न्यायिक हिरासत बढ़ा दी जाए, जिससे मामले की सही से जांच की जा सके। 25 फरवरी को इस मामले में दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, जो एनआईए से बचने के लिए लगातार अपनी लोकेशन बदल रहे हैं। अभी तक इस मामले में 11 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। आरोपियों की पहचान जम्मू-कश्मीर के गांदरबल निवासी जमीर अहमद अहंगर और श्रीनगर निवासी तुफैल अहमद भट के रूप में हुई थी।

10 नवंबर 2025 को राष्ट्रीय राजधानी को दहला देने वाले इस भीषण विस्फोट में 11 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे। इस हमले का मुख्य आरोपी उमर उन नबी भी विस्फोट में मारा गया था। एनआईए मामले की गहन जांच कर रही है, जिसका उद्देश्य इस कायराना आतंकी हमले के पीछे की पूरी साजिश का पर्दाफाश करना है। जांच एजेंसी के अनुसार जमीर अहमद और तुफैल अहमद प्रतिबंधित आतंकी संगठन अंसार गजवत-उल-हिंद (एजीएच) के सक्रिय ओवर ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) थे।

एनआईए ने जम्मू-कश्मीर पुलिस, हरियाणा पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय कर की गई जांच में पाया कि दोनों आरोपी न केवल दिल्ली ब्लास्ट की साजिश में शामिल थे, बल्कि अन्य कई आतंकी षड्यंत्रों का भी हिस्सा रहे हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि वे भारतीय राज्य के खिलाफ इस्तेमाल किए जाने के उद्देश्य से हथियार और गोला-बारूद जुटाने में सक्रिय रूप से संलिप्त थे।

सभी देशों को रूसी तेल खरीदने की इजाजत

अमेरिका ने 30 दिन की छूट दी; ईरान ने क्रूड ऑयल 200 डॉलर पहुंचने की चेतावनी दी थी

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग की वजह से दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 100 डॉलर के पार चली गई हैं। इसे काबू में करने के लिए ट्रम्प प्रशासन ने दूसरे देशों को भी रूस से तेल खरीदने की अस्थाई मंजूरी दे दी है। रूस के कई ऑयल टैंकर समुद्र में फंसे हैं।

इससे पहले अमेरिका ने भारत को रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए प्रतिबंधों में ढील देने की बात कही थी। हालांकि, इस पर भारतीय अधिकारी कह चुके हैं कि भारत तेल खरीदने के लिए किसी भी देश की इजाजत पर निर्भर नहीं है। वहीं, ईरान चेतावनी दे चुका है कि कच्चे तेल की कीमतें 200 डॉलर के पार पहुंच सकती हैं।

अमेरिकी ट्रेजरी विभाग (वित्त मंत्रालय) ने गुरुवार को एक लाइसेंस जारी किया। इसके तहत उन रूसी कच्चे तेल और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स की डिलीवरी और बिक्री की जा सकती है, जो 12 मार्च की रात 12:01 बजे से पहले जहाजों पर लोड हो चुके थे। यह छूट सिर्फ 11 अप्रैल तक के लिए दी गई है। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बताया कि इसका मकसद दुनियाभर में तेल की सप्लाई बढ़ाना है, ताकि बढ़ती कीमतों पर लगाम लग सके।

अमेरिका के ट्रेजरी मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा कि राष्ट्रपति ट्रम्प वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह एक शॉर्ट-टर्म फैसला है और इससे रूस को कोई बहुत बड़ा आर्थिक फायदा नहीं होगा।

बेसेंट के मुताबिक रूस की कमाई का बड़ा हिस्सा तेल निकालने के वक्त लगने वाले टैक्स से आता है, जबकि यह छूट सिर्फ उस तेल के लिए है, जो पहले से ही ट्रांजिट (रास्ते) में है।

1. होर्मुज रूट से सप्लाई ठपः ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच जंग से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' में सप्लाई ठप हो गई है। यहां से दुनिया का करीब 20% तेल गुजरता है। भारत जैसे देश अपनी जरूरत का करीब आधा तेल इसी रास्ते से मंगाते हैं।

2. 200 डॉलर पहुंच सकता है कच्चा तेलः पिछले कुछ दिनों में ब्रेंट क्रूड की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गई थीं। ईरान ने चेतावनी दी है कि कीमतें 200 डॉलर तक पहुंच सकती है। ऐसे में रूसी तेल बाजार में आने से सप्लाई बढ़ेगी, जिससे कीमतों में गिरावट आएगी।

जब फरवरी 2022 में रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तो पश्चिमी देशों का मानना था कि युद्ध के लिए पैसा रूस को तेल और गैस बेचकर मिल रहा है। इसी 'फंडिंग' को रोकने के लिए अमेरिका और यूरोप ने रूस से तेल खरीदने पर पाबंदी लगानी शुरू की थी।

कच्चा तेल 101 डॉलर प्रति बैरल पार

मिडिल ईस्ट में एनर्जी सप्लाई और इंफ्रास्ट्रक्चर पर हाल ही में हुए हमलों के बाद फिर से कच्चे तेल की कीमतों में 9% से ज्यादा की तेजी आई है। इस उछाल के साथ ही तेल का दाम एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार हो गया है। बाजारों को सामान्य रखने के लिए स्ट्रैटजिक रिजर्व यानी आपातकालीन भंडार से रिकॉर्ड मात्रा में तेल निकालने का फैसला किया गया है, लेकिन इस फैसले पर भी सप्लाई रुकने का डर भारी पड़ गया है।

फरवरी में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.21% हुई

खाने-पीने की चीजें महंगी होने का असर; इजराइल-ईरान जंग से और बढ़ सकती है

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। फरवरी में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.21% पहुंच गई है। इससे पहले जनवरी में यह 2.74% थी। महंगाई में यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जंग चल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह जंग लंबी चली तो कच्चे तेल के दाम 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकते हैं। इससे पेट्रोल-डीजल महंगा हो सकता है, जिससे माल ढुलाई का खर्च बढ़ेगा और फल-सब्जी समेत हर जरूरी सामान की कीमतें बढ़ जाएंगी।

महंगाई बढ़ने की सबसे बड़ी वजह खाने-पीने की चीजों के दामों का बढ़ना है। फूड इन्फ्लेशन फरवरी में बढ़कर 3.47% पर पहुंच गया। जनवरी में यह आंकड़ा केवल 2.13% था। ग्रामीण इलाकों की तुलना में शहरों में महंगाई थोड़ी कम रही। ग्रामीण महंगाई जनवरी के 2.73% से बढ़कर 3.37% हो गई, जबकि शहरी महंगाई 2.75% से बढ़कर 3.02% रही।

यह महंगाई के नए फॉर्मूले (2024 बेस ईयर) के तहत जारी दूसरा आंकड़ा है। सरकार ने महंगाई नापने के बास्केट में भी बदलाव किया है। खाने-पीने की चीजों का वजन 45.9% से घटाकर 36.75% कर दिया गया है, जबकि हाउसिंग और बिजली-गैस का वजन बढ़ा दिया गया है।

रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026 के लिए औसत महंगाई दर 2.1% रहने का अनुमान लगाया है। हालांकि, अप्रैल-जून (Q1 FY27) की तिमाही में यह बढ़कर 4% और अगली तिमाही में 4.2% तक जा सकती है। फिलहाल महंगाई आरबीआई के तय लक्ष्य (4%) के भीतर ही है, जिससे बाजार को उम्मीद है कि नीतिगत दरों में तुरंत कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा।

महंगाई का बढ़ना-घटना प्रोडक्ट की डिमांड-सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे। इससे चीजों की डिमांड बढ़ेगी और सप्लाई नहीं होने पर इनकी कीमत बढ़ेगी। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी। जब हम कहते हैं कि फरवरी 2026 में महंगाई 3.21% है, तो इसका मतलब है कि हम इसकी तुलना फरवरी 2025 से कर रहे हैं। यह पूरे एक साल का बदलाव है। 3.21% एक औसत नंबर है जिसे 'कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स' कहते हैं। इसमें आपके जीवन की सैकड़ों चीजें शामिल हैंः किसी चीज़ के दाम बहुत ज्यादा बढ़े होंगे (जैसे चांदी के गहने 160% महंगे हुए)। किसी चीज के दाम घटे भी होंगे (जैसे लहसुन 31% सस्ता हुआ)। जब इन सबको एक साथ मिलाया गया, तो औसतन खर्च 3.21% बढ़ गया।

चीन ने पेट्रोल, डीजल और जेट फ्यूल के एक्सपोर्ट पर लगाई रोक, भारत में बढ़ सकती है कीमत

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। ईरान युद्ध के कारण पश्चिम एशिया में भी संघर्ष बढ़ गया है। इसके चलते भारत और चीन समेत कई एशियाई देशों को होने वाली तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित हुई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने रिफाइंड पेट्रोलियम प्रोडक्ट के एक्सपोर्ट पर कंट्रोल कड़ा कर दिया है। बीजिंग अपनी घरेलू अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को सुरक्षित रखने के लिए यह कदम उठा रहा है।

चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकनॉमी है। साथ ही यह क्रूड ऑयल का सबसे बड़ा आयातक है। देश की ज्यादातर रिफाइनरियां घरेलू मांग को पूरा करने के लिए काम करती हैं। इसके बावजूद चीन पेट्रोल, डीजल और जेट फ्यूल जैसे कई रिफाइंड प्रोडक्ट का एक्सपोर्ट भी करता है। ऑफिशियल कस्टम डेटा के अनुसार पिछले साल चीन ने करीब 5.8 करोड़ टन रिफाइंड ऑयल प्रोडक्ट का एक्सपोर्ट किया था।

फरवरी में ऑटो बिक्री ने बनाया रेकॉर्ड

कुल बिक्री में जोरदार उछाल

, नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर ने फरवरी 2026 में शानदार प्रदर्शन किया। उद्योग संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के मुताबिक फरवरी महीने में ऑटो इंडस्ट्री ने अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री दर्ज की, जिसमें सबसे बड़ा योगदान टू-व्हीलर सेगमेंट का रहा।

फरवरी 2026 में टू-व्हीलर (2W) की बिक्री 35.2% बढ़कर 18,71,406 यूनिट पहुंच गई, जबकि पिछले साल इसी महीने यह 13,84,605 यूनिट थी। स्कूटर बिक्री 42.3% बढ़कर 7,29,774 यूनिट पहुंच गई। वहीं मोटरसाइकिल बिक्री में 30.8% का उछाल आया और यह बढ़कर 10,96,537 यूनिट हो गई।

पैसेंजर व्हीकल बिक्री भी बढ़ी

पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में भी अच्छी वृद्धि देखने को मिली। फरवरी में 4,17,705 यूनिट की बिक्री हुई। यह पिछले साल के 3,77,689 यूनिट के मुकाबले 10.6% ज्यादा है। इसमें कुछ लग्जरी ब्रांड की बिक्री शामिल नहीं है, क्योंकि उनका डेटा उपलब्ध नहीं था।

तीन-पहिया वाहनों में भी तेज बढ़त

तीन पहिया यानी थ्री-व्हीलर (3W) सेगमेंट में भी मजबूत प्रदर्शन देखने को मिला। फरवरी में तीन पहिया वाहनों की बिक्री 29% बढ़कर 74,573 यूनिट रही, जबकि पिछले साल यह 57,788 यूनिट थी। इसमें पैसेंजर कैरियर कैटेगरी की बिक्री 30% से ज्यादा बढ़कर 60,013 यूनिट हो गई। ऑटो इंडस्ट्री में सकारात्मक माहौल के कारण बिक्री में यह तेजी आई है। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष भविष्य में वैश्विक सप्लाई चेन और निर्यात पर असर डाल सकता है। उद्योग फिलहाल इन भू-राजनीतिक परिस्थितियों पर करीब से नजर रख रहा है।

बिक्री में आ सकती है तेजी

ईरान युद्ध और मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच मार्केट एक्सपर्ट्स को आने वाले महीनों में बिक्री की उम्मीद है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि मार्च में त्योहारों और वित्त वर्ष के अंत की वजह से बिक्री और बढ़ सकती है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां उद्योग के लिए जोखिम भी पैदा कर सकती हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सुर्य	कुंभ	मे	कुंभ....	04-48 बजे
चंद्र	धनु	मे	मीन....	05-27 बजे
मंगल	कुंभ	मे	मेष.....	08-03 बजे
बुध	कुंभ	मे	वृष....	09-47 बजे
गुरु	मिथुन	मे	मिथुन..	11-49 बजे
शुक्र	मीन	मे	कर्क...	14-00 बजे
शनि	मीन	मे	सिंह---	16-12 बजे
राहु	कुंभ	मे	कन्या--	18-19 बजे
केतु	सिंह	मे	तुला----	20-24 बजे
			वृश्चिक..	22-35 बजे
			धनु.....	00-48 बजे
			मकर...	02-54 बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे /दक्षिण , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426874
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885126
सूर्योदय 06-29
सूर्यास्त. 18 -22
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष शनिवार 14 March 2026
तिथि - दशमीं 08-11 तक उपरान्त एकादशी
नक्षत्र - उत्तराषाढ़ा 04-49 रात तक उप श्रवण
योग - वरियान 10-42 तक उप परिघ
करण - विष्टी (भद्रा) 08-11 तक उप बव

मीने अर्क रात से

भद्राकाल 08-11 से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-26 से 10-56 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06-28 - 07-56	अशुभ	लाभ	18-22 - 19-55	शुभ
शुभ	07-56 - 09-24	शुभ	उत्पात	19-55 - 21-25	अशुभ
रोग।।	09-26 - 10-56	अशुभ	शुभ	21-25 - 22-55	शुभ
उत्पात	10-56 - 12-25	अशुभ	अमृत	22-55_ - 00-25	शुभ
चंचल	12-25 - 13-55	शुभ	चंचल	00-25 - 01-55	शुभ
लाभ	13-55 - 15-25	शुभ	रोग	01-55 - 03-25	अशुभ
अमृत	15-25 - 16-55	शुभ	काल	03-25 - 04-55	अशुभ
काल	16-55 - 18-22	अशुभ	लाभ	04-55 - 06-28	शुभ

वारिसों को 21 दिनों में मिलेगा क्लेम

कागजी झंझट से मिलेगी मुक्ति

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। बाजार नियामक सेबी ने गुरुवार को निवेशकों की मृत्यु के बाद उनके शेयरों और निवेश को वारिसों के नाम ट्रांसफर करने की प्रक्रिया को आसान बनाने का प्रस्ताव दिया है। सेबी ने क्लेम की लिमिट बढ़ाने और 21 दिनों के भीतर निपटारा करने का नया प्लान तैयार किया है। इसका मकसद नॉमिनी और कानूनी वारिसों के लिए निवेश की गई रकम को क्लेम करना सरल बनाना है।

नियामक ने कहा कि मृत निवेशकों के परिवारों को उनकी संपत्ति वापस दिलाने में मदद करने के लिए नियमों को आसान बनाना जरूरी है। सेबी ने कहा, आसान कागजी कार्रवाई के लिए मौजूदा सीमाएं काफी समय पहले तय की गई थीं। शेयर बाजार में आई तेजी और निवेश की बढ़ती वैल्यू को देखते हुए इन सीमाओं को बदलने की सख्त

जरूरत है। सेबी ने अपने एक कंसल्टेशन पेपर में सुझाव दिया है कि कम कागजी कार्रवाई के लिए पैसों की सीमा को बदला जाए। साथ ही, छोटे क्लेम के लिए 'स्ट्रेट-थ्रू प्रोसेसिंग' सिस्टम शुरू किया जाए ताकि कागजी झंझट कम हो और क्लेम का निपटारा जल्दी हो सके।

सेबी का प्रस्ताव

छोटे क्लेम के लिए स्ट्रेट-थ्रू प्रोसेसिंग शुरू होगी, जिससे बिना भाग-दौड़ के काम होगा। दस्तावेजों में ढील दी गई है। अब क्यूआर कोड वाले मृत्यु प्रमाण पत्र और तहसीलदार लेवल के सर्टिफिकेट भी मान्य होंगे। आवेदन मिलने के बाद 21 दिनों के अंदर क्लेम प्रोसेस करना अनिवार्य होगा।

नए नियमों में क्या होगा?

प्रस्ताव के अनुसार मृत्यु प्रमाण पत्र के तौर पर अब मूल सर्टिफिकेट, नॉमिनी द्वारा वेरिफाइड कॉपी, नोटरी या गजटेड ऑफिसर से अटेस्टेड कॉपी या क्यूआर कोड वाला सर्टिफिकेट मान्य होगा। कानूनी वारिस होने का प्रमाण पत्र तहसीलदार या उससे ऊंचे पद के अधिकारी की ओर जारी किया जाना चाहिए। सेबी ने छोटे दावों के लिए एक नया एसटीपी सिस्टम प्रस्तावित किया है। इसका मकसद ये है कि जहां कागजात बनवाने का खर्च निवेश की वैल्यू से ज्यादा हो, वहां राहत मिल सके। प्रस्ताव के मुताबिक फिजिकल शेयरों के लिए 10,000 रुपये और डीमैट शेयरों के लिए 30,000 रुपये तक के क्लेम STP के जरिए तुरंत निपटाए जाएंगे। वहीं आसान कागजी कार्रवाई की सीमा फिजिकल होल्डिंग के लिए बढ़ाकर 10 लाख रुपये और डीमैट होल्डिंग के लिए 30 लाख रुपये करने का प्रस्ताव है। कंपनियां चाहें तो फिजिकल शेयरों के लिए 10 लाख की इस सीमा को और भी बढ़ा सकती हैं।

अगर किसी निवेश में नॉमिनी पहले से तय है, तो प्रक्रिया और सरल होगी। नॉमिनी को बस एक फॉर्म, डीमैट अकाउंट की डिटेल (CML), मृत्यु प्रमाण पत्र और आईडी प्रूफ देना होगा। इससे क्लेम जल्दी निपट जाएंगे।

नॉमिनी या वसीयत नहीं है तो?

जिन मामलों में नॉमिनी या वसीयत नहीं है, वहां सेबी ने जोखिम के आधार पर अलग-अलग नियम बनाए हैं। छोटे दावों (STP के तहत) के लिए सिर्फ बेसिक फॉर्म और आईडी देनी होगी। उससे बड़े लेकिन तय सीमा के भीतर वाले दावों के लिए क्षतिपूर्ति बॉण्ड और अन्य वारिसों से एनओसी की जरूरत होगी।

सेबी ने कहा कि सभी जरूरी दस्तावेज मिलने के 21 दिनों के भीतर क्लेम का निपटारा हो जाना चाहिए।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
यह दिन आपके करियर में भावनात्मक बुद्धिमत्ता को प्रोत्साहित करता है, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। संचार में लचीलापन प्रगति का समर्थन करता है, जबकि तार्किक मानसिकता आपको स्पष्ट सोच और संरचित योजना के माध्यम से स्थिर प्रगति करने में मदद करती है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आप अपने कामकाजी जीवन में ऊर्जावान महसूस करते हैं, और अंतर्ज्ञान आपके निर्णयों का मार्गदर्शन करता है। सावधानीपूर्वक योजना और तार्किक सोच आपके कार्यों में सहायक होती है। आपका दिमाग तेज़ है और दूरदर्शिता आपको आसानी से अनुकूलन करने में मदद करती है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
जिन परियोजनाओं पर आप लम्बे समय से लग्न के साथ कार्य कर रहे थे , इस मोड़ पर आप उन्हें सार्वजनिक कर सकते है, और इस तरह से आप अपनी शैली में मंच पर आगे की और शान से रुख कर सकते है । आपके काम की विशिष्टता आपको सम्मान दिलाएगी जब यह सबके सामने आएगी , हालांकि गोपनीयता बना कर रखना समय की मांग है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपके कार्य जीवन में सौभाग्यपूर्ण निर्णयों और आत्मविश्वासपूर्ण कार्यों से लाभ हो सकता है, जिससे प्रगति और सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। ऐसे महत्वपूर्ण मोड़ की अपेक्षा करें जो आपको अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करें। हालाँकि, लापरवाही और आवेगपूर्ण ईमानदारी से बचें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप काम पर एक मजबूत छाप छोड़ते हैं और आसानी से सूक्ष्म संकेतों को समझ लेते हैं। रचनात्मक कार्यों में आपकी कलात्मक समझ का लाभ मिलता है, और आप दूसरों, खासकर महिलाओं के साथ अच्छी तरह से जुड़ते हैं। तीव्र भावनाएँ आपको विचलित कर सकती हैं, इसलिए अतिशयोक्ति से बचें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प आज आपको केंद्रित रहने में मदद करते हैं। आपकी महत्वाकांक्षा मजबूत है, और स्पष्ट सोच आपके सीखने और संचार का समर्थन करती है। जल्दबाजी या आवेगपूर्ण निर्णय न लें, क्योंकि इससे संघर्ष हो सकता है। अपने काम या पढ़ाई में लगातार प्रगति करने के लिए शांत और विचारशील रहें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपका आत्मविश्वास और महत्वाकांक्षा मजबूत है, जो आपको काम और पढ़ाई में आगे बढ़ने में मदद करेगी। आपकी सोच तेज है, लेकिन आप बहस करने या गलती खोजने में तेज हो सकते हैं। अपने प्रेरक कौशल का बुद्धिमानी से उपयोग करें और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखें, भले ही दूसरे आपके विचारों को चुनौती दें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
दिन की संवेदनशील ऊर्जा आपको अपने प्रियजनों के प्रति सुरक्षात्मक होने के लिए प्रोत्साहित करती है। जल्दी से अनुकूल होने की प्रकृति एक दोहरी प्रकृति का मूड लाती है, जिससे आप असंगत महसूस करते हैं। संबंधों पर ध्यान दें और अतिभोग से बचें। हालाँकि, रोमांटिक हितों में अहंकार का तनाव सामने आ सकता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है परन्तु आपको अपने निवेश को लेकर सतर्क रहना होगा । आज के दिन अगर आप वाहन , दवाई या सौन्दर्य प्रसाधन उद्योग में निवेश करेंगे तो वो काफी फायदेमंद साबित होगा । ये बहुत जरुरी है की आप अपने निवेश को दोबारा परखे और जहा जरुरी हो उसमे बदलाव लाये जिससे की आपकी लाभ की सीमा बढे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
काम के प्रति आपका सहज दृष्टिकोण बढ़ा हुआ है, जबकि तीक्ष्ण विश्लेषणात्मक कौशल परियोजनाओं और कार्यों को विस्तृत, सावधानीपूर्वक संभालने में सहायता करते हैं। अपने अहंकार को सफलतापूर्वक संलग्न करें और चुनौतियों से निपटने के लिए अपने दिमाग का उपयोग करें।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपकी महत्वाकांक्षाएँ ऊर्जावान हैं, जो आपको आत्मविश्वास और रचनात्मकता के साथ लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करती हैं। अंतर्ज्ञान आपको सूक्ष्म गतिशीलता से निपटने में मदद करता है, खासकर जब काम या पढ़ाई में चुनौतियाँ आती हैं। अवसर अप्रत्याशित रूप से सामने आ सकते हैं।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
भावनात्मक गहराई आपके करियर को समृद्ध बनाती है, जबकि तीक्ष्ण विश्लेषणात्मक कौशल आपके काम में सटीकता का समर्थन करते हैं। तार्किक सोच आपको कार्यों को प्रभावी ढंग से संभालने में मदद करती है, हालांकि कुछ अवरोध आपकी गति को धीमा कर सकते हैं। व्यवस्थित और केंद्रित रहें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सोना 1,748 गिरकर 1.58 लाख का हुआ

1kg चांदी 8,350 सस्ती होकर 2.60 लाख पर आई, ईरान जंग का असर

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग की वजह से चांदी-सोने में आज 13 मार्च को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,748 रुपए गिरकर 1.58 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले 12 मार्च को सोना 1,60 लाख रुपए प्रति 10g था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 8,350 रुपए घटकर 2.60 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.68 लाख रुपए किलो थी।

ऑल टाइम हाई से 1.26 लाख रुपए गिरी चांदी- इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2026 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे।

एलपीजी संकट- पंजाब में सिलेंडर लेकर भाग रहे हैं

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में एलपीजी की किल्लत हो गई है। गैस एजेंसियों के बाहर लम्बी लाइनें हैं। गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी भी हो रही है। कई जगहों पर 2 हजार का कॉमर्शियल सिलेंडर 4 हजार में बिक रहा है। वहीं पंजाब में लोग सिलेंडर लेकर भागते नजर आए। केरल में करीब 40% रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर है। उधर, दिल्ली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एलपीजी सप्लाई की बिगड़ी स्थिति को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। राजस्थान में प्रदर्शन करते हुए सिलेंडर की शवयात्रा निकाली गई।

राजस्थानः गैस सप्लाई ठप, सिलेंडर की शवयात्रा निकाली

होटल-रेस्टोरेंट में गैस का स्टॉक खत्म होने से बिजनेस ठप होने लगे हैं। कई जगह ताले भी लटकने लगे हैं। वहीं कोटा समेत कई शहरों में हॉस्टल मेस और ढाबों में मजबूरी में लकड़ी, कोयले और इलेक्ट्रिक चूल्हों पर खाना बनाया जा रहा है। कई शहरों में एजेंसियों पर सुबह 5 बजे से ही लंबी लाइनें लग रही हैं और सिलेंडर न मिलने पर लोगों की पुलिस से झड़प तक हो रही है। इस संकट के बीच सिलेंडर की कालाबाजारी भी हो रही है, जिसके विरोध में कांग्रेस ने जयपुर में सिलेंडर की शवयात्रा निकाली।

उत्तर प्रदेशः चूड़ी से लेकर पेठा फैक्ट्रियां तक बंद

यूपी में फैक्ट्रियों को गैस सप्लाई नहीं हो रही है। इसका असर पॉटरी, चूड़ी से लेकर पेठा फैक्ट्रियों तक पड़ रहा। बुलंदशहर में एशिया के सबसे बड़े पॉटरी उद्योग पर पड़ा है। यहां 300-325 यूनिट में से 95% पॉटरी यूनिट बंद हैं। 30 हजार से ज्यादा वर्कर्स बेरोजगार हो गए हैं।

यही हाल फिरोजाबाद में बनने वाली चूड़ियों और आगरा की पेठा फैक्ट्रियों का है। गैस की सप्लाई नहीं मिलने से भट्ठियां बंद हैं। 55 बड़ी फैक्ट्रियों में से 40 बंद हो चुकी हैं। अगर गैस की सप्लाई शुरू नहीं हुई तो आगरा में बनने वाली चांदी की पायल पर भी संकट आ सकता है।

मध्य प्रदेशः एलपीजी की ऑनलाइन बुकिंग ठप...वेटिंग 7-8 दिन बढ़ी

मध्य प्रदेश में एलपीजी सिलेंडर की ऑनलाइन बुकिंग लगभग ठप है। सर्वर डाउन होने से भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन, जबलपुर समेत पूरे प्रदेश में लोग सिलेंडर की बुकिंग नहीं कर पा रहे हैं। वेटिंग 7 से 8 दिन तक पहुंच गई है। गैस एजेंसियों में लोगों की भीड़ लगी हुई है। इधर गैस की किल्लत के बीच इंडक्शन की कीमतें दोगुनी हो गई हैं। भोपाल में इसकी बिक्री 7 गुना तक बढ़ गई है। वहीं 50 हजार होटल-रेस्टॉरेंट में गैस खत्म होने के कगार पर है।

सेंसेक्स 1470 अंक गिरकर 74,564 पर बंद

निफ्टी में 488 अंकों की गिरावट; मेटल, ऑटो और बैंकिंग शेयर्स सबसे ज्यादा टूटे

मुंबई, 13 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के बीच शेयर बाजार में आज यानी 12 मार्च को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही। सेंसेक्स 1470 अंक (1.93%) की गिरावट के साथ 74,564 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 488 अंक (2.06%) की गिरावट रही, ये 23,151 पर आ गया है। आज मेटल, ऑटो और बैंकिंग शेयर्स में सबसे ज्यादा गिरावट रही।

बाजार गिरने की 3 मुख्य वजहें

अमेरिका-इजराइल और ईरान युद्ध से सप्लाई चेन बिगड़ गई है।

कच्चे तेल के दाम बढ़ने से भारत का इंपोर्ट बिल और महंगाई बढ़ेगी।

अमेरिका और एशियाई बाजारों में गिरावट का असर भारत पर।

एशियाई बाजार अपडेट

साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.72% गिरकर 5,487 पर बंद हुआ।

जापान का निक्केई इंडेक्स 1.16% गिरकर 53,819 पर बंद हुआ।

कहीं कंधे पर सिलेंडर तो कहीं चूल्हे पर सेंकी रोटी
एलपीजी संकट पर कांग्रेस का अनोखा प्रदर्शन

जयपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में एलपीजी सिलेंडर की कमी और बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस में आक्रोश व्याप्त है। प्रदेशभर में कांग्रेस ने शुक्रवार को सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध-प्रदर्शन किया। कहीं जिलाध्यक्ष कंधे पर सिलेंडर उठाकर पहुंचे तो कहीं पूर्व मंत्री ठेला लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। वहीं, पाली में कांग्रेस नेताओं ने कलेक्ट्रेट के सामने चूल्हा जलाकर चाय बनाई और रोटी सेककर अनोखे अंदाज में विरोध जताया।

राजधानी जयपुर में रसोई गैस की किल्लत और बढ़ती महंगाई के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से शुक्रवार सुबह 10 बजे चांदपोल स्थित संजय सर्कल पर धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील शर्मा ने कहा कि केन्द्र सरकार की गलत विदेश नीतियों के कारण देश में ईंधन का संकट पैदा हो गया है और महंगाई बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि देश में एलपीजी की कमी से लोग परेशान हैं, लेकिन सरकार समस्या स्वीकार करने की बजाय बयानबाज़ी में लगी हुई है। यह सरकार की बड़ी विफलता है कि लोग गैस सिलेंडर के लिए कतारों में खड़े हैं, जबकि समाधान की दिशा में ठोस कदम दिखाई नहीं दे रहे।

सिलेंडर उठाकर धरना स्थल पर पहुंचे नेता

नागौर में जिला कांग्रेस अध्यक्ष हनुमानराम बांगड़ा सिलेंडर उठाकर धरना स्थल पर पहुंचे। वहीं, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पीएम मोदी का पुतला फूंका। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि लगातार बढ़ती गैस की कीमतों से आम आदमी का बजट बिगड़ गया है।

महिलाओं ने सिगड़ी पर सब्जी बनाकर किया प्रदर्शन

अजमेर के ज्योतिबा फुले सर्किल से कलक्ट्रेट तक कांग्रेस ने रैली निकाली। कलेक्ट्रेट घेराव के दौरान कांग्रेस बैरिकेड्स पर चढ़ गए और जमकर नारेबाजी की। पूर्व मंत्री रघु शर्मा ठेले पर गैस की टंकी लेकर कलक्ट्रेट पहुंचे। वहीं महिलाओं ने सिगड़ी पर सब्जी बनाकर प्रदर्शन किया। शहर अध्यक्ष डॉ. राजकुमार जयपाल और ग्रामीण अध्यक्ष विधायक विकास चौधरी के नेतृत्व में यहां प्रदर्शन किया गया।

इधर, अजमेर शहर में अलग-अलग गैस एजेंसियों के बाहर लोग बुकिंग नहीं होने पर सिलेंडर नहीं मिलने से नाराज दिखाई दिए। शिकायतें सामने आने के बाद अजमेर कलक्टर लोकबंधु और एसपी बंदिता राणा ने शहर के अलग-अलग गैस एजेंसियों का जायजा लिया और एजेंसी संचालकों को जल्द समाधान के निर्देश दिए।

चूल्हे पर चाय और रोटी बनाकर प्रदर्शन

पाली में कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ अनोखे तरीके से प्रदर्शन किया। कांग्रेस महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष एश्वर्या सांखला के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलक्ट्रेट के सामने खाली सिलेंडर उल्टे रखकर चूल्हे पर चाय और रोटी बनाई। इसके बाद पुतला फूंका और केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

अलवर में नाले में पाइप डालकर चूल्हा जलाने की कोशिश

अलवर में मिनी सचिवालय के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धरना दिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने नाले में पाइप डालकर चूल्हा जलाने की कोशिश की। साथ ही हाथों में तख्तियां लेकर आए कार्यकर्ताओं ने गैस संकट और बढ़ती महंगाई के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं, जिला कांग्रेस कमेटी खैरथल तिजारा द्वारा बढ़ती गैस की कीमतों से आमजन को हो रही परेशानियों को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया।

धौलपुर में केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी

धौलपुर में गांधी पार्क में आयोजित विरोध-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए रसोई गैस के दाम कम करने की मांग की। उन्होंने गैस सिलेंडरों की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

इस दौरान बसेड़ी विधायक संजय जाटव, धौलपुर विधायक शोभा रानी कुशवाहा, जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ गुड्डू लोधा, पूर्व जिला अध्यक्ष साकेत बिहारी शर्मा और कांग्रेस नेता अमित मुदगल सहित कई कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसके अलावर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार कोटा शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा बढ़ती गैस की कीमतों से आमजन को हो रही परेशानियों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया।

बालोतरा फैक्ट्री हादसा: स्लज टैंक की सफाई में उतरे 3 मजदूरों की मौत
अस्पताल में मची अफरा-तफरी

बालोतरा, 13 मार्च (एजेंसियां)। बालोतरा शहर के रीको इंडस्ट्रियल एरिया के तीसरे फेस स्थित एक निजी कपड़ा फैक्ट्री में शुक्रवार को दर्दनाक हादसा हो गया। फैक्ट्री के स्लज टैंक की सफाई के दौरान उसमें उतरे तीन मजदूरों की तबीयत अचानक बिगड़ने से मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और परिजनों व स्थानीय लोगों की भीड़ नाहटा जिला अस्पताल में जमा हो गई।

जानकारी के अनुसार फैक्ट्री में बने स्लज टैंक की सफाई का कार्य चल रहा था। सफाई के दौरान तीन मजदूर टैंक के अंदर उतरकर काम कर रहे थे। इसी दौरान टैंक के अंदर अचानक जहरीली गैस फैलने से तीनों की तबीयत बिगड़ गई। मजदूरों के बेहोश होने पर उन्हें तुरंत बाहर निकाला गया और आनन-फानन में नाहटा जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया।

हादसे में मृत मजदूरों की पहचान गुमनाराम (30), श्रवण (25) और विशंभर (54) के रूप में हुई है। तीनों मजदूर फैक्ट्री में सफाई कार्य कर रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन और बड़ी संख्या में लोग अस्पताल पहुंच गए, जिससे वहां माहौल गमगीन हो गया।

एसडीएम-डीएसपी पहुंचे जिला अस्पताल

स्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी अस्पताल पहुंच गया और सुरक्षा के इंतजाम किए गए। मौके पर एसडीएम और डीएसपी सहित प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। पुलिस ने शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। प्राथमिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि टैंक के अंदर जहरीली गैस के कारण मजदूरों का दम घुट गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अध्यापक भर्ती में खिलाड़ी कोटे में फर्जीवाड़ा
एसओजी ने 14 जिलों में मारा छापा, 20 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। भर्ती परीक्षाओं में फर्जीवाड़े के खिलाफ एसओजी की ताबड़तोड़ कार्रवाई लगातार जारी है. एसओजी ने तृतीय श्रेणी अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा करके उत्कृष्ट खिलाड़ी कोटे से नौकरी प्राप्त करने के प्रयास का खुलासा किया है. तायक्वांडो खेल के फर्जी प्रमाण पत्र और फर्जी सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर नौकरी प्राप्त करने का प्रयास करने के मामले में एसओजी ने 19 अभ्यर्थी और 1 अन्य आरोपी समेत 20 लोगों को गिरफ्तार किया है.

एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि तायक्वांडो खेल के फर्जी प्रमाण पत्र और फर्जी सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर वर्ष 2022 की तृतीय श्रेणी अध्यापक सीधी भर्ती परीक्षा में उत्कृष्ट खिलाड़ी कोटे से नौकरी प्राप्त करने के प्रयास के मामले में एसओजी ने बड़ी कार्रवाई की है. मामले में 19 अभ्यर्थियों सहित कुल 20 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. 12 मार्च 2026 को राजस्थान के 14 जिलों और हरियाणा में एक स्थान पर एसओजी की ओर से एक साथ सामूहिक रेड की गई. इस दौरान फर्जीवाड़े में शामिल 19 अभ्यर्थियों और 1 अन्य आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई है.

ऐसे खुला राजः एडीजी विशाल बंसल ने बताया कि एसओजी की ओर से विभिन्न प्रकरणों में पेपर लीक माफिया और भर्ती प्रक्रियाओं में अनुचित साधनों के उपयोग के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है. इसी क्रम में डीआईजी परिस अनिल देशमुख के नेतृत्व में एसओजी की टीम जांच कर रही थी. जांच के दौरान एक आरोपी के मोबाइल में तायक्वांडो फेडरेशन के नाम से भेजे गए ईमेल का स्क्रीनशॉट प्राप्त हुआ, जिसमें 39 अभ्यर्थियों के खेल प्रमाण पत्र का सत्यापन कर रिपोर्ट शिक्षा विभाग को भेजे जाने का उल्लेख था.

ईमेल की जांचः एडीजी ने बताया कि जब इस ईमेल का बारीकी से परीक्षण किया गया, तो इसमें सेक्रटरी शब्द की स्पेलिंग गलत पाई गई, जिससे संदेह पैदा हुआ कि इतने बड़े फेडरेशन के आधिकारिक ईमेल में ऐसी त्रुटि कैसे हो सकती है. एसओजी की ओर से इस संदिग्ध ईमेल की जांच करते हुए जीमेल को पत्र लिखकर ईमेल आईडी के निर्माण और उपयोग संबंधी जानकारी मांगी गई. साथ ही तायक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया से पत्राचार कर उनकी कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों की सूची प्राप्त की गई.

भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर बड़ी कार्रवाई
तस्करों पर एंटी नारकोटिक्स टीम ने की फायरिंग, दो गिरफ्तार

जालोर, 13 मार्च (एजेंसियां)। एंटी नारकोटिक्स टीम (एएनटीएफ) ने सांचौर के निकट लाछड़ी-जाजुसन भारतमाला एक्सप्रेस वे पर बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए 80 किलो 724 ग्राम अफीम का दूध बरामद किया। साथ ही मौके से दो तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी पाली जिले के हैं।

मौके से गाड़ी को जब्त करने के साथ घर की तलाशी में 17 लाख 50 हजार रुपए बरामद हुए। एएनटीएफ महानिरीक्षक विकास कुमार ने बताया कि बड़े स्तर पर अफीम तस्करी की सूचना पर कार्रवाई को अंजाम दिया गया। एएनटीएफ टीम जालोर को सूचना मिली थी कि पाली से सांचौर में अवैध अफीम की खेप बड़ी मात्रा में सप्लाई होने वाली है। सूचना पर टीम भारतमाला टोल सांचौर पहुंची।

तस्करों की गाड़ी पंक्चर की

मुखबिर से मिली सूचना के अनुसार एक गाड़ी भारतमाला टोल की तरफ आती दिखाई दी। टीम सतर्क हो गई और स्टॉपर स्टिक की सहायता से तस्करों की गाड़ी पंक्चर कर दी। फिर भी तस्करों ने भागने के लिए वाहनों को टक्कर मारी और भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने फायर किया, जिससे तस्कर घबरा गए और अपनी गाड़ी रोक दी। इसके बाद एएनटीएफ टीम ने अवैध मादक पदार्थ अफीम के साथ आरोपियों को पकड़ लिया। गाड़ी से 80 किलो 724 ग्राम अफीम का दूध बरामद किया गया।

बड़ी बरामदगी से कई सवाल खड़े

मौके से गिरफ्तार तस्कर श्रवण कुमार सियाग और सुरजाराम सियाग, दोनों निवासी भाणिया, पुलिस थाना शिवपुर, जिला पाली के हैं। टीम आरोपियों से भारी मात्रा में अफीम का दूध बरामद होने के मामले में पूछताछ कर रही है। अफीम के दूध की करीब 81 किलो बरामदगी बड़े सवाल खड़े करती है।

संभवतः जिले में अफीम के दूध की तस्करी के मामले में यह सबसे बड़ी बरामदगी है। मामले में अहम पक्ष यह है कि अफीम और डोडा के बंधाणी जालोर, सांचौर और बाड़मेर जिले में बड़ी संख्या में हैं। ऐसे में यह सवाल भी अहम है कि ये तस्कर भारी मात्रा में अफीम की सप्लाई किसे देने पहुंचे थे। यही नहीं, यह अफीम तस्कर कहां से लेकर पहुंचे थे।

अगले 2-3 दिन अंधड़ और बारिश की संभावना

अलवर, 13 मार्च (एजेंसियां)। अलवर जिले में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदलने वाला है। पश्चिमी विक्षोभ के असर के चलते अगले दो से तीन दिनों तक जिले में अंधड़ के साथ बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार इस दौरान आसमान में बादल छाए रह सकते हैं और कई क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश भी हो सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि आगामी 10 से 12 दिनों के भीतर दो नए वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होने की संभावना है। इन मौसम प्रणालियों के प्रभाव से राजस्थान के कई हिस्सों में मौसम में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। बादल छाने, हल्की बारिश और बूंदाबांदी के कारण तापमान में भी ज्यादा बढ़ोतरी नहीं होगी। विशेषज्ञों के अनुसार इन दोनों सिस्टम के प्रभाव से राज्य में अगले करीब दो सप्ताह तक गर्मी सामान्य रहने की उम्मीद है। दिन के तापमान में अचानक बढ़ोतरी नहीं होगी और मौसम अपेक्षाकृत सुहावना बना रह सकता है। मौसम विभाग ने लोगों को अंधड़ के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी है। खासकर खुले स्थानों में खड़े पेड़, बिजली के खंभों और कमजोर निर्माण के आसपास सतर्क रहने को कहा गया है।

सांचौर में आगजनी की सनसनीखेज घटना
युवक ने गेहूं की फसल और बोलेरो कैंपर को लगाई आग

जालौर, 13 मार्च (एजेंसियां)। जालौर जिले के सांचौर क्षेत्र में आगजनी की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवक ने पहले अपने पड़ोसी की गेहूं की फसल में आग लगा दी। इसके बाद आग बुझाने के लिए रुकी एक बोलेरो कैंपर को भी आग के हवाले कर दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोपी युवक को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

जानकारी के अनुसार सांचौर उपखंड के चितलवाना क्षेत्र के खांभराई गांव में यह घटना हुई। गांव के ही युवक पदमाराम ने अपने पड़ोसी मेघाराम की इकट्ठा कर रखी गेहूं की फसल में आग लगा दी। आग लगने के बाद खेत में तेज धुआं और लपटें उठने लगीं। यह देखकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश करने लगे।

इसी दौरान पीथाबेरी निवासी मूलाराम सुथार अपने साथियों के साथ बोलेरो कैंपर से वहां से गुजर रहे थे। बताया जा रहा है कि वे खांभराई गांव से फसल कटाई के लिए मजदूर लेने जा रहे थे। रास्ते में खेत में आग लगी देखकर उन्होंने अपनी गाड़ी रोक दी और ग्रामीणों के साथ मिलकर आग बुझाने में मदद करने लगे। लेकिन इसी बीच आरोपी पदमाराम ने अचानक बोलेरो कैंपर में भी आग लगा दी। देखते ही देखते गाड़ी से तेज लपटें उठने लगीं और वाहन जलने लगा। घटना से वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।

तहसीलदार ने रिश्वत में मांगा एसी और प्रति बीघा 10 हजार
एसीबी ने हजारों रुपए घूस लेते 3 लोगों को दबोचा

भीलवाड़ा, 13 मार्च (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले के आसींद क्षेत्र के अंटाली तहसील कार्यालय में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (इंटेलिजेंसी) अजमेर की टीम ने बड़ी कार्रवाई की। ब्यूरो ने लीज डीड जारी करवाने के एवज में साठ हजार रुपए की घूस लेने के आरोप में अंटाली तहसीलदार गणेश कच्छावा के साथ ही पंजीयक बाबू हनुमान सहाय मीणा और ई मित्र सचालक हेमराज खटीक को गिरफ्तार किया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अजमेर (इंटेलिजेंसी) इकाई को शिकायत मिली कि परिवादी तहसील अंटाली में जवानपुरा में अपनी फर्म के लिए लीज पर ली

गई जमीन की लीज डीड रजिस्ट्रेशन के लिए ई-मित्र संचालक हेमराज खटीक से मिला। उसने कहा कि इसके लिए तहसीलदार गणेश कच्छावा से मीटिंग करनी होगी।

इसके उपरांत परिवादी फिर ई-मित्र संचालक से मिला। इस पर उसने कहा कि आपकी मीटिंग करवा देता हूं। साहब ने एक एसी और प्रति बीघा 10 हजार रुपए के लिए बोला है। उनसे मिलकर आवेदन कर दो आपका काम जल्दी हो जाएगा।

इस पर एसीबी अजमेर पुलिस अधीक्षक महावीर सिंह राणावत के सुपरविजन में ब्यूरो की निरीक्षक कंचन भाटी की टीम ने जाल बिछाया। शिकायत का सत्यापन होने पर एसीबी टीम अंटाली पहुंची। यहां परिवादी ने साठ हजार रुपए की राशि अंटाली तहसील कार्यालय के सामने ई-मित्र केंद्र पर संचालक हेमराज खटीक को दी।

हेमराज ने यह राशि टेबल की दराज में रख दी। एसीबी की टीम ने घेराबंदी कर हेमराज को दबोचते हुए राशि जब्त कर ली। हेमराज के राशि लेने के उपरांत हुई बातचीत के आधार पर तहसीलदार गणेश कच्छावा को भी गिरफ्तार कर लिया। अनुसंधान के दौरान तहसील कार्यालय के पंजीयक बाबू हनुमान सहाय मीणा की सहभागिता भी सामने आई। इस पर ब्यूरो टीम ने उसे भी पकड़ लिया। एसीबी टीम ने अंटाली तहसील कार्यालय में तीनों आरोपियों से पूछताछ की।

एक ही परिवार के 10 लोगों को उम्रकैद की सजा, 7 साल पुराना केस

कोटा, 13 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा शहर के सनसनीखेज मामले में 12 मार्च को बड़ा फैसला सुनाया गया। यहां जिले में सात साल पुराने हत्या के एक मामले में कोर्ट में सुनवाई करने के बाद एक ही परिवार के 10 लोगों को दोषी ठहराया गया। इसके बाद अदालत ने सभी दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक पर 40 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह मामला साल 2019 कैथून थाना क्षेत्र के गलाना गांव का है, जिसमें अभिमन्यु नाम के एक युवक की हत्या कर दी गई थी। मामले में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि यह हत्या आपसी रंजिश के चलते की हुई । एससी-एसटी विशिष्ट लोक अभियोजक रितेश मेवाड़ा के अनुसार वर्ष 2019 में गलाना गांव में पुलिस कांस्टेबल के भाई अभिमन्यु की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के पीछे गांव में निकले एक विजय जुलूस के दौरान हुई कहासुनी इस हत्याकांड की मुख्य वजह बनी। जानकारी के मुताबिक बालापुरा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के चुनाव में मेघराज नामक व्यक्ति अध्यक्ष चुना गया था। इसके बाद उसके समर्थन में गांव में विजय जुलूस निकाला जा रहा था। इसी दौरान अभिमन्यु का मेघराज से टकराव हो गया और दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इस घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया और रंजिश गहराती चली गई॥ बताया जाता है कि उसी रंजिश के चलते मेघराज के परिवार के लोगों ने अभिमन्यु और उसके परिवार पर हमला कर दिया। हमले के दौरान आरोपियों ने फायरिंग भी की। गोलीबारी के बीच एक गोली अभिमन्यु को जा लगी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मुर्गा चोरी के शक में दोस्त ने नाबालिगों के साथ मिलकर की हत्या, मारपीट के बाद कुएं में फेंका शव

बांसवाड़ा, 13 मार्च (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले के सज्जनगढ़ थाना क्षेत्र के टोड़ी कालू गांव में आठ दिन पहले कुएं में मिली अज्ञात व्यक्ति की लाश के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जांच में सामने आया कि मुर्गे चोरी करने के शक में मृतक के दोस्त ने दो नाबालिगों के साथ मिलकर उसकी बेरहमी से पिटाई की और तलवार से वार करने के बाद उसे कुएं में फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो नाबालिगों को डिटेन कर पूछताछ की जा रही है।

कुएं में मिली थी अज्ञात लाश

सज्जनगढ़ थानाधिकारी धनपत सिंह के अनुसार 4 मार्च को ग्रामीणों ने सूचना दी थी कि टोड़ी कालू गांव के एक कुएं में अज्ञात व्यक्ति की लाश पड़ी हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों तथा एसडीआरएफ की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मृतक की पहचान के लिए पुलिस ने सोशल मीडिया पर फोटो भी वायरल किए, लेकिन चार दिन तक शिनाख्त नहीं हो सकी। इसके बाद 8 मार्च को पोस्टमार्टम करवाकर नगर परिषद की मदद से शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

प्याज की फसल के बीच में अफीम की खेती
363 पौधे बरामद, किसान गिरफ्तार

जयपुर, 13 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर के किशनपुरा गांव में पुलिस ने प्याज की फसल के बीच उगाई जा रही अफीम की खेती का भंडाफोड़ किया. पुलिस ने खेत से 363 अफीम के पौधे बरामद कर उन्हें नष्ट कर दिया. इस मामले में खेत मालिक रामलाल शर्मा को गिरफ्तार किया गया है. आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है. राजस्थान की राजधानी जयपुर में पुलिस के नशा विरोधी अभियान के दौरान एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने सभी को चौंका दिया. यहां एक खेत में प्याज की फसल के बीच अवैध रूप से अफीम की खेती की जा रही थी. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए खेत से 363 अफीम के पौधे बरामद किए और आरोपी किसान को गिरफ्तार कर लिया. आरोपी ने अपनी करतूत को छिपाने के लिए बेहद चालाक तरीका अपनाया था. उसने अफीम के पौधों को इस तरह प्याज की फसल के बीच लगाया कि दूर से देखने पर खेत सामान्य फसल जैसा ही दिखाई दे.

साध्वी प्रेम बाईसा के बाद साधु महंत पारसनाथ की रहस्यमयी मौत

बाड़मेर, 13 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिमी राजस्थान में पिछले दिनों साध्वी प्रेम बाईसा केस में कई सवालों ने लोगों को हैरान किया था। केस में अभी भी ऐसे कई पहलू हैं, जो पुलिस की ओर से जांचे जा रहा है। इसी बीच एक बार फिर प्रदेश के इसी बेल्ट से हैरान करने वाली सूचना मिली है। यहां राजस्थान के बाड़मेर जिले में स्थित ऐतिहासिक झाक मठ के मठाधीश महंत पारसनाथ महाराज की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की खबर सामने आई है। उनका शव

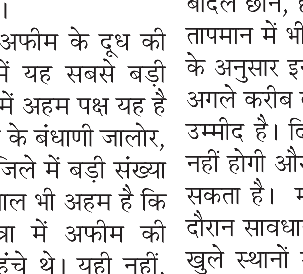

मठ परिसर में बने पानी के टांके (कुंड) में तैरता हुआ मिला। 57 वर्षीय महंत की अचानक हुई मौत से मठ के सेवकों, ग्रामीणों और श्रद्धालुओं में हैरानी और चिंता का माहौल है।

मठ के सेवकों के अनुसार, 12 मार्च की सुबह करीब 5 बजे वे रोज की तरह टांके से पानी लेने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि कुंड के पानी में महंत पारस नाथ महाराज का शव तैर रहा है। इसके बाद उनकी बॉडी को बाहर निकाला गया। बॉडी बाहर निकाले जाने के बाद यह पता चला कि उनकी मौत हो चुकी है। यह दृश्य देखकर सेवक घबरा गए और तुरंत मठ के अन्य लोगों तथा गांव वालों को इसकी सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

राज्यपाल ने एसएससी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने इस वर्ष एसएससी परीक्षाओं में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ परीक्षाओं का सामना करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि परीक्षा केवल तनाव का कारण नहीं, बल्कि अपने ज्ञान और सीखने की क्षमता को प्रदर्शित करने का अवसर है। उन्होंने विद्यार्थियों को शांत रहने, समय का सही प्रबंधन करने और अपनी पूरी क्षमता देने की सलाह दी। साथ ही राज्यपाल ने माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनका सहयोग और मार्गदर्शन विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी परीक्षार्थियों की शैक्षणिक सफलता की कामना की।

टीजीआरटीसी अस्पताल में चिकित्सा सेवाओं में सुधार

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना टीजीआरटीसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक वाई. नागिरेड्डी के नेतृत्व में तारनाका टीजीआरटीसी अस्पताल में चिकित्सा सेवाओं में सुधार किया गया।

कैन फिन होम्स, कैनरा बैंक की सहायक संस्था, ने 20 लाख रुपये मूल्य की मोबाइल डिजिटल पोर्टेबल एक्स-रे मशीन अस्पताल को दान की। उद्घाटन समारोह में बैंक के तेलंगाना क्षेत्रीय प्रमुख गुड़ा लक्ष्मण और अस्पताल अधीक्षक एन. सैला मूर्ति ने मशीन का औपचारिक शुभारंभ किया। इस मशीन से मरीजों को बेडसाइड पर ही एक्स-रे की सुविधा मिलेगी, जिससे निदान और उपचार में तेजी आएगी।

साइबर अपराधों को रोकने में जन भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण : सज्जनार

साइबर क्राइम रोकथाम के लिए वॉलंटियर कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वी.सी. सज्जनर ने नागरिकों से अपील की है कि वे साइबर अपराधों के शिकार हो रहे लोगों की मदद करें और समाज में साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। हैदराबाद के बंजारा हिल्स में टीजीआईसीसीसी ऑडिटोरियम में 'साइबर सिंबा' वॉलंटियर ओरीएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कमिश्नर सज्जनर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों को रोकने में जनता की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से 'जागरूक हैदराबाद-सुरक्षित हैदराबाद' अभियान के तहत 'साइबर सिंबा' वॉलंटियर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। कमिश्नर ने सुझाव दिया कि वाट्सऐप ग्रुप में केवल 'गुड मॉर्निंग' और 'गुड नाइट' संदेश साझा करने तक

सीमित न रहकर, साइबर सुरक्षा संबंधी जागरूकता संदेश साझा किए जाएं। उन्होंने बताया कि नवंबर 2025 में शुरू हुए इस कार्यक्रम में अब तक 1,717 वॉलंटियर शामिल हो चुके हैं और 5,118 डोर-टू-डोर अभियान के माध्यम से लगभग दो लाख लोगों को जागरूक किया जा चुका है। कमिश्नर ने चेताया कि डिजिटल धोखाधड़ी, ट्रेडिंग और निवेश के नाम पर साइबर अपराधी अब सेवानिवृत्त न्यायाधीशों और शिक्षित लोगों को भी ठगा रहे हैं। उन्होंने युवाओं और महिलाओं से कहा कि वे सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्तियों के प्रति अत्यंत सतर्क रहें। साइबर अपराध के शुरूआती घंटे को 'गोल्डन ऑवर' बताते हुए उन्होंने कहा कि इस समय में 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत करने से धन वापस पाने की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा, पुलिस स्टेशन जाने की आवश्यकता के बिना घर बैठे शिकायत दर्ज करने के लिए 'सी-मित्र' सेवा भी उपलब्ध कराई गई है। कमिश्नर ने कहा कि इस पहल से पहले रोजाना औसतन 80 शिकायतें आती थीं, जो अब घटकर 60 रह गई हैं, और यह लोगों में बढ़ती जागरूकता का संकेत है। उन्होंने इस अभियान को पूरे देश में फैलाने की इच्छा जताई और हैदराबाद को साइबर अपराध रहित शहर बनाने का लक्ष्य साझा किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त सीपी (क्राइम एवं एस.आई.टी) एम. श्रीनिवास, डीसीपी ए. अरविंद बाबू, एस. चैतन्य कुमार, जी. चंद्रमोहन, बी. राजेश, श्रीमती लावण्या नायक जादव सहित अन्य पुलिस अधिकारियों और वॉलंटियरों ने भाग लिया।

बिजली के झटके से 10 वर्षीय बच्चे की मौत

वारंगल, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नरसाम्पेट नगरपालिका के मदनपेट क्षेत्र में शुक्रवार को बिजली का करंट लगने से 10 वर्षीय बालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान दुडाला अभिनव के रूप में हुई है, जो अपने एक मित्र के घर आयोजित पारिवारिक समारोह में शामिल होने गया था।

बताया गया कि दोस्तों के साथ खेलते समय गलती से उसका हाथ खुले बिजली के तार से छू गया, जिससे उसे तेज झटका लगा। परिजन तुरत उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे की अचानक मौत से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस ने घटना के संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बीजेपी ने गरीबों के घरों के ध्वस्तीकरण का विरोध किया

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा के अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा मूसी नदी के पुनर्जीवन का समर्थन करती है, लेकिन गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के घरों के ध्वस्तीकरण के खिलाफ सख्त विरोध करेगी। राव ने मीडिया से बात करते हुए स्पष्ट किया कि भाजपा को मूसी परियोजना या नदी की सौंदर्यीकरण प्रस्तुतियों में कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन उन्होंने कहा कि विकास तब तक स्वीकार्य नहीं है जब तक मधुबन पार्क और विघ्नेश्वर कॉलोनी जैसे क्षेत्रों के निवासियों को विस्थापित किया जाए। राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता (जिनमें

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और मंत्री पोन्नम प्रभाकर शामिल हैं) भाजपा के रुख को लेकर भ्रम फैलाने वाले बयान दे रहे हैं। राव ने गुजरात में साबरमती नदी पुनर्जीवन परियोजना का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां विकास कार्य शुरू करने से पहले सभी परिवारों को पुनर्वास और वैकल्पिक आवास प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा को सरकार द्वारा महात्मा गांधी की विशाल मूर्ति या 'गांधी सरोवर' बनाने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन कोई भी परिवार बेघर नहीं होना चाहिए।

इसके अलावा, राव ने वैश्विक तनाव के कारण ईंधन की कमी के डर को खारिज करते हुए कहा कि भारत कई देशों से कच्चा तेल आयात करता है और केंद्र ने हॉरमेज जलसंधि के माध्यम से निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की है।

पंचायत सचिव रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने शुक्रवार को गदवाल जिले में एक पंचायत सचिव को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। जोगुलंबा गदवाल जिले के एकलासपुर गांव के पंचायत सचिव बोया रंगन्ना ने शिकायतकर्ता से घर निर्माण योजना की राशि जारी करने के लिए अवैध मांग की थी। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, रंगन्ना ने प्रारंभ में 20 हजार रुपये की मांग की थी, इंदिरामा हाउसिंग योजना के चार किश्तों के लिए प्रत्येक 5,000 रुपये। शिकायतकर्ता के अनुरोध पर उन्होंने 15 हजार रुपये स्वीकार करने पर सहमति दी। एसीबी ने बताया कि रंगन्ना को मंडल परिषद विकास अधिकारी (एमपीडीओ) कार्यालय में रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया और उनके कब्जे से रिश्वत की राशि जब्त कर ली गई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, पंचायत सचिव ने अपनी पद का दुरूपयोग करते हुए अवैध लाभ प्राप्त किया और शिकायतकर्ता की पत्नी के नाम पर घर निर्माण की पहली किश्त जारी करने तथा बाकी किश्तें बिना रोकटोक जारी करने में अनियमितता की। बोया रंगन्ना को गिरफ्तार कर विशेष न्यायालय एसपीई एवं एसीबी मामलों में पेश किया जाएगा। मामले की आगे की जांच जारी है। एसीबी ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी सरकारी अधिकारी द्वारा रिश्वत की मांग की सूचना तात्कालिक हेल्पलाइन 1064 पर दें।

OFFICE OF THE REVENUE DIVISIONAL OFFICER & LAND ACQUISITION OFFICER
TOOPRAN DIVISION OF MEDAK DISTRICT
THE RAILWAYS (AMANDMENT) 2008 POWER TO DECLARATIN OF ACQUISITION OF LAND UNDER SECTION 20(F)

No.C/343/2024 **Dated : 12.03.2026.**

Office of the Revenue Divisional Officer & Land Acquisition Officer, Toopran
Public Notice for inviting claims by interested persons (Under Section 20 (F))

Land Acquisition for Special Railway Project of Doubling of track between Mudkhed – Medchal (221.06 KM) is being carried out in Medak District. For this Project, land acquisition is taken up in Shankapur & Sheripally Villages of Narsingi Mandal, Chegunta & Wadiaram Villages of Chegunta Mandal, Masaipet Village and Mandal, Brahmanpally & Nagulapally Villages of Toopran Mandal, for which the Revenue Divisional Officer, Toopran is the Competent Authority.

The Declaration has been published under Section 20(E) on 10.10.2025. The Competent Authority shall make an Award under Section 20(F) within a period of one year from the date of publication of Declaration. Now a Public Notice in this regard is published as per section 20 (F) of Railway (Amendment) Act 2008 for inviting claims by interested persons.

The description of lands and affected persons are shown below. The affected persons, along with all persons interested are invited to submit their claims in the Office of Revenue Divisional Office, Toopran on 30.03.2026 between 11.00 A.M and 1.00 P.M. The details regarding the same are scheduled below.

SCHEDULE

Description of lands in acquisition: - Doubling track between Mudkhed – Medchal Section within the limits of Medak District Jurisdiction for passenger and freight facility.

Sl. No.	Name of the Village and Mandal	Name of the District	Name of the Land Holder	Sy. No.	Land Classification Patta/Govt.	Acquisition area (Acres-Gts)	Bore / Well	Constructions	Trees
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	Shankapur Village of Narsingi Mandal	Medak	Nenavath Meen W/o. Ramulu	547	Assigned	0.02	No	No	No
2			Nenavath Meen W/o. Ramulu	550	Assigned	0.01	No	No	No
3	Sheripally Village of Narsingi Mandal	Medak	Cherkam Shyamala W/o. Krishna	342	Assigned	0.0150	No	No	Tumma (1) Nilagiri (2)
						0.0450			
4	Wadiaram Village of Chegunta Mandal	Medak	Dispute Land (Waqf)	1	Waqf	0.0050	No	No	No
5	Chegunta Village & Mandal	Medak	Land Dispute (Golla Pedda Laxmi W/o. Mallesham)	324	P.P.	0.0050	No	No	No
6		Medak	Land Dispute (Are Hanumanth S/o. Papaiah)	322	P.P.	0.0075	No	No	No
7		Medak	Land Dispute (Golla Lalitha W/o. Raju)	322	P.P.		No	RCC building	No
8	Masaipet Village & Mandal	Medak	Narmata Laxmi W/o. Narsimulu	449	Patta	0.0175	1 Bore well	No	Neem Trees-8 Udugu Tree-2
9		Medak	Chandra Prakash Ranka S/o. Kanyala Ranka			0.0050	No	No	No
10		Medak	Sunkari Mahesh S/o. Maisaiah			0.0050	No	No	No
11		Medak	Shohan Lal Vaishnoyi S/o. Prahaladh Vaishnoyi			0.0050	No	No	No
12		Medak	Ayodya Pundarikam S/o. Narayana	59	Patta	0.01	No	No	No
13		Medak	Ayodya Sreedhar S/o. Ram Chandraiah			0.01	No	No	No
14	Masaipet Village of Mandal	Medak	Ayodya Pundarikam S/o. Narayana	56	Patta	0.0275	No	No	No
15		Medak	Ayodya Kavitha W/o. Srinivas		Patta	0.0275	No	No	No
16	Brahmanpalli Village of Toopran Mandal	Medak	Satya Kshetras Developers Rep. by Mudunuru Sivaprasad Venkatapatiraju	89	Patta	0.15	1 Bore well & Pipeline & Sump	Acc Roof, toilet, store room and Precast Compound wall	No
17	Nagulapally Village & Toopran Mandal	Medak	Sunkari Mahesh S/o Maisaiah	172	Patta	0.05	No	No	No
18			D. Ravindernath Goud S/o Shankaraiah Goud	173	Patta	0.05	No	No	No
19			M. Ravinder Reddy S/o Chendrashekar Reddy	174	Patta	0.0150	No	No	No
20			K. Devender Rao S/o Kishan Rao			0.0150	No	No	No
21			Madhu S/o Tulasi Ram			0.0050	No	No	No
22			K. Praneeth Reddy S/o Ganga Reddy			0.02	No	No	No
23			Jangampally Vaishnavi W/o Venkat Goud	158	Patta	0.0225	No	No	No
24			Gurram Lalitha W/o Ram Kishan			0.0050	No	No	No
25			Jangampally Vishnavi W/o Venkat Goud	159	Patta	0.0150	No	No	No
26			Gurram Lalitha W/o Ram Krishna			0.03	No	No	No
27			D. Ravindernath Goud S/o Shankaraiah Goud	160	Patta	0.0125	No	No	No
28			D. Ravindernath Goud S/o Shankaraiah Goud			0.0250	No	No	No
29			Haldi Canal	152	Patta	0.0250	No	No	No
30			Yesaboina Srishilam S/o Mallaiah			0.10	No	No	No
31			Haldi Canal	225	Govt.	0.0650	No	No	No
32			1. Kondi Yadamma W/o Kistaiah 2. Kondi Shivaiah		Assigned	0.0850	No	No	No
			Total Extent :			2.06			

Revenue Divisional Officer & Land Acquisition Officer, Toopran

कोयला खानों में स्क्रैप चोरी की घटनाओं में वृद्धि

पेद्दापल्ली, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगारेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) द्वारा संचालित खानों में स्क्रैप चोरी की घटनाएं बढ़ गई हैं। चोर भारी मशीनरी के बेकार पुर्जे, तांबे के केबल और अन्य लोहे की सामग्री चोरी कर रहे हैं। कुछ मामलों में सुरक्षाकर्मियों पर भी हमला किया गया है। हाल ही में 7 मार्च को रामागुंडम-III क्षेत्र की ओपनकास्ट प्रोजेक्ट-1 (ओसीपी-1) खदान में चोरी का प्रयास करते समय निजी सुरक्षा गार्ड बोज्जपल्ली श्री साई घायल हो गए। इसी तरह रामागुंडम-I और II क्षेत्रों में भी सुरक्षा कर्मियों पर हमला किया गया और वाहन क्षतिग्रस्त किए गए। चोरों ने जीडीके-2ए भूमिगत खदान में भी चोरी के इरादे से घुसने का प्रयास किया, लेकिन सतर्क पंप ऑपरेटर ने इसे रोका। कंपनी ने लगभग 900 स्थायी और 1,300 निजी सुरक्षा कर्मियों के साथ खदानों की सुरक्षा बढ़ा दी है और 3,500 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। इसके बावजूद चोर खुली खदान परियोजनाओं, भूमिगत खानों, कार्यशालाओं और गोदामों को निशाना बना रहे हैं। सूत्रों का आरोप है कि कुछ अंदरूनी लोग चोरी की जानकारी बाहरी लोगों को लीक कर रहे हैं।

भोजन विषाक्तता से 28 छात्र बीमार

कोत्तागुडेम, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के दम्मापेट मंडल में मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव के पैतृक गांव गंडुगुलापल्ली के एकलव्य मॉडल गुरुकुल स्कूल में भोजन विषाक्तता से 28 छात्र बीमार पड़ गए। बताया गया कि बुधवार को दोपहर के भोजन में चिकन खाने के बाद छात्रों को रात में पेट दर्द और दस्त की शिकायत हुई। स्कूल अधिकारियों ने शुरूआत में छात्रों को स्कूल परिसर में ही दवाइयां देकर इलाज करने की कोशिश की और मीडिया को छात्रावास के अंदर नहीं जाने दिया। प्रधानाचार्य ने दावा किया कि केवल 15 छात्र बीमार पड़े हैं और इसे परीक्षा तनाव से जोड़ा।

गुरुवार रात कुछ छात्रों की स्थिति बिगड़ने पर उन्हें खम्मम जिले के साथुपल्ली सरकारी अस्पताल और कुछ को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलने पर विधायक जारे आदि नारायण रात में स्कूल पहुंचे और कर्मचारियों पर गुप्त रखने के लिए नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि मामले की गहन जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। छात्रों की हालत अब स्थिर बताई जा रही है और कई को शुक्रवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

कवि हरिश्चन्द्र गुप्ता काव्यश्री सम्मान घनश्याम अग्रवाल को दिया जाएगा

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नगर की स्थापित संस्था, साँझ के साथी द्वारा संस्थापक सदस्य कवि हरीश्चन्द्र गुप्ता की स्मृति में प्रायोजित कवि हरीशचंद्र गुप्ता काव्यश्री सम्मान प्रदान किया जाएगा।

साँझ के साथी के सचिव नंदगोपाल भट्टड द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार स्व.हरीश्चन्द्र गुप्ता हैदराबाद की वाचिक परम्परा की प्रथम पीढ़ी के प्रमुख कवि के रूप में जाने जाते हैं। वर्ष 1960 तक हैदराबाद उर्दू मुशायरों के लिए जाना जाता था, हिन्दी के कवि-सम्मेलन यहां नहीं हुआ करते थे। स्व. गुप्ता ने कवि मित्रों के साथ मिलकर हिन्दी काव्य गोष्ठियों तथा कवि-सम्मेलनों का आयोजन किया। इस वर्ष यह सम्मान समकालीन हास्य व्यंग्य कवियों में प्रमुख कवि के रूप मे विख्यात अकोला महाराष्ट्र निवासी कवि घनश्याम अग्रवाल को दिया जाएगा। घनश्याम अग्रवाल को यह सम्मान रविवार, 15 मार्च को सांझ के साथी तथा केवल काव्य परिवार के सहयोग से, जन सेवा संघ द्वारा आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में प्रदान किया जाएगा। कवि सम्मेलन का संचालन साँझ के साथी के अध्यक्ष सुप्रसिद्ध कवि अजित गुप्ता करेंगे जबकि घनश्याम अग्रवाल अकोला, केवल कोठरी चेन्नई, अजय श्रीवास्तव मदहोश कानपुर, श्रीमती संतोष समप्रीती दिल्ली, सीमा त्रिवेदी मुंबई, कृष्णा राजपुरोहित दिल्ली, नरेंद्र राय, वेणुगोपाल भट्टड तथा ज्योति नारायण हैदराबाद अपनी कविताएं प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती ज्योति नारायण एवं सुनील श्रीवास्तव द्वारा किया जा रहा है।

एससीआरडब्लूडब्लूओ ने महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (एससीआरडब्लूडब्लूओ) ने आज रेल निलयम ऑडिटोरियम, सिकंदराबाद में अपने 66 महिला कर्मचारियों को उनकी निष्ठा और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रमाण पत्र और उपहारों के माध्यम से सम्मानित किया। इस अवसर पर वंदना श्रीवास्तव, अध्यक्ष, एससीआरडब्लूडब्लूओ, अमीता प्रकाश, उपाध्यक्ष, अपर्णा मुरली, सचिव, वैशाली खड़े, कोषाध्यक्ष, श्रीमती डी. मलाठी, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/कल्याण, एससीआरडब्लूडब्लूओ की कार्यकारिणी सदस्य और अन्य स्टाफ उपस्थित थे। वंदना श्रीवास्तव ने संबोधन में कर्मचारियों की मेहनत और भारतीय रेलवे के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हमें महिलाओं के अतीत के संघर्ष और बलिदानों की याद दिलाता है और यह भी दिखाता है कि शिक्षा और रोजगार में महिलाओं की प्रगति कितनी हुई है। उन्होंने जोर दिया कि महिलाओं को समान अवसर, सम्मान और सुरक्षा मिलनी चाहिए ताकि वे जीवन के सभी क्षेत्रों में तरक्की कर सकें। इस अवसर पर डी. मलाठी ने इस वर्ष के महिला दिवस के विषय गिव टू गेन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि आज महिलाओं की उपलब्धियां पिछले पीढ़ियों के प्रयासों और बलिदानों का परिणाम हैं। उन्होंने इतिहास और समकालीन समय की कई प्रमुख महिलाओं के उदाहरण दिए जिन्होंने देश का गौरव बढ़ाया और भविष्य की पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त किया।

तेलंगाना में संपत्ति कर निरीक्षण तेज, निवासियों में चिंता

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में नगरपालिकाओं और नगर निगमों के कर्मचारी मूल्यांकित, गैर-मूल्यांकित और अल्पमूल्यांकित संपत्तियों का सत्यापन करने के लिए संपत्ति कर पहचान संख्या (पीटीआईएन) डेटा का उपयोग कर जमीनी निरीक्षण शुरू कर चुके हैं। इस दौरान व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के व्यापार लाइसेंस की भी जांच की जा रही है। यूएलबी अधिकारियों के अनुसार यह प्रक्रिया नियमित है, लेकिन गहन निरीक्षण से निवासियों में संपत्ति कर में वृद्धि की आशंका बढ़ गई है। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम को छोड़कर राज्य में 25 लाख से अधिक संपत्तियों का मूल्यांकन किया गया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए 1,175 करोड़ रुपये वसूलने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन अब तक केवल 505 करोड़ रुपये ही वसूल हुए हैं। पिछले साल लगभग 64 प्रतिशत वसूली हुई थी। इसके साथ ही 27 यूएलबी का जीएचएमसी में विलय किया गया है, जिससे लगभग पांच से छह लाख संपत्तियां अब जीएचएमसी के अंतर्गत आ गई हैं। अधिकारियों का अनुमान है कि इन संपत्तियों से 400 करोड़ से 500 करोड़ रुपये तक का योगदान मिल सकता है। एक वरिष्ठ नगर प्रशासन अधिकारी ने कहा कि संपत्ति कर में संशोधन एक नीतिगत निर्णय है और फिलहाल सरकार की ओर से कोई निर्देश नहीं आया है। वहीं, कर्मचारी अपने-अपने क्षेत्रों में कर वसूली के प्रयास तेज कर रहे हैं।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. VSKP-ELECTG-25-26-WC-44, दिनांक : 09.03.2026

कार्य का नाम : किरंडुल स्टेशन पर मालवाहक इलेक्ट्रिक इंजनों (Locos) के रख-रखाव एवं शेड्यूल के लिए ट्रिप शेड (Trip Shed) का निर्माण।

निविदा मूल्य : ₹ 53,71,008.32, बिड सिक्युरिटी : ₹ 1,07,400/-, पूरा होने की अवधि : 240 दिन।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 31.03.2026 को 1330 बजे।

निविदा खुलने की तिथि व समय : 31.03.2026 को 1600 बजे।

निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विवरण वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे। कोई भी जारी शुद्धिपत्र की जानकारी के लिए निविदाकार उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (सामान्य), वाल्टियर

PR-1217/Q/25-26

नए भर्ती सहायक निदेशक (राजभाषा) दल का ज्ञानवर्धन दौरा

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में सीधे भर्ती हुए तथा राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंध अकादमी (नार्म), में प्रशिक्षणरत, 17 सहायक निदेशक (राजभाषा) के दल ने डॉ.जे रेणुका, संयुक्त निदेशक (राजभाषा), नार्म के नेतृत्व में 13 मार्च को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान हैदराबाद का ज्ञानवर्धन दौरा किया। न्यूट्रीहब से श्रीमती अंकिता उपाध्याय ने डॉ.जे स्टेनली, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, न्यूट्रीहब के मार्गदर्शन में उन्हें श्री अन्न- प्रसंस्करण, स्टार्टअप, इन्कुबेशन आदि गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। तत्पश्चात डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा), भाश्रीअनुसं ने संस्थान में संचालित राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों एवं सफल राजभाषा कार्यान्वयन हेतु हिंदी अधिकारी के दायित्व एवं अपेक्षाओं के बारे में जानकारी प्रदान की। इस दौरे का समन्वय डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक के मार्गदर्शन में डॉ. महेश कुमार तथा श्रीमती अंकिता उपाध्याय के द्वारा किया गया।

आंध्र प्रदेश महेश को-आपरेटिव अर्बन बैंक के चेयरमैन मुरली मनोहर पलोद वाईस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी जनरल मैनेजर श्रीनिवास राव ने आज न्यू दिल्ली में सेंट्रल रजिस्ट्रार (मिनिस्ट्री ऑफ़ फाइनेंस) कॉपरेटिव सोसाइटी के इंचार्ज एवं जॉइंट सेक्रेटरी आनंद कुमार झा से मिल कर उनका सम्मान किया। अवसर पर बैंक संबंधी कई गतिविधियों पर उनसे चर्चा की गई।

हैदराबाद में गर्मी : घर पर रहकर हाइड्रेट रहने के आसान उपाय

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जैसे-जैसे शहर में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच रहा है, हैदराबादवासियों ने शरीर को ठंडा और हाइड्रेट रखने के घरेलू उपायों पर ध्यान देना शुरू कर दिया है। राष्ट्रीय पोषण संस्थान (एनआईएन) के अनुसार, कार्बोनेटेड पेय पदार्थों की जगह छाछ, नारियल पानी और नींबू पानी जैसे प्राकृतिक विकल्प बेहतर हैं।

एनआईएन ने बताया कि गर्मियों में केवल पानी पीना अक्सर पर्याप्त नहीं होता क्योंकि इसमें सोडियम, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे जरूरी खनिज नहीं होते। पारंपरिक घरेलू उपाय जैसे माजिगा/छाछ में जीरा और काला नमक मिलाना, नींबू पानी में तुलसी के बीज डालना और जौ का पानी पीना शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने और हाइड्रेटेड रहने में मदद करता है। इसके अलावा कच्चा प्याज और पानी वाले फल जैसे तरबूज, खरबूजा, आइस एप्पल और बेल भी गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने और प्यास बुझाने में कारगर हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन घरेलू और प्राकृतिक उपायों से हाइड्रेटेड रहना आसान और किफायती है, और यह महंगे इलेक्ट्रोलाइट वॉटर के विकल्प के रूप में काम कर सकते हैं।

पूर्व तट रेलवे

सं. WHS/52/WAT/Med/Mar'2026, दिनांक : 06.03.2026

पूर्व तट रेलवे, वाल्टियर मण्डल के रेलवे लाभार्थियों के इलाज के लिए CGHS, ECHS एवं ESIC से सूचीबद्ध / गैर-सूचीबद्ध अस्पतालों, और अन्य इच्छुक प्राइवेट अस्पतालों को मान्यता देने के लिए तथा रक्त में अल्कोहल की मात्रा की जाँच के लिए NABL से मान्यता प्राप्त प्राइवेट लैब्स से 'इच्छा की अभिव्यक्ति' (EOI) आमंत्रित करने का विज्ञापन।

भारत के राष्ट्रपति की ओर से पूर्व तट रेलवे, वाल्टियर के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक CGHS, ECHS एवं ESIC से सूचीबद्ध अस्पतालों या किसी भी अन्य इच्छुक प्राइवेट अस्पतालों और NABL से मान्यता प्राप्त प्राइवेट लैब्स से निर्धारित आवेदन पत्र पर 'इच्छा की अभिव्यक्ति' (EOI) आमंत्रित करते हैं। ये अस्पताल/लैब्स वाल्टियर मण्डल के KK लाइन: कोत्तवलासा - किरंडुल, KR लाइन: कोरापुट - रायगड़ा एवं RV लाइन: रायगड़ा - विजयनगरम के स्वास्थ्य केंद्रों के क्षेत्र में या उनके निकट स्थित होने चाहिए। यह आमंत्रण रेलवे लाभार्थियों के उपचार के लिए है, जिसमें भुगतान की क्रेडिट प्रणाली के आधार पर एक वर्ष की अवधि के लिए CGHS दरों या संबंधित अस्पताल की अपनी दरों (इन दोनों में से जो भी कम हो) के अनुसार उपचार प्रदान किया जाएगा।

सभी अस्पतालों और लैब्स को सलाह दी जाती है कि वे आवेदन पत्र भरने से पहले निर्देशों और साथ संलग्न किए जाने वाले दस्तावेजों की सूची को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। संबंधित अस्पतालों/लैब्स को आवेदन पत्र के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज संलग्न करने होंगे। अधूरे आवेदनों तथा उन आवेदनों को जो निर्धारित तिथि तक जमा नहीं किए जाएंगे, अस्वीकृत कर दिया जाएगा। पैनल में शामिल होने के लिए आवेदन एक सीलबंद लिफाफे में जमा किया जाना चाहिए। इस लिफाफे पर स्पष्ट रूप से **"Application for Empanelment of Hospitals NABL Labs"** लिखा होना चाहिए। यह आवेदन **मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, पूर्व तट रेलवे, मण्डल रेलवे अस्पताल, वाल्टियर** के कार्यालय में दिनांक **30.03.2026 को 1500** बजे या उससे पहले जमा कर दिया जाना चाहिए।

अधिसूचना की तिथि	आवेदन पत्र डाउनलोड करने की तिथि	आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि	EOI's खोलने की तिथि
09.03.2026	09.03.2026	30.03.2026	31.03.2026

आवेदकों के लिए निर्देशों के साथ आवेदन फॉर्म, अनुलग्नकों की सूची **www.eastcoastrail.indianrailways.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है।

PR-1229/Q/25-26

अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/ वाल्टियर

सनराइजर्स लीड्स ने पाकिस्तानी क्रिकेटर को खरीदा

अबरार अहमद पर काव्या मारन ने 2.34 करोड़ की बोली लगाई; द हंड्रेड लीग में खेलेंगे

लंदन, 13 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय मालिकाना हक वाली फ्रेंचाइजी सनराइजर्स लीड्स ने को पाकिस्तान के मिस्ट्री स्पिनर अबरार अहमद पर बोली लगाई। सनराइजर्स की सीईओ काव्या मारन ने खुद उन्हें 1.90 लाख पाउंड (करीब 2.34 करोड़ रुपए) में खरीदा। इसी के साथ अबरार 21 जुलाई से शुरू हो रही द हंड्रेड लीग में किसी भारतीय मालिकाना हक वाली फ्रेंचाइजी से जुड़ने वाले पहले पाकिस्तानी खिलाड़ी बन गए। अबरार को खरीदने पर सोशल मीडिया पर काव्या मारन की आलोचना की जा रही है।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण रिश्तों के कारण आईपीएल फ्रेंचाइजियों ने 2009 के बाद से किसी पाकिस्तानी खिलाड़ियों को साइन नहीं किया है। चेन्नई की मीडिया कंपनी सन ग्रुप ने पिछले साल नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स में पहले 49% हिस्सेदारी ईसीबी से और बाकी 51% यॉर्कशायर काउंटी क्लब से करीब 10 करोड़ पाउंड में खरीदी थी। इसके बाद टीम का नाम बदलकर सनराइजर्स लीड्स रखा गया।

सन ग्रुप आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद और एसए20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप की भी मालिक है, लेकिन इन टीमों में अभी कोई पाकिस्तानी खिलाड़ी नहीं है।

उस्तान तारिक 1.72 करोड़ रुपए में बिके

इस नीलामी में बिकने वाले दूसरे पाकिस्तानी खिलाड़ी मिस्ट्री स्पिनर उस्मान तारिक रहे, जिन्हें बर्मिंघम फीनिक्स ने 1.40 लाख पाउंड (लगभग 1.72 करोड़ रुपए) में खरीदा। हालांकि, पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ और ऑफ स्पिन ऑलराउंडर सैम अयूब अनसोल्ड रहे।

बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान पर विवाद हुआ था

आईपीएल की फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स ने 16 दिसंबर 2025 को अबू धाबी में आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा था।

इसके बाद बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याओं के कारण भारत में इसका विरोध होने लगा। इस पर बीसीसीआई के कहने पर केकेआर ने रहमान को रिलीज कर दिया है। इससे नाराज बांग्लादेशी सरकार ने अपने देश में आईपीएल के प्रसारण पर रोक लगा दी थी।

इतना ही नहीं, बांग्लादेश ने भारत में टी-20 वर्ल्ड कप खेलने से इनकार कर दिया था। ऐसे में आईसीसी ने बांग्लादेश को टी-20 वर्ल्ड कप से ही बाहर कर दिया गया था। बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टी-20 वर्ल्ड कप में शामिल किया गया था।

पाकिस्तान ने भारत से मैच का बॉयकॉट किया था

पाकिस्तानी सरकार ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत से मैच का बॉयकॉट कर दिया था। हालांकि, श्रीलंकाई राष्ट्रपति के हस्तक्षेप के बाद पाकिस्तानी सरकार ने भारत से मैच के लिए मंजूरी दी थी। कोलंबो में 15 फरवरी को खेले गए इस मैच में भारतीय टीम ने 61 रनों के अंतर से जीता था। पाकिस्तान के खिलाफ ईशान किशन ने फिफ्टी लगाई थी।

अजिंक्य रहाणे ने छोड़ी केकेआर की कप्तानी?

आईपीएल 2026 से पहले इस्तीफे की पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल

अहमदनगर, 13 मार्च (एजेंसियां)। कुछ ही दिनों में आईपीएल का 19वां सीजन भी शुरू हो जाएगा और फिर 2 महीने तक 10 टीमों के बीच खिताब की जंग चलती रहेगी. आईपीएल 2026 सीजन शुरू होने से पहले हर टीम ने कुछ न कुछ बदलाव किए हैं, चाहे वो स्क्वॉड में हो या कोचिंग स्टाफ में. वहीं राजस्थान रॉयल्स ने तो अपना कप्तान भी बदला है. इन सबके बीच कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी में भी परिवर्तन की अटकलें और अफवाहें लगातार उड़ती रही हैं. अब टूर्नामेंट शुरू होने से करीब दो हफ्ते पहले ही अचानक केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे के हटने का दावा हो रहा है और इसकी वजह बना है एक सोशल मीडिया पोस्ट, जिसमें रहाणे ने कप्तानी छोड़ने का ऐलान किया है.

रहाणे का इस्तीफा वायरल

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक अकाउंट से दिग्गज बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे के नाम से एक बयान पोस्ट किया गया है. ये बयान का रहाणे के इंस्टाग्राम अकाउंट से लिया गया मालूम होता है. इसमें लिखा है, "कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी करना और मैच जीतना एक सम्मान की बात रही. अब नया घरेलू सीजन आ रहा है, मुझे लगता है कि यही सही वक्त है, जब एक नए लीडर को तैयार किया जाए और इसलिए मैंने कप्तानी जारी नहीं रखने का फैसला किया है."

युवी से पावर हिटिंग सीख रहे पंत

पिछले सीजन में 269 रन ही बना सके थे

मुंबई, 13 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल के पिछले सीजन में खराब प्रदर्शन के बाद ऋषभ पंत अब युवराज सिंह से पावर हिटिंग की ट्रेनिंग कर रहे हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम में एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें पंत मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में युवराज की निगरानी में बड़े-बड़े शॉर्ट खेलने की प्रैक्टिस कर रहे हैं।

इस वीडियो में युवराज सिंह उनकी तकनीक को ध्यान से देख रहे हैं। इतना ही नहीं, वे उन्हें बल्लेबाजी से जुड़े सुझाव भी देते नजर आ रहे हैं। पंत के लिए IPL का पिछला सीजन काफी खराब रहा था। वे एक शतकीय पारी के बावजूद महज 269 रन ही बना सके थे।

इस ट्रेनिंग सेशन में पंत ने ओपन स्टांस लिया यानी कि वे बाएं हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ थोड़े खुले पैरों के साथ बैटिंग करते दिखे। क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस बदलाव से उन्हें ऑफ-साइड में बड़े शॉट खेलने और बेहतर एंगल कवर करने में मदद मिलेगी।

पंत चोट से वापसी कर रहे हैं। वे 11 जनवरी को भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से ठीक पहले चोटिल हो गए थे। ट्रेनिंग सेशन के दौरान थ्रोडाउनर की बॉल पंत की दाहिनी पसलियों पर लगी थी। वे इस सीरीज से बाहर हो गए थे। उन्होंने पिछला इंटरनेशनल मैच साउथ अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में 22 से 26 नवंबर 2025 को खेला था। उस टेस्ट मैच को साउथ अफ्रीका ने 408 रन से जीता था।

युवाओं के मेंटर बन चुके हैं युवराज

युवराज सिंह पिछले कुछ वर्षों में युवा खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन मेंटर साबित हुए हैं। उन्होंने शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह जैसे खिलाड़ियों को ट्रेनिंग दी है। इन खिलाड़ियों ने युवराज के साथ अभ्यास के बाद टी-20 क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है।

पंत से पहले खराब फॉर्म से गुजर रहे संजू सैमसन ने टी-20 वर्ल्ड कप से पहले दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से मदद ली थी। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 96 रनों से फाइनल मैच जीतने के बाद कहा था कि सचिन ने उनकी फॉर्म वापसी में काफी मदद की थी।

आरसीबी की मुश्किलें बढ़ीं! क्या जोश हेजलवुड आईपीएल में भी नहीं खेलेंगे?

लंबे समय से क्रिकेट से हैं दूर

बंगलूरू, 13 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण लंबे समय से क्रिकेट से दूर हैं। एशेज और टी20 विश्व कप 2026 से बाहर रहने वाले हेजलवुड के आईपीएल 2026 में खेलने पर भी संशय है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, हैमस्ट्रिंग और अकिलीज टेंडन की चोटों से जूझ रहे हेजलवुड अभी भी फिजियो की निगरानी में हैं और मेडिकल टीम से खेलने पर अनुमति मिलने का इंतजार कर रहे हैं। पूरी तरह फिट होने पर ही वह लीग का हिस्सा बन सकते हैं।

हेजलवुड अगर फिट नहीं होते हैं और आरसीबी के लिए उपलब्ध नहीं होते हैं तो फिर आईपीएल 2026 में टीम की गेंदबाजी कमजोर हो जाएगी। पिछले सीजन हेजलवुड आरसीबी के लिए बेहद अहम खिलाड़ी साबित हुए थे। उन्होंने 12 मैचों में 22 विकेट लेकर टीम को चैंपियन बनाने में बड़ा योगदान दिया था। टीम लीग के 18वें सीजन में पहली बार विजेता बनी थी।

हेजलवुड को नवंबर में न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलते समय दाहिने हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। इसी वजह से वह एशेज के पहले टेस्ट से बाहर हो गए थे। इसके बाद उन्हें अकिलीज टेंडन की नई चोट का सामना करना पड़ा। इस चोट ने उन्हें पूरे एशेज से बाहर कर दिया और फिर वह टी20 विश्व कप से भी बाहर रहे।

जोश हेजलवुड का आईपीएल करियर भी अंतरराष्ट्रीय करियर की तरह चोटों की वजह से प्रभावित रहा है। हेजलवुड ने 39 आईपीएल मैचों में 57 विकेट लिए हैं। पिछले सीजन भी वह चोट की वजह से कुछ मैचों से दूर रहे थे। हालांकि, नॉकआउट में वह पूरी तरह फिट थे और टीम से जुड़े थे। पिछले सीजन उनका इकोनॉमी रेट 8.77 का रहा था। हेजलवुड ने अब तक आईपीएल में कुल 39 मैच खेले हैं और 57 विकेट झटके हैं। इस दौरान उनका इकोनॉमी रेट 8.28 का रहा है।

ट्रम्प बोले- ईरानी टीम का अमेरिका न आना ही बेहतर

वाशिंगटन, 13 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरानी फुटबॉल टीम को अपनी जान और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वर्ल्ड कप के लिए अमेरिका नहीं आना ही बेहतर होगा। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि ईरानी टीम का स्वागत है।

अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको मिलकर 2026 फीफा वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहे हैं। टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून को मैक्सिको सिटी से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं, एक दिन पहले ईरान के खेल मंत्री अहमद दुन्यामाली ने कहा कि देश की फुटबॉल टीम 2026 फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं ले सकती। उनका कहना है कि अमेरिकी-इजराइली हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या के बाद बने हालात में टीम का टूर्नामेंट में भाग लेना संभव नहीं है। इससे पहले फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फैन्टिनो ने बताया था कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि ईरान की राष्ट्रीय टीम को 2026 फुटबॉल वर्ल्ड कप खेलने के लिए अमेरिका आने की अनुमति दी जाएगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में ट्रम्प ने बताया कि वर्ल्ड कप के टिकटों की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है।

लीजेंड्स क्रिकेट लीग में दिग्गजों के साथ उतरे ऋषि

इंडिया टाइगर्स के साथ खेला पहला मैच

खेल डेस्क, 13 मार्च (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके कई दिग्गज खिलाड़ी एक बार फिर मैदान पर अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं। इसी कड़ी में हिमाचल प्रदेश के अनुभवी ऑलराउंडर ऋषि धवन वीरवार को लीजेंड्स क्रिकेट लीग में दिग्गजों के साथ मैदान पर उतरे। घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले चुके धवन इस लीग में रॉयल राइडर्स पंजाब की ओर से खेल रहे हैं। वीरवार को इंडिया टाइगर्स के साथ टीम का मुकाबला था। ऋषि ने 4 ओवरों में 43 रन दिए। टीम की कप्तानी श्रीलंका के स्टार ऑलराउंडर थिसारा परेरा के हाथों में है।

टीम में ये हैं खिलाड़ी

टीम में चितेश्वर पुजारा, ऋषि धवन, असगर अफगान, सीकुग्गे प्रसन्ना, मोहम्मद शहजाद, सामीउल्लाह शिनवारी, एंजेलो परेरा, चतुरंगा डी सिल्वा, अनुरित सिंह, आफताब आलम, मार्क डेयाल, सरुल कंवर, ट्रेवोन ग्रिफिथ, पवन सुयाल, अयान खान शामिल हैं।

ये दिग्गज खिलाड़ी भी लेंगे भाग

इस लीग में कई अंतरराष्ट्रीय दिग्गज खिलाड़ी भी भाग ले रहे हैं। इनमें क्रिस गेल, रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायडू, तिलकरत्ने दिलशान, रॉस टेलर, बेन डंक, पीयूष चावला, जर्मेन ब्लैकवुड, हरभजन सिंह, मार्टिन गुप्टिल, दिनेश कार्तिक, सुरेश रैना शामिल हैं। रॉयल राइडर्स पंजाब की टीम अपने पांच लीग मुकाबले खेलेगी, जहां धवन दिग्गज खिलाड़ियों के बीच अपने अनुभव का दम दिखाते नजर आएंगे।

हिमाचल प्रदेश के लिए लंबे समय तक घरेलू क्रिकेट खेलने वाले धवन ने जनवरी 2025 में घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। अपने कॅरिअर में उन्होंने रणजी ट्रॉफी समेत कई घरेलू टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया।

किरण जॉर्ज का स्विस ओपन में सफर प्री क्वार्टर फाइनल में समाप्त

बासेल, 13 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय शटलर किरण जॉर्ज स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के जेसन गुणावन से हारकर बाहर हो गए, जबकि युवा थारुन मन्नेपल्ली ने जापान के अपने प्रतिद्वंदी केंटा निशिमोटो के निर्णायक सेट में रिटायर होने के बाद दूसरे दौर में जगह बनाई। जॉर्ज ने कड़ी टक्कर दी लेकिन 70 मिनट तक चले राउंड 16 मैच में 18-21, 21-16, 16-21 से हार गए। भारत के हरिहरन अम्साकारुनन और एम आर अर्जुन की पुरुष युगल जोड़ी भी प्री क्वार्टर फाइनल में हार गई। उन्हें चीनी ताइपे के चेन चेंग कुआन और लिन बिंग-वेई ने 32 मिनट में 17-21, 11-21 से हराया। विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर काबिज मन्नेपल्ली इस मैच में तब 16-21, 21-16, 7-2 से आगे चल रहे थे, जब पांचवीं वरीयता प्राप्त निशिमोटो ने कंधे में दर्द के कारण मैच से हटने का फैसला किया।

विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में सुमित अंतिल का दमदार प्रदर्शन, स्वर्ण अपने नाम किया

नई दिल्ली, 13 मार्च (एजेंसियां)। पैरालंपिक खेलों में दो बार के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक एथलीट सुमित अंतिल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में शीर्ष पोडियम स्थान हासिल किया। दिन की मुख्य स्पर्धा निश्चित रूप से पुरुषों की भाला फेंक (एफ43, एफ44, एफ64) स्पर्धा थी जिसमें टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में लगातार दो स्वर्ण पदक जीतने वाले अंतिल ने 69.25 मीटर के थ्रो के साथ शीर्ष स्थान हासिल करके भारतीय टीम की अगुआई की। पुष्पेंद्र सिंह ने 56.91 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता जबकि पूनम राम ने 49.48 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता।

भारत ने पुरुषों की 400 मीटर टी13 स्पर्धा में भी दबदबा बनाया जिसमें सुबोध भट्ट ने 51.88 सेकंड में स्वर्ण जीता। उनके बाद प्रियांशु कौशिक (53.19 सेकंड) और अवनिल कुमार (56.91 सेकंड) रहे। पुरुषों की 400 मीटर टी46-टी47 स्पर्धा में भाविककुमार दीन भरवाड़ ने 49.89 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण जीता जबकि साथी भारतीय जसबीर 50.09 सेकंड के साथ रजत पदक जीतने में उनके ठीक पीछे रहे। सर्बिया के इवान क्वेतकोविक ने 50.93 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीता।

भारत ने पुरुषों की 400 मीटर टी53-टी54 स्पर्धा की व्हीलचेयर वर्ग में अपना दबदबा बनाए रखा जिसमें मनोजकुमार सबपति ने 54.33 सेकंड में स्वर्ण, अनिल कुमार ने 57.57 सेकंड में रजत और मणिकंदन जोथी ने 1:01.94 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। महिलाओं की स्पर्धा में भी भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया।

ज्वेरेव पहली बार इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में

एटीपी मास्टर्स के सभी 9 इवेंट्स में आखिरी-4 खेलने वाले पांचवें खिलाड़ी बने

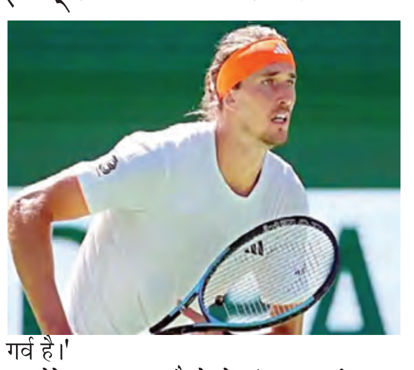

कैलिफ़ोर्निया, 13 मार्च (एजेंसियां)। जर्मनी के टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इंडियन वेल्स मास्टर्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार सेमीफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में आर्थर फिल्स को 6-2, 6-3 से हराया।

इस जीत के साथ ज्वेरेव एटीपी मास्टर्स-1000 के सभी नौ टूर्नामेंट में सेमीफाइनल खेलने वाले सिर्फ पांचवें खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच, रोजर फेडरर और एंडी मरे यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

इस उपलब्धि के साथ ज्वेरेव 'बिग फोर' यानी रोजर फेडरर, राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच और एंडी मरे के चुनिंदा खिलाड़ी क्लब में शामिल हो गए हैं।

ज्वेरेव ने कहा,'इतिहास में ऐसा करने वाले सिर्फ पांच खिलाड़ियों में शामिल होना मेरे लिए बहुत खास है। यह ऐसी उपलब्धि है जिस पर मुझे गर्व है।'

ज्वेरेव अब तक नौ में से पांच मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट जीत चुके हैं। हालांकि, वह अभी तक कोई ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीत पाए हैं, जबकि तीन बार फाइनल तक पहुंच चुके हैं।

सेमीफाइनल में ज्वेरेव का मुकाबला इटली के वर्ल्ड नंबर-2 जेनिक सिनर से होगा। सिनर के खिलाफ ज्वेरेव का रिकॉर्ड थोड़ा कमजोर रहा है और वह लगातार पांच मैच हार चुके हैं।

सिनर ने क्वार्टरफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी लर्नर टिएन को सिर्फ 66 मिनट में 6-1, 6-2 से हराया। सिनर अभी तक इंडियन वेल्स का खिताब नहीं जीत पाए हैं और इस साल अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश में हैं। इससे पहले वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल और कतर ओपन के क्वार्टरफाइनल में हारकर बाहर हो गए थे। टेनिस में ग्रैंड स्लैम के बाद मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट सबसे प्रतिष्ठित माने जाते हैं। एक साल में कुल 9 ऐसे टूर्नामेंट होते हैं-इंडियन वेल्स, मियामी, मोंटे कार्लो, मैड्रिड, रोम, कनाडा, सिनसिनाटी, शंघाई और पेरिस।

इन सभी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचना किसी खिलाड़ी की निरंतरता और उच्च स्तर के प्रदर्शन को दर्शाता है। ज्वेरेव ने इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में पहुंचकर अपना यह 'सेट' पूरा कर लिया है।

मैच फिक्सिंग के कारण जेवन सियर्स आईपीएल 2026 से बाहर

आईसीसी का बड़ा एक्शन

खेल डेस्क, , 13 मार्च (एजेंसियां)। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में हाल ही में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन किया गया. भारत ने वर्ल्ड कप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया और खिताब भी जीता. अब वर्ल्ड कप के बाद आईसीसी ने बड़ा एक्शन लिया है और वेस्टइंडीज के खिलाड़ी जेवन सियर्स को बैन कर दिया है. जेवन सियर्स समेत आईसीसी ने 3 लोगों को सस्पेंड कर दिया है.

आईसीसी का बड़ा एक्शन

जेवन सियर्स, टीम अधिकारी ट्रेवॉन ग्रिफिथ और टाइटंस टीम के मालिक चितरंजन राठौड़ पर भ्रष्टाचार विरोधी संहिता के उल्लंघन के आरोप लगाए हैं. बीम10 टूर्नामेंट में इन खिलाड़ियों पर मैच फिक्स करने का आरोप लगा है. इन पर अन्य खिलाड़ियों को भ्रष्टाचार के लिए उकसाने और एंटी-करप्शन अधिकारियों की जांच में सहयोग न करने का भी आरोप है. इसके अलावा आईसीसी ने टीम के अधिकारी ट्रेवॉन ग्रिफिथ पर सीडब्ल्यूआई कोड के साथ-साथ आईसीसी के अंतरराष्ट्रीय एंटी-करप्शन कोड के उल्लंघन का भी आरोप लगाया है. ग्रिफिथ पर जांच से जुड़ी अहम चीजों से छेड़छाड़ करने का भी आरोप है.

आईसीसी ने राठौड़, सियर्स और ग्रिफिथ को तत्काल प्रभाव से क्रिकेट की सभी गतिविधियों से से निलंबित कर दिया है. आईसीसी ने इन खिलाड़ियों को 14 दिनों का समय दिया है.

जेवन सियर्स का करियर

वेस्टइंडीज के 39 साल के खिलाड़ी जेवन सियर्स ने अब तक देश का प्रतिनिधित्व नहीं किया है. उन्होंने 9 फर्स्ट क्लास मैच में 26 विकेट लिए हैं, जबकि 17 लिस्ट A मैच में उन्होंने 21 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया है. वहीं, 56 टी-20 मैच में जेवन ने 29 विकेट चटकाए हैं. आईपीएल 2018 में वह केकेआर के लिए भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं. उन्होंने 4 मैच में 2 विकेट लिए थे. हालांकि इसके बाद जेवन को केकेआर से खेलने का मौका नहीं मिला. वह कैरेबियन प्रीमियर लीग में साल 2014 से साल 2018 के बीच भी खेल चुके हैं.

मध्य पूर्व तनाव के बावजूद रसोई गैस की कमी नहीं : उत्तम कुमार रेड्डी

अफवाहों के आधार पर घबराकर अतिरिक्त गैस बुक न करें : मंत्री

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर फैल रही आशंकाओं के बीच सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि तेलंगाना में घरेलू रसोई गैस की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति जारी रहेगी। मंत्री ने डॉ. भीमराव अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय से राज्य में रसोई गैस आपूर्ति की स्थिति पर उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में मुख्य सचिव, जिलाधिकारी, नागरिक आपूर्ति विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, पुलिस अधिकारी तथा तेल कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। मंत्री ने सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने, पर्याप्त भंडार बनाए रखने और समय पर वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जमाखोरी और कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने बताया कि राज्य में इस समय लगभग 10,611 मीट्रिक टन रसोई गैस का भंडार उपलब्ध है, जो लगभग 6.97 लाख सिलेंडरों के बराबर है। राज्य में प्रतिदिन करीब 2.5 लाख सिलेंडरों की आवश्यकता होती है, जिनमें से लगभग 86 प्रतिशत घरेलू उपयोग और शेष 14 प्रतिशत वाणिज्यिक उपयोग के लिए होते हैं। अधिकारियों के अनुसार राज्य के किसी भी गैस भराई केंद्र में आपूर्ति बाधित नहीं हुई है और घरेलू मांग का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा नियमित रूप से पूरा किया जा रहा है। राज्य में लगभग एक करोड़ 29 लाख सक्रिय घरेलू गैस कनेक्शन हैं, जिनकी आपूर्ति 810 वितरकों के माध्यम से की जा रही है। मंत्री ने नागरिकों से अपील की कि वे सामाजिक माध्यमों पर फैल रही अपुष्ट अफवाहों के आधार पर घबराकर अतिरिक्त गैस बुक न करें, क्योंकि आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है और नियमित रूप से नई खेप राज्य में पहुंच रही है।

बुकिंग के बीच अंतराल तय

सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग और जमाखोरी को रोकने के लिए बुकिंग के बीच न्यूनतम अंतराल तय किया है। शहरी क्षेत्रों में अब एक सिलेंडर की बुकिंग के बाद 25 दिन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन का अंतराल अनिवार्य होगा। अधिकारियों का कहना है कि सामान्यतः एक सिलेंडर 25 से 45 दिन तक चलता है, इसलिए यह व्यवस्था वास्तविक घरेलू जरूरतों के अनुरूप है।

निगरानी के लिए समितियों का गठन

रसोई गैस आपूर्ति की निगरानी के लिए राज्य और जिला स्तर पर समितियों का गठन किया गया है। राज्य स्तरीय समिति की अध्यक्षता रामकृष्ण राव करेंगे, जबकि जिला स्तर पर जिलाधिकारी प्रतिदिन समीक्षा कर बुकिंग नियमों के पालन और स्थानीय समस्याओं के समाधान की निगरानी करेंगे। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अस्पतालों, विद्यालयों, अनाथालयों, वृद्धाश्रमों और छात्रावासों जैसे आवश्यक संस्थानों को गैस की आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी।

ओटीपी से होगा वितरण सत्यापन

सिलेंडर वितरण में पारदर्शिता के लिए ओटीपी आधारित व्यवस्था लागू की गई है। गैस वितरक द्वारा सिलेंडर पहुंचाने से पहले उपभोक्ता के पंजीकृत मोबाइल पर एक ओटीपी भेजा जाएगा और उपभोक्ता द्वारा ओटीपी बताने के बाद ही सिलेंडर दिया जाएगा, जिससे किसी अन्य व्यक्ति को सिलेंडर मिलने की संभावना समाप्त हो सके। मंत्री ने अधिकारियों को क्षेत्र स्तर पर निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए और कहा कि जमाखोरी, अवैध भंडारण और कालाबाजारी के मामलों में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दोषी पाए जाने पर वितरकों के अनुज्ञापत्र भी रद्द किए जा सकते हैं। बैठक में प्रमुख सचिव स्टीफन रविंद्र, सिंचाई विभाग के सचिव ई. श्रीधर, नगर निगम आयुक्त आर. वी. कर्णन सहित अन्य अधिकारी और तेल कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आरपीएफ ने मानव तस्करी विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

कार्यक्रम में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष ने भाग लिया

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद ने राष्ट्रीय महिला आयोग के सहयोग से संचालन भवन में मानव तस्करी विरोधी विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के लगभग 250 अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया राहटकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे की आईजी-पीसीएससी अरोमा सिंह ठाकुर , तेलंगाना के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था)महेश भगवत, पीसीसीएम इति पांडेय, डीआईजी-सीएससी शादान जेब खान , डीआरएम हैदराबाद संतोष कुमार

वर्मा , राष्ट्रीय महिला आयोग के उपनिदेशक रामावतार सिंह , प्रज्वला संस्था की सामाजिक कार्यकर्ता सुनीता कृष्णन तथा एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन के राज्य समन्वयक ए. वेंकटेश्वरलु सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद थे। इस दौरान वक्ताओं ने मानव तस्करी की बढ़ती समस्या, इसके सामाजिक प्रभाव तथा इसकी रोकथाम में रेलवे से जुड़े विभिन्न हितधारकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। विशेष सत्र में एडीजीपी महेश भगवत और डॉ. सुनीता कृष्णन ने पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से मानव तस्करी की पहचान, पीड़ितों के बचाव, कानूनी प्रावधानों और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में आरपीएफ और जीआरपी के अधिकारियों व कर्मचारियों के अलावा वाणिज्य विभाग के टिकट जांच कर्मचारी, संचालन विभाग के स्टेशन मास्टर और पॉइंट्समैन तथा रेलवे लाइसेंसधारी कुली भी शामिल हुए। प्रतिभागियों के लिए पूर्वाह्न और अपराह्न में दो संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए, जिनमें उन्होंने विशेषज्ञों से प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में डीएससी/आरपीएफ सिकंदराबाद ए. नवीन कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इसके बाद राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मूसी नदी पुनर्जीवन से शहर और संस्कृति को नई पहचान मिलेगी : रेवंत रेड्डी

परियोजना का उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि मूसी नदी के पुनर्जीवन का उद्देश्य किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं बल्कि हैदराबाद शहर की ऐतिहासिक विरासत, पर्यावरण और भविष्य की पीढ़ियों को सुरक्षित करना है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जानबूझकर और कुछ अधूरी जानकारी के आधार पर लोगों में भ्रम और चिंता फैला रहे हैं, जबकि सरकार केवल सच्चाई जनता के सामने रखना चाहती है। 'मूसी इन्वाइट्स' कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव सभ्यता का विकास नदियों के आसपास हुआ है और यदि दुनिया विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रही है तो हमें पीछे नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों के बुद्धिजीवियों से चर्चा कर विकास की रूपरेखा तैयार की गई है। मुख्यमंत्री ने 1908 की मूसी बाढ़ का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय इंजीनियर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की सलाह पर निजाम शासन ने हिमायत सागर और उस्मान सागर जलाशयों का निर्माण कराया, जिन्होंने सौ वर्षों से शहर को बाढ़ से बचाने के साथ-साथ पीने के पानी की जरूरत भी पूरी की है।

उन्होंने कहा कि इतनी समृद्ध विरासत वाले शहर को यूँ ही छोड़ देना उचित नहीं है। मूसी नदी और हैदराबाद शहर का इतिहास बहुत गौरवशाली है और इसे राजनीतिक लाभ के लिए नष्ट नहीं होने दिया जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि मूसी नदी आज प्रदूषण के कारण गंभीर स्थिति में है और इसे पुनर्जीवित करना समय की

आवश्यकता है। रेवंत रेड्डी ने स्पष्ट किया कि मूसी पुनर्जीवन परियोजना किसी के घर छीनने के लिए नहीं है। सरकार प्रभावित लोगों के पुनर्वास के लिए आवास, विद्यालय और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के पास मूसी नदी के तट पर रहने वाले लोगों का पूरा विवरण है और उनके लिए बेहतर सुविधाओं के साथ नए घर बनाने की योजना तैयार की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर के विकास को रोकना समाधान नहीं है। उन्होंने प्रश्न किया कि क्या गरीबों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं नहीं मिलनी चाहिए, क्या रोजगार के अवसर नहीं बनने चाहिए और क्या पर्यटन तथा रात्रिकालीन अर्थव्यवस्था का विकास नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मूसी नदी के पुनर्जीवन से राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी और हैदराबाद को वैश्विक स्तर पर और मजबूत पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री ने सभी वर्गों से अपील की कि वे इस परियोजना के बारे में सुझाव दें और सहयोग करें ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर और स्वच्छ शहर का निर्माण किया जा सके।

पावरग्रिड
POWERGRID

सार्वजनिक सूचना

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने कर्नूल पवन ऊर्जा क्षेत्र (3000 मेगावाट) / सौर ऊर्जा क्षेत्र (1500 मेगावाट) में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से बिजली की आपूर्ती के लिए 765 केवी डी / सी कर्नूल-III पीएस - महेश्वरम ट्रांसमिशन लाइन का निर्माण पूरा कर लिया है। विद्युत अधिनियम, 2003 और उसके अंतर्गत निर्मित नियमों के प्रावधानों के अनुसार, आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त लाइन 15.03.2026 को या उसके बाद किसी भी दिन चार्ज की जाएगी। यह लाईन निम्नलिखित गांवों से होकर गुजर रही है:

क्रम संख्या	गांवों के नाम	तहसील / मंडल	जिला
	आंध्र प्रदेश राज्य		
1	तिम्मनयनी पेटा, नंदीपाडु, कोटपाडु	कोलिमिगुंडला	नंद्याल
2	पेरुसोमाला, मुक्कामाला, गिद्दलुरु, रेड्डीपल्ले, मंगपल्ले, कनाला, अल्वाकोंडा, मुचलपुरी, संजामाला, एगोनी, मुदिगेडु, रामभद्रुनिपल्ले, दत्तपुरम	संजमाला	नंद्याल
3	कोइलाकुंटला, सौडरडिन्ने, अमाडाला, बिजनवेमुला, जोलादारसाई, पेद्दा कोप्परला, चिन्ना कोप्परला, वल्लमपाडु, रेवानुरु, कलुगोटला, वेलागाटुरु, मोगालाई उप्पलूर, लिगाला, गुंजलापाडु, चिंताकुंटला	कोइलाकुंटला	नंद्याल
4	तंगुतूर	बनगनपल्ले	नंद्याल
5	कोथुरु, रायपाडु, तेलपुरी, एस कोलुरु	गोसपाडु	नंद्याल
6	मद्दुर, थोगारिचेडु, कोवलूर, भूपनपाडु, नेरवाड़ा, चिलकला, गोराकल्लु, कोंडाजुतुर, बालापनूर, गग्गातुर, अनुपुर, कोथुरु	पन्याम	नंद्याल
7	पुलिमाद्दी, पुसुलुर, उडुमालापुरम, चापिरेवुला, वेंकटेश्वरपुरम, पोलुरु, मुनुगाला, रोयामालापुरम, मितनाला, गुंथनाला, ब्राह्मणपल्ले, शिवरामपुरम	नंद्याल	नंद्याल
8	कोरतामाड्डी, तिरिपाडु, दुरवेसी, बिलाकलागुडुरु, गाडिगेरेवुला, चिंदुकुरु, गांडिवमुला, बुजानुरु, करीमद्दुला, बिलाकलागुड्डुरु, कोरापोलुरु, पेसारवे, थिरुपाडु	गाडिवेमुला	नंद्याल
9	वेलपनुरु, रेंगादिगुदुर	वेलुगोडे	नंद्याल
10	अलागनुर	मिदुथुर	नंद्याल
11	वनाला, मद्दुरु	पामुलापाडु	नंद्याल
12	थारिगोपुला, पी. लिंगापुरम, थुडिचेरला, थंगाडांचा, मंडलेम, जुपाडु बंगला, टार्टूर, तारिगोपुला, भास्करपुरम, परुमंचला, बन्नूर-80	जुपाडु बंगला	नंद्याल
13	कोनिडेला, नागतुर	नंदीकोटकुर	नंद्याल
14	पगिड्याला, मुरवा कोंडा, मुचुमरी, लक्ष्मपुरम	पगिड्याला	नंद्याल
	तेलंगाना राज्य		
1	यांगमपल्ली थांडा, मनचलकट्टा, पेंटलवेल्ली, वेमकल, मल्लेश्वरम	पेंटलवेल्ली	नागरकर्नूल
2	चेन्नमपल्ली, रामापुर, चौटाबेटला, मशीनीपल्ली, अंकिराओपल्ली, चिक्कईपल्ली, नरसिंगारावपल्ली, वर्देला, नरिस्मापुरम, कोल्लापुर, कुडिकिल्ला	कोल्लापुर	नागरकर्नूल
3	पेरुमंडलापल्ली, कल्वाकोले, कोठापेटा, सातपुर, चेन्नापुरोपल्ली, बाचाराम, पेद्दाकोथापल्ली, पेद्दाकरपामुला, मुस्टिपल्ली, जोनालाबोगुडा, गारीकल, आदिराला	पेद्दाकोथापल्ली	नागरकर्नूल
4	पेद्दापल्ली, गौतमपल्ली, रायपाकुला, अनंतसागर, चिन्नामुद्दुनूर, जमिस्तापुर, कारवांगा, बंदपल्ली, गद्दामपल्ली	तेलकापल्ली	नागरकुर्नूल
5	पुलिजला, वेंकटपुर, पेद्दामुदुनूर	नागरकर्नूल	नागरकर्नूल
6	अल्लापुर, मेदीपुर, यंगमपल्ली, गुंथकोडुरु	तदूर	नागरकर्नूल
7	सुद्दकल, पजुगुल, वेपुर, थनिकल, थर्निकल थांडा, कुमिड्डा, मार्चल, जिलेला, यांगमपल्ली, गुडूर, जीदिपल्ली	कल्वाकुर्थी	नागरकर्नूल
8	उरकोंडापेटा, जगबोइनपल्ली, जकनलापल्ली, इप्पाइपहाड़, नरसंपल्ली	उरकोंडा	नागरकर्नूल
9	राचूर, कुप्पागुंडला, बालसुलापल्ली थांडा, गड्डू इप्पलापल्ली, वेंकटराओपेटा	वेलदंडा	नागरकर्नूल
10	वीरन्नापल्ली, गड्डइप्पलापल्ली, केसिलिथंडा, कोरिंडाकुंठा थंडा, बालसुलापल्ली थांडा, गरविपल्ली, खानापुर, चुक्कापुर, यादवल्ली, पठकोटा थंडा, वेंकटरावपेटा	तलकोंडापल्ली	रंगारेड्डी
11	बालाजी नगर थांडा, वेल्लमपल्ली, वासुदेवपुर, कड्या थांडा, गद्दामेडा थांडा, करकलपहाड़, मैसीगंडी, गणुगुमारला थांडा, वम्पागुडा, कड्थल	कड्थल	रंगारेड्डी
12	सायरेड्डीगुडेम, अनमासपल्ली, पोथुबंदा थांडा, सर्वरावुलापल्ले, वाविलकुंटानथांडा, मुचेरला, मीरखानपेट	कंदुकूर	रंगारेड्डी

सभी आम जनता से अनुरोध है कि वे उक्त ट्रांसमिशन लाइन और उसके टावरों से दूर रहें और 15.03.2026 को या उसके बाद इन टावरों पर न चढ़ें और न ही किसी भी प्रकार की लाइन को स्पर्श करें। ऐसा कोई भी कार्य गंभीर बिजली के झटके या घातक दुर्घटना का कारण बन सकता है। इस अपील के उल्लंघन के परिणामस्वरूप होने वाली किसी भी दुर्घटना या जानमाल की हानि के लिए पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड या उसके कर्मचारी जिम्मेदार नहीं होंगे।

हस्ता./-
मुख्य महाप्रबंधक (कें3 एवं कें4)

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
साइट कार्यालयः विला नंबर,103, नंदी पैराडाइज, क्रांति नगर, नांदयाल (मंडल एवं जिला), आंध्र प्रदेश-518501
क्षेत्रीय मुख्यालयः दक्षिणी क्षेत्र-I, 6-6-8/32 &395E, कवाडीगुडा, सिकंदराबाद-500080
पंजीकृत कार्यालयः बी-09, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016.
फोन-011-26560112, 26560121 | www.powergrid.in सीआईएनः L40101DL1989GOI038121
पावरग्रिड एक महारत्न पीएसयू
Key no. SR-I/PR/Advt-13/2025-26/Alaknanda

सीएम ने पूर्व डीजीपी के निधन पर संवेदना व्यक्त की

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पूर्व पुलिस महानिदेशक एच.जे. डोरा के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने डोरा के परिवार के प्रति सहानुभूति जताई और उनके पुलिस सेवा में योगदान, विशेषकर खुफिया प्रमुख और राज्य डीजीपी के रूप में कार्यकाल की सराहना की। मुख्यमंत्री ने डोरा के सुधारात्मक पहल और पुलिस विभाग तथा जनता के बीच संबंध मजबूत करने में उनके योगदान को याद किया।

मधुमक्खियों के हमले में 15 लोग घायल

संगारेड्डी, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार की सुबह सदाशिवपेट मंडल के वेंकटपुर गांव में मधुमक्खियों के झुंड के हमले में कम से कम 15 लोग घायल हो गए। मधुमक्खियों का झुंड अचानक गांव में घुस आया और लोगों को डंक मारने लगा, जिसमें लगभग चार स्कूली बच्चे भी शामिल थे। एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ जब वह साइकिल चला रहा था। उसने खुद को पानी डालकर बचाने की कोशिश की, लेकिन मधुमक्खियों ने हमला जारी रखा। इस घटना से सुबह के समय गांव में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपने घरों में बंद हो गए। घायलों को सदाशिवपेट स्थित सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

तेलंगाना मानवाधिकार आयोग ने जांच शुरू की

हाइड्रा पर गलत कार्रवाई करने का आरोप

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. न्यायमूर्ति शमीम अख्तर ने एपीआर प्रणव एंटिलिया, बाचुपल्ली के निवासियों की शिकायत पर जांच शुरू की। निवासियों का आरोप है कि हैदराबाद डिजास्टर रिस्पॉन्स और संपत्ति सुरक्षा एजेंसी (हाइड्रा) ने 9 मार्च को उनकी सामुदायिक दीवार गिरा दी, जबकि उन्हें नोटिस पर उचित जवाब देने का अवसर नहीं मिला। शिकायत में यह भी कहा गया कि महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया गया और आवश्यक विद्युत उपकरण हटाने में बाधा डाली गई। आयोग ने मीडिया में फैल रही भ्रामक जानकारी के कारण मानसिक तनाव और असुरक्षा की बात उठाई। आयोग ने निवासियों की गरिमा और गोपनीयता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और तेलंगाना पुलिस महानिदेशक को निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने को कहा। आयोग ने शहर के सड़कों की बिजली आपूर्ति बहाल करने हेतु टीजीएसपीडीसीएल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को तकनीकी सहयोग प्रदान करने का आदेश दिया। संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट जमा करने के निर्देश दिए गए हैं और मामले की अगली सुनवाई 7 अप्रैल को तय की गई है।

आधुनिक कौशल सीखें, उज्जवल भविष्य बनाएं : मंत्री

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के श्रम मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने विद्यार्थियों को नए कौशल और आधुनिक तकनीकी ज्ञान अर्जित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह उन्हें उज्जवल भविष्य और बेहतर करियर अवसर सुनिश्चित करेगा। मंत्री यह बातें एक इंजीनियरिंग कॉलेज, घटकेसर में एसएपी कोड इनोवेशन 2025-26 कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कही। इस अवसर पर कॉलेज में स्थापित एसएपी कोड इनोवेशन कक्ष का भी उद्घाटन किया गया। डा. विवेक वेंकटस्वामी ने विद्यार्थियों को जीवन में सफलता पाने के लिए अनुशासन, अध्ययन में पूरी एकाग्रता और निष्ठा का महत्व बताया। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य को ईमानदारी और पूर्ण समर्पण के साथ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैश्विक तकनीक तेजी से बदल रही है और विद्यार्थियों को इसे अपनाना चाहिए, न कि डरना चाहिए। कॉलेज प्रमुख कोम्मुरी प्रताप रेड्डी ने मंत्री का धन्यवाद किया और कार्यक्रम के महत्व को उजागर किया। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों के विद्यार्थियों को एसएपी कोड इनोवेशन में भाग लेने के प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष पावनी जांगैया, जिला कांग्रेस नेता महेश गौड़, कॉलेज प्रबंधन, शिक्षकगण, विद्यार्थी और स्थानीय गणमान्य उपस्थित रहे।

पिछड़ा वर्ग आयोग कार्यालय में अभिलेख निस्तारण व स्वच्छता अभियान

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के 99 दिवसीय जनपालन प्रगति कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को खैरताबाद स्थित तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आयोग के कार्यालय में लंबित अभिलेखों के निस्तारण तथा परिसर की स्वच्छता के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आयोग के अध्यक्ष जी. निरंजन, सदस्य रापोलु जयप्रकाश, तिरुमलगिरि सुरेंद्र, बाललक्ष्मी तथा सदस्य सचिव बी. बाला माया देवी ने भाग लिया।

बैठक में उपनिदेशक यू. श्रीनिवास राव, सहायक सचिव के. मनोहर राव, विशेष अधिकारी एन. सुनीता, अनुभाग अधिकारी जी. सतीश कुमार और इरफान खान, अनुसंधान अधिकारी जी. लक्ष्मीनारायण सहित अन्य कर्मचारी भी उपस्थित रहे। इस दौरान आयोग के अध्यक्ष, सदस्यों और अधिकारियों ने पूरे कार्यालय परिसर का निरीक्षण कर स्वच्छता और रखरखाव के लिए आवश्यक कदमों की पहचान की।

इन कार्यों को आगामी एक सप्ताह के भीतर पूरा करने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष जी. निरंजन ने कर्मचारियों से कार्यालय परिसर को स्वच्छ तथा सुखद वातावरण में बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने 99 दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत लंबित अभिलेखों का शीघ्र निस्तारण करने के भी निर्देश दिए।

एलपीजी गैस की कालाबाजारी पर सख्त कदम उठाएं अधिकारी : रामकृष्णा राव

मुख्य सचिव ने गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में एलपीजी गैस की उपलब्धता, भंडार और घरेलू उपभोक्ताओं तक वितरण की समीक्षा के लिए शुक्रवार को डा. भीमराव अंबेडकर सचिवालय में मुख्य सचिव के. रामकृष्णा राव ने बैठक की।

बैठक में तेल विपणन कंपनियों के प्रतिनिधि और नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में राज्य में एलपीजी गैस की आपूर्ति, भंडार, परिवहन व्यवस्था और भविष्य की आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि राज्य में घरेलू उपभोक्ताओं को एलपीजी गैस सिलेंडरों की आपूर्ति में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने रोजाना की समीक्षा, ब्लैक मार्केट रोकथाम और वितरण एजेंसियों पर पुलिस निगरानी सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाने को कहा। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में राज्य में लगभग 1.29 करोड़ घरेलू कनेक्शन हैं और मौजूदा भंडार वर्तमान मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। इसके साथ ही अस्पतालों और सरकारी छात्रावासों को भी मांग के अनुसार एलपीजी गैस की आपूर्ति की जा रही है।

तेल विपणन कंपनियों और विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि घरेलू उपभोक्ताओं को गैस वितरण में किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। राज्य में 810 एलपीजी वितरण केंद्र कार्यरत हैं और उपभोक्ताओं तक समय पर वितरण सुनिश्चित करने के लिए तेल विपणन कंपनियों को निर्देशित किया गया है। मुख्य सचिव ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु संबंधित विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने का भी सुझाव दिया।

बैठक में एचपीसीएल, आयोसीएल, बीपीसीएल मार्केटिंग कंपनियों के प्रतिनिधि, नागरिक आपूर्ति विभाग के आयुक्त स्टीफेन रवींद्र और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

एलपीजी बुकिंग प्रणाली ठप, वितरण केंद्रों पर दबाव

हैदराबाद, 13 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कई एलपीजी वितरण केंद्रों पर अचानक बुकिंग बढ़ने के कारण प्रणाली ठप हो गई है। तेलंगाना एलपीजी वितरक संघ के अध्यक्ष कल्लड़ी जगन मोहन रेड्डी के अनुसार, ऑर्डर में अचानक वृद्धि से वितरण नेटवर्क प्रभावित हुआ और कई केंद्रों पर कामकाज बाधित हो गया। रेड्डी ने कहा कि घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति नियमित रूप से हो रही है, लेकिन उपभोक्ताओं में घबराहट के कारण बुकिंग में वृद्धि हुई है। ओटीपी प्रणाली पर आधारित यह वितरण पूरे देश के नेटवर्क से जुड़ा है, जिससे केंद्रों पर भारी दबाव बन गया है। तेलंगाना में 810 एलपीजी वितरक हैं और 1.30 करोड़ उपभोक्ता हैं, जिनमें 82 प्रतिशत घरेलू और 18 प्रतिशत व्यावसायिक हैं। व्यावसायिक सिलेंडरों की आपूर्ति पिछले कुछ दिनों से न्यूनतम है और कुछ पुराने स्टॉक की कालाबाजारी की संभावना भी है।

हरि ॐ हरि ॐ
स्वर्गवास

स्व. श्रीमती तीजाबाई सोलंकी
धर्मपत्नी : श्री मोनारामजी सोलंकी
स्वर्गवास : 13 मार्च 2026 || मरुधर मे गाँव गादाणा
शवयात्रा शनिवार दि.14.03.2026, प्रातः 11 बजे
हमारे निवास स्थान हाईलम कॉलनी जुबली हिल्स वेंकटगिरि से पंजागुट्टा श्मशान वाटिका जाएगी ।
शोकाकुल : भाणाराम, नारायणलाल, दुर्गाराम, वेनाराम, लालाराम, जोराराम, मुलाराम (पुत्र), कमलाबाई (पुत्री), प्रमोद, सुरेन्द्र, विवेक (पौत्र), संतोष, ज्योति, खुशबु, गियानवी, नीतू (पौत्री), एवं समस्त सोलंकी परिवार वेरा जोसीया आट, गादाणा, राजस्थान
फर्मः विजय प्लाईवुड जुबली हिल्स, हैदराबाद
गणेश मार्केटिंग बाचुपल्ली, हैदराबाद 9246371226, 9247885589
P.Solankey

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.